नई सोच एक्सप्रेस

हर खबर पर पैनी नजर

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 12

आईसीसी का दूसरी बार अध्यक्ष नियुक्त होने पर जय शाह को...



www.naisochlive.com | पटना, मंगलवार, 17 नवंबर 2026, वर्ष- 09, अंक- 260, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

फिलीपींस पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

- पीएम मोदी का मनीला एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत हुआ, लोगों ने 'मोदी-मोदी' के नारे लगाए
- प्रधानमंत्री 23वें आसियान-भारत और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे
- फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर प्रधानमंत्री के सम्मान में रात्रिभोज आयोजित करेंगे

बच्चों ने पढ़े संस्कृत श्लोक; आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में लेंगे हिस्सा



एजेंसी। मनीला

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर सोमवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला पहुंचे। मनीला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फिलीपींस के सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव रॉबर्ट जोसेफ 'जय' मोंटेस डी क्लारो ने उनकी अगवानी की। इस दौरान भारतीय समुदाय के लोगों ने वंदे मातरम् के नारे लगाकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। बच्चों ने संस्कृत मंत्रों का उच्चारण किया और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। प्रधानमंत्री को हवाई अड्डे पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने वहां मौजूद भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की और उनका अभिवादन स्वीकार किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट में प्रधानमंत्री के मनीला पहुंचने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण के प्रमुख आधार के रूप में आसियान के साथ भारत की साझेदारी की पुष्टि करती है। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर के निमंत्रण पर यहां पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी 16 से 18 नवंबर तक फिलीपींस में रहेंगे। 17 नवंबर को होने वाले दोनों शिखर सम्मेलनों में भारत और आसियान देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा होगी। इसके साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी। मनीला में आयोजित इन सम्मेलनों में आसियान के 11 सदस्य देशों के नेता और संवाद साझेदार देशों के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। इस वर्ष आसियान की अध्यक्षता फिलीपींस के पास है और सम्मेलन की मेजबानी राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर कर रहे हैं। सम्मेलन का विषय 'नेविगेटिंग आवर फ्यूचर, टुगेदर' रखा गया है। 17 नवंबर को आसियान-भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के अलावा आसियान-अमेरिका विशेष शिखर सम्मेलन भी प्रस्तावित है। सम्मेलन के दौरान विभिन्न देशों के नेताओं की द्विपक्षीय बैठकें भी होंगी। इन बैठकों में समुद्री सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता, व्यापार, संपर्क, आपूर्ति श्रृंखला, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग और क्षेत्रीय विवादों जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। म्यांमार में जारी संघर्ष और दक्षिण-पूर्व एशिया से जुड़े अन्य विवाद भी विचार-विमर्श का हिस्सा हो सकते हैं। भारत और आसियान के बीच व्यापार संतुलन तथा मौजूदा व्यापार समझौते की समीक्षा भी महत्वपूर्ण मुद्दे होंगे। आसियान में इंडोनेशिया, फिलीपींस, मलेशिया, सिंगापुर, ब्रुनेई, थाईलैंड, वियतनाम, म्यांमार, लाओस, कंबोडिया और तिमोर-लेस्ते शामिल हैं। सदस्य देशों की ओर से फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस, ब्रुनेई के सुल्तान हसनल बोल्कियाह, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, लाओस के प्रधानमंत्री सलेउमसाइ कोम्मासिथ, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग, थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल, तिमोर-लेस्ते के प्रधानमंत्री के राला शनाना गुस्माओ और वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हुंग सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। कंबोडिया का प्रतिनिधित्व उप प्रधानमंत्री हैंग चुओन नारोन कर रहे हैं। म्यांमार का प्रतिनिधित्व उसके विदेश मंत्रालय के आसियान मामलों के महानिदेशक यू हान विन ऑन्ग कर रहे हैं। आसियान के संवाद साझेदारों और विशेष अतिथियों में अमेरिका, चीन, जापान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, रूस, कनाडा और ब्राजील के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

एक्ट ईस्ट पॉलिसी और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र पर रहेगा जोर

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "पीएम नरेंद्र मोदी 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें ईस्ट एशिया समिट में हिस्सा लेने के लिए मनीला पहुंचे। पीएम का स्वागत फिलीपींस के सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव रॉबर्ट जोसेफ मोंटेस डी क्लारो ने किया। यह दौरा भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और इंडो-पैसिफिक विजन के लिए आसियान के साथ पार्टनरशिप को पक्का करता है। प्रधानमंत्री की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब भारत और आसियान वर्ष 2026 को 'आसियान-भारत समुद्री सहयोग वर्ष' के रूप में मना रहे हैं। इसके अलावा, वर्ष 2027 में भारत और आसियान के संवाद संबंधों के 35 साल और व्यापक रणनीतिक साझेदारी के पांच साल पूरे होंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में आसियान-भारत कार्य योजना 2026-2030 समेत व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत हुई प्रगति की समीक्षा की जाएगी। साथ ही, दोनों पक्षों के बीच भविष्य में सहयोग की दिशा तय की जाएगी।

सोशल मीडिया की जवाबदेही के तंत्र बनाने के लिए समाज में हो विचार मंथन : अश्विनी वैष्णव



एजेंसी। नई दिल्ली

सरकार ने नागरिक समाज, बुद्धिजीवियों और डिजिटल एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के संचालकों का आज आह्वान किया कि वे सोशल मीडिया के कंटेट को उत्तरदायित्वपूर्ण बनाने के लिए और शिकायतों के निवारण के वास्ते एक प्रभावी तंत्र बनाने के लिए क्या ढांचा बनाया जाना चाहिए, इस पर गहन विचार मंथन करें ताकि सोशल मीडिया समाज को मजबूत बनाने में योगदान दे, ना कि कमजोर एवं विभाजित करे। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर भारतीय प्रेस परिषद की ओर से यहां आकाशवाणी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर आज किसी की कोई स्पष्ट जिम्मेदारी नहीं है। प्लेटफॉर्म अपनी कम्युनिटी गाइडलाइंस और नीतियों के आधार पर आत्म नियमन करते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह व्यवस्था पर्याप्त है? क्या नागरिकों की आवाज, शिकायतों के निवारण और उनके हितों की सुरक्षा के लिए केवल आत्म नियमन काफी है? पत्रकारिता सनसनी या जिम्मेदारी विषय पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने मीडिया की बदलती भूमिका, तकनीकी विकास, सोशल मीडिया के प्रभाव और पत्रकारिता की जिम्मेदारी पर विस्तार से अपनी बात रखी और बीते दो तीन दशकों में मीडिया के क्षेत्र में जो बदलावों और आने वाले पांच साल में उससे कहीं अधिक परिवर्तनों को लेकर सजग किया। उन्होंने सोशल एवं डिजिटल मीडिया की चुनौतियों की चर्चा करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर भ्रामक विज्ञापन, सिंथेटिक तरीके से तैयार किए गए फर्जी कंटेंट और म्यूचुअल फंड जैसे वित्तीय विषयों पर गुमराह करने वाले प्रचार की समस्या सामने आ रही है। वित्त मंत्रालय ने भी इस तरह के कई उदाहरण दिए हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। ऐसे मामलों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अपनी जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया कंपनियों को अपने प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध सामग्री के प्रति सचेत और सतर्क रहना चाहिए। केवल कम्युनिटी गाइडलाइंस बनाकर जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उन नियमों का प्रभावी तरीके से पालन हो। केंद्रीय मंत्री ने डिजिटल अरेस्ट और साइबर ठगी के मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज खासकर वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाकर उनके बैंक खातों से पैसे ठगे जा रहे हैं। इस तरह की घटनाओं में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की भी कुछ जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्लेटफॉर्म को इस बात के प्रति सचेत नहीं रहना चाहिए कि उनके यहां किस तरह का कंटेंट प्रसारित हो रहा है और उसका इस्तेमाल लोगों को ठगने के लिए तो नहीं किया जा रहा है? वैष्णव ने कहा कि ये सभी ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर आज पूरी दुनिया में समाज, सरकारों, सिविल सोसाइटी और मीडिया के बीच गंभीर चर्चा और बहस चल रही है। मंत्री ने कहा कि नागरिकों को सशक्त करना, उन्हें अपनी बात रखने का अवसर देना और उनकी शिकायतों के निपटारे के लिए प्रभावी मंच उपलब्ध कराना जरूरी है। ऐसा मैकेनिज्म तैयार करना होगा, जिससे मीडिया और सोशल मीडिया दोनों के कारण समाज मजबूत हों, न कि कमजोर हो।

संक्षिप्त समाचार

जय शाह लगातार दूसरी बार बने आईसीसी अध्यक्ष, निर्विरोध हुआ चुनाव

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में जय शाह को लगातार दूसरी बार अध्यक्ष चुना गया है। इंडोनेशिया के बाली में आयोजित आईसीसी बोर्ड की बैठक में निदेशकों के प्रस्ताव के बाद उन्हें निर्विरोध दोबारा इस पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। बोर्ड के इस फैसले को वैश्विक स्तर पर क्रिकेट के विस्तार और खेल के भविष्य की योजनाओं के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आईसीसी बोर्ड ने जय शाह के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए उनके दूसरे कार्यकाल पर मुहर लगाई। क्रिकेट इन दिनों दुनिया भर में लोकप्रियता बढ़ाने, नए दर्शकों तक पहुंच बनाने और व्यावसायिक संभावनाओं के विस्तार के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में आईसीसी के सामने खेल को नए देशों तक पहुंचाने और इसकी बुनियादी संरचना मजबूत करने की बड़ी चुनौती है। लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में क्रिकेट की वापसी भी इस दिशा में अहम अवसर मानी जा रही है। इससे क्रिकेट को वैश्विक मंच पर नई पहचान मिलने के साथ ही नई पीढ़ी के खिलाड़ियों और प्रशंसकों को जोड़ने का मौका मिलेगा। आईसीसी ने अपने दीर्घकालिक प्रतियोगिता कार्यक्रम का भी विस्तार किया है, जिससे खिलाड़ियों को अधिक अवसर मिल सकेंगे। बोर्ड ने महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने, एसोसिएट सदस्य देशों को अधिक मौके देने और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की पारदर्शिता बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। दूसरी बार अध्यक्ष चुने जाने पर जय शाह ने कहा कि वह बोर्ड के भरोसे और समर्थन से सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का खतरा, आंध्र प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बना डीप डिप्रेशन तेजी से चक्रवाती तूफान में बदलने की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, सोमवार शाम तक इसके चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। वहीं, मंगलवार शाम तक यह गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। इसके बाद इसके उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए आंध्र प्रदेश के तट की ओर जाने का अनुमान है। मौसम विभाग ने 17 से 21 नवंबर तक तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों में 19 और 20 नवंबर को बेहद भारी बारिश होने की आशंका है। लगातार बारिश के कारण निचले इलाकों में जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है। तूफान के प्रभाव से तेज हवाएं चलने और समुद्र में ऊंची लहरें उठने की संभावना है। इसे देखते हुए मछुआरों को 20 नवंबर तक समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है। इधर, राजस्थान में दो दिनों तक हुई बारिश के बाद सोमवार को ठंड का असर बढ़ गया। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में अगले तीन से चार दिनों तक मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। वहीं, मध्य प्रदेश में 20 नवंबर के बाद बारिश होने की संभावना जताई गई है। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में रविवार देर रात बर्फबारी हुई। इससे पहले बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में भी बर्फ गिर चुकी है। पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी के चलते तापमान में गिरावट आई है और सोमवार को मैदानी इलाकों में भी ठंड बढ़ गई।

यात्रियों की सुविधा के लिए सहरसा-अमृतसर के बीच चलेगी अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने सहरसा और अमृतसर के बीच एक अनारक्षित पूजा विशेष रेलगाड़ी चलाने का निर्णय लिया है। उत्तर रेलवे के अनुसार 05517/05518 सहरसा-अमृतसर-सहरसा अनारक्षित पूजा विशेष रेलगाड़ी का संचालन एक-एक फेरे के लिए किया जाएगा। गाड़ी संख्या 05517 सहरसा-अमृतसर अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी 18 नवंबर को सहरसा से दोपहर 1:35 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन रात 10:05 बजे अमृतसर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 05518 अमृतसर-सहरसा अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी 20 नवंबर को अमृतसर से सुबह 4 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 11:20 बजे सहरसा पहुंचेगी। यह विशेष रेलगाड़ी दोनों दिशाओं में सिमरी बख्तियारपुर, मानसी, खगड़िया, बेगूसराय, बरौनी, दलसिंहसराय, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, हाजीपुर, सोनपुर, छपरा, सिवान, देवरिया सदर, गोरखपुर, लखनऊ, हरदोई, बरेली, मुरादाबाद, हापुड़, दिल्ली जंक्शन, अंबाला कैंट, लुधियाना, फगवाड़ा, जालंधर सिटी और ब्यास स्टेशनों पर ठहरेगी। रेलवे ने यात्रियों को रेलगाड़ी के समय और अन्य जानकारियों के लिए नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम (एनटीईएस) की वेबसाइट देखने अथवा रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर संपर्क करने की सलाह दी है।



राष्ट्रीय सुरक्षा में अब हर नागरिक की भूमिका अहम

CDS बोले- तकनीक और सप्लाई चेन पर भारत का नियंत्रण जरूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

देश के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कहा है कि बदलते वैश्विक हालात में राष्ट्रीय सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल सेना या सरकार तक सीमित नहीं रह गई है। इसमें उद्योग जगत, तकनीकी संस्थानों, शिक्षण संस्थानों, स्टार्टअप और आम नागरिकों की भी अहम भूमिका है। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए कहा कि भारत को अपनी महत्वपूर्ण तकनीकों और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नियंत्रण स्थापित करना होगा। जनरल राजा सुब्रमणि ने सोमवार को ANI नेशनल सिक्योरिटी समिट 3.0 में संबोधन के दौरान कहा कि आत्मनिर्भरता का अर्थ यह नहीं है कि देश में हर वस्तु का निर्माण किया जाए। इसका वास्तविक मतलब ऐसी क्षमताएं विकसित करना है, जिनके दम पर भारत अपने रणनीतिक फैसले स्वतंत्र रूप से ले सके और जरूरत पड़ने पर किसी बाहरी देश पर निर्भर न रहना पड़े। सीडीएस ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल ने राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ऐसे में देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए समाज के हर वर्ग और संस्थान की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक दौर में राष्ट्रीय सुरक्षा का दायरा सैन्य अभियानों से कहीं आगे बढ़ चुका है। अपने संबोधन में जनरल राजा सुब्रमणि ने इसरो के नेविगेशन सैटेलाइट NavIC NVS-03 के सफल प्रक्षेपण का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि 30 अक्टूबर 2026 को इसरो ने इस उपग्रह को सफलतापूर्वक लॉन्च किया था। इससे पहले पीएसएलवी के लगातार दो प्रक्षेपण असफल रहे थे और NVS-02 मिशन में भी तकनीकी समस्याएं सामने आई थीं। उन्होंने कहा कि इन असफलताओं के बावजूद इसरो ने उनके कारणों की पड़ताल की, तकनीकी ऑडिट कराया और जरूरी सुधारों के बाद दोबारा सफलता हासिल की। यह दिखाता है कि किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तकनीकी क्षमता और लगातार सुधार की प्रक्रिया कितनी महत्वपूर्ण है। सीडीएस ने कहा कि NavIC जैसे नेविगेशन सैटेलाइट केवल अंतरिक्ष कार्यक्रमों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि देश की राष्ट्रीय सुरक्षा में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सटीक पोजिशनिंग, नेविगेशन और टाइमिंग (PNT) प्रणाली लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों सहित कई आधुनिक सैन्य उपकरणों के संचालन के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने आगाह किया कि यदि भारत ऐसी महत्वपूर्ण तकनीकों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहता है तो संकट के समय इन सुविधाओं की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है।



बायोगैस तकनीक के अग्रणी वैज्ञानिक राम बक्स सिंह के सम्मान में डाक टिकट जारी



नई दिल्ली। डाक विभाग ने बायोगैस तकनीक और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी योगदान देने वाले वैज्ञानिक राम बक्स सिंह (1925-2016) के सम्मान में स्मारक डाक टिकट जारी किया है। यह टिकट 13 नवंबर को नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान जारी किया गया। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले और दिल्ली सर्किल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल कर्नल अखिलेश कुमार पांडेय ने मंत्री के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में संयुक्त रूप से डाक टिकट जारी किया। इस अवसर पर अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। राम बक्स सिंह ने खासतौर पर ग्रामीण समुदायों के लिए टिकाऊ ऊर्जा समाधान के रूप में बायोगैस तकनीक के विकास और प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने 1957 में उत्तर प्रदेश के सीतापुर में देश के शुरुआती सफल गोबर गैस संयंत्रों में से एक का उद्घाटन किया था। इसके बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश के अजीतमल में एशिया के पहले गोबर गैस अनुसंधान केंद्र में 16 वर्ष तक प्रभारी अधिकारी के रूप में कार्य किया। उन्होंने 15 से अधिक देशों में नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़ी पहलों में भी योगदान दिया।

हमें श्रेष्ठ और सकारात्मक कर्म करते हुए ही जीवन व्यतीत करना चाहिए' : पीएम



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सुभाषित साझा किया है। संस्कृत के एक श्लोक के माध्यम से पीएम मोदी ने लोगों से सदैव श्रेष्ठ और सकारात्मक कर्म करते हुए जीवन व्यतीत करने का संदेश दिया है। प्रधानमंत्री की ओर से एक्स पोस्ट में संस्कृत श्लोक, 'न हि कश्चित्क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत्। कार्यते ह्यवशः कर्म सर्वः प्रकृतिजैर्गुणैः॥' साझा किया गया है, जिसका हिंदी भावार्थ है कि संसार का कोई भी मनुष्य कभी भी, एक क्षण के लिए भी कर्म किए बिना नहीं रह सकता। प्रत्येक व्यक्ति प्रकृति के गुणों से प्रेरित होकर, स्वभाव के वशीभूत होकर निरंतर कर्म में प्रवृत्त रहता है, इसीलिए हमें सदैव श्रेष्ठ और सकारात्मक कर्म करते हुए ही अपना जीवन व्यतीत करना चाहिए। पीएम की ओर से सोशल मीडिया पर साझा किया गया यह श्लोक श्रीमद्भगवद्गीता के तीसरे अध्याय (कर्मयोग) का 5वां श्लोक है। इस श्लोक के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन को समझाते हैं कि संसार में कोई भी मनुष्य बिना कर्म किए एक क्षण भी नहीं रह सकता। कर्म का त्याग करना असंभव है, इसलिए मनुष्य को आसक्ति (मोह) छोड़कर कर्तव्य-कर्म करना चाहिए।

वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू, योगी और अश्विनी वैष्णव ने दिखाई हरी झंडी

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बनारस रेलवे स्टेशन से वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बनारस-प्रयागराज रामबाग और बनारस सिटी-राजातालाब के बीच मेमू ट्रेन सेवाओं का भी शुभारंभ किया गया। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन से वाराणसी और राष्ट्रीय राजधानी के बीच रात्रिकालीन रेल संपर्क मजबूत होगा। आधुनिक सुविधाओं से लैस यह ट्रेन यात्रियों को आरामदायक और सुविधाजनक सफर उपलब्ध कराएगी। ट्रेन वाराणसी से रात 8:50 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 6:10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। यह सेवा सप्ताह में छह दिन चलेगी। उन्होंने बताया कि मेमू सेवाओं के विस्तार से दैनिक यात्रियों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए मासिक सीजन टिकट की दर वाराणसी क्षेत्र में 95 रुपये और वाराणसी-प्रयागराज के बीच 220 रुपये निर्धारित की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आधुनिक रेल बुनियादी ढांचे के विकास से यात्रा अधिक सुरक्षित, तेज और समयबद्ध हो रही है। नई रेल सेवाओं से आम लोगों को कम खर्च में बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने प्रस्तावित बुलेट ट्रेन नॉर्थ कॉरिडोर का भी उल्लेख करते हुए कहा कि इससे दिल्ली, आगरा, कानपुर, लखनऊ, पटना और गुवाहाटी जैसे शहरों के बीच यात्रा का समय काफी कम होगा।



ई-कचरे से महत्वपूर्ण धातुएं निकालने की स्वदेशी तकनीक विकसित करेगी नियो सीकरमेटल्स, 10 करोड़ की सहायता मंजूर

एजेंसी। नई दिल्ली



ई-कचरे और लिथियम-आयन बैटरी के कचरे से महत्वपूर्ण धातुएं निकालने की स्वदेशी तकनीक को व्यावसायिक स्तर तक पहुंचाने के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने हैदराबाद की कंपनी नियो सीकरमेटल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता किया है। अनुसंधान, विकास एवं नवाचार (आरडीआई) कोष के तहत इस परियोजना के लिए 10 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता मंजूर की गई है। पूरी परियोजना की लागत 20 करोड़ रुपये है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अनुसार यह समझौता ई-कचरे और लिथियम-आयन बैटरी के कचरे के पुनर्चक्रण से महत्वपूर्ण धातुएं निकालने की स्वदेशी तकनीक के विकास और व्यावसायीकरण में मदद करेगा। इसके तहत कंपनी को वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय ऋण (ओसीडी) के माध्यम से वित्तीय सहायता दी जाएगी। कंपनी ने ई-कचरे और लिथियम-आयन बैटरी के कचरे के पुनर्चक्रण के लिए एक एकीकृत और पेटेंट प्राप्त प्रक्रिया विकसित की है। इसके माध्यम से इन कचरों से मूल्यवान धातुओं और बैटरी में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को वापस प्राप्त करने का लक्ष्य है। इससे बेकार समझी जाने वाली सामग्री का दोबारा उपयोग किया जा सकेगा। परियोजना के तहत तकनीक को प्रौद्योगिकी तैयारी स्तर (टीआरएल)-5 से टीआरएल-9 तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे इसे व्यावसायिक स्तर पर इस्तेमाल के लिए तैयार किया जा सकेगा। यह पहल महत्वपूर्ण खनिजों और धातुओं की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के साथ पुनर्चक्रण आधारित अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करेगी। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के सचिव राजेश कुमार पाठक ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा और उन्नत प्रौद्योगिकियों की दिशा में भारत की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षित और टिकाऊ उपलब्धता जरूरी है। ई-कचरे एवं उपयोग की अवधि पूरी कर चुकी बैटरियों से इन संसाधनों को वापस प्राप्त करने की स्वदेशी क्षमता विकसित करना इस दिशा में महत्वपूर्ण है। आरडीआई कोष के माध्यम से बोर्ड ऐसी तकनीकों को सहायता दे रहा है, जो कचरे को मूल्यवान संसाधनों में बदल सकती हैं। नियो सीकरमेटल्स के अधिकृत प्रतिनिधि ने कहा कि टीडीबी की सहायता से कंपनी अपनी तकनीक को व्यावसायिक इस्तेमाल के स्तर तक ले जा सकेगी।

थाईलैंड के फुकेत प्रांत में आग लगने से 11 लोगों की मौत

फुकेत (थाईलैंड)। थाईलैंड के प्रमुख प्रांत फुकेत में सोमवार तड़के काथू जिले के ताम्बोन पातोंग में आग लगने से पांच दुकानें (शॉपहाउस) जलकर खाक हो गईं। धुएं और आग की लपटों में फंसकर 11 लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य झुलस गए। यह घटना राजधानी बैंकॉक से लगभग 860 किलोमीटर दक्षिण में हुई है। फुकेत थाईलैंड का सबसे बड़ा द्वीप है। यह देश के दक्षिणी पश्चिमी तट पर अंडमान सागर में स्थित है। बैंकॉक पोस्ट अखबार की रिपोर्ट के अनुसार आग फांगमुआंग साई कोर रोड पर सोमवार तड़के करीब 3:15 बजे लगी। सड़क किनारे लगा ट्रांसफॉर्मर फट गया और आग की लपटें मोटरसाइकिल किराये पर देने वाली दुकान के सामने स्थापित फ्यूल डिस्पेंसर (ईंधन मशीन) तक पहुंच गईं। मृतकों में आठ महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। झुलसे लोगों में 12 महिलाएं और चार पुरुष हैं। इनमें से एक व्यक्ति म्यांमार और बाकी सभी थाईलैंड के थे। फुकेत पुलिस कमांडर मेजर जनरल सुराचाई सुकसाई ने बताया कि हमारे पास सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीद गवाह मौजूद हैं।

भारत समिट को लेकर भाजपा हमलावर, कहा- देश की छवि खराब करने में लगे हैं राहुल गांधी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हैदराबाद में शनिवार को आयोजित भारत समिट को देश के खिलाफ बताते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वे भारत विरोधी शक्तियों को एकजुट करने और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश की छवि खराब करने में लगे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब गुजरात में निवेश समिट आयोजित की जाती थी। भाजपा शासित राज्यों में भी निवेश समिट के जरिए विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने और राज्यों की आर्थिक क्षमता को मजबूत करने का प्रयास किया जाता है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस शासित राज्यों में ऐसे मंचों का इस्तेमाल देशहित के बजाय अराजकता फैलाने और भारत को अस्थिर करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 14 नवंबर को हैदराबाद में आयोजित भारत समिट ऐसा मंच था, जो भारत और तेलंगाना को मजबूती प्रदान कर सकता था, लेकिन इसका उपयोग भारत की छवि खराब करने के लिए किया गया।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को कार्यकारी सभापति ने दी जन्मदिन की बधाई



पटना। बिहार विधान परिषद् के कार्यकारी सभापति प्रो. (डॉ.) रामवचन राय ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मुख्यमंत्री के स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए आशा जताई कि उनके कुशल नेतृत्व में बिहार विकास, सुशासन और समृद्धि के नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने ईश्वर से मुख्यमंत्री को जनसेवा के कार्यों में निरंतर सफलता एवं ऊर्जा प्रदान करने की प्रार्थना की। साथ ही विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में बिहार निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगा।

छठ के बाद लौटने वालों के लिए रेलवे का इंतजाम, दिल्ली, मुंबई, 1 दिसंबर तक होगा परिचालन

हाजीपुर। हाजीपुर में छठ महापर्व के बाद बिहार से दूसरे राज्यों में लौटने वाले यात्रियों की संभावित भीड़ को देखते हुए पूर्व मध्य रेल ने कई स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं। ये ट्रेनें दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, पुणे, अहमदाबाद, बेंगलुरु, हैदराबाद, चंडीगढ़, अमृतसर और सूरत समेत प्रमुख शहरों के लिए चलेंगी। कुछ ट्रेनों का परिचालन रोजाना, जबकि कुछ का साप्ताहिक या निर्धारित तारीखों पर होगा। रेलवे की यह व्यवस्था 1 दिसंबर तक जारी रहेगी। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र ने बताया कि यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने और उनकी यात्रा आसान बनाने के लिए अलग-अलग रूटों पर विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। बरौनी से नई दिल्ली के लिए ट्रेन नंबर 02563 और दरभंगा से नई दिल्ली के लिए ट्रेन नंबर 02569 क्लोन स्पेशल 30 नवंबर तक रोज चलेगी। पटना से आनंद विहार के लिए ट्रेन नंबर 03293 का परिचालन 21 नवंबर तक प्रतिदिन होगा। पाटलिपुत्र से आनंद विहार के लिए ट्रेन नंबर 04095 और सुपौल से नई दिल्ली के लिए ट्रेन नंबर 04071 स्पेशल ट्रेन 30 नवंबर तक रोज चलेगी। पटना से नई दिल्ली के लिए वंदे भारत स्पेशल ट्रेनें भी चलाई जा रही हैं। रेलवे ने मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, अहमदाबाद, हैदराबाद, चेन्नई और अन्य प्रमुख शहरों के लिए भी विशेष ट्रेनें चलाई हैं। इन ट्रेनों से छठ के बाद कामकाज और अन्य जरूरतों के लिए दूसरे राज्यों में लौटने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। हाजीपुर-बरौनी-खगड़िया-कटिहार रेलखंड से कानपुर-गुवाहाटी, गुवाहाटी-कानपुर, नारंगी-गोरखपुर, डिब्रूगढ़-गोरखपुर और पूर्णिया-फिरोजपुर स्पेशल ट्रेनें गुजरेंगी। हाजीपुर-बरौनी-किऊल-झाझा रेलखंड पर कोलकाता, गोरखपुर और आसनसोल समेत कई शहरों के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। इसके अलावा रक्सौल-नरकटियागंज, पटना-इसलामपुर, राघोपुर-देवघर और बक्सर-डीडीयू रूट पर भी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले संबंधित ट्रेन की तारीख, समय और ठहराव की जानकारी जरूर प्राप्त कर लें। इसके लिए रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या पूछताछ सेवा का सहारा लिया जा सकता है।

सड़क हादसे में मजदूर की मौत, परिवार के इकलौते कमाने वाले थे, पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा

हाजीपुर। वैशाली के सराय थाना क्षेत्र के बोअरिया में सड़क हादसे में 45 वर्षीय मजदूर संजय शर्मा की मौत हो गई। वे पटेढ़ी बेलसर थाना क्षेत्र के जारंग रामपुर गांव के रहने वाले थे। हादसे की सूचना मिलते ही सराय थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर ले गई। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। संजय शर्मा मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी कमाई से ही घर का खर्च चलता था। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिजन सदर अस्पताल पहुंचे। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। फिलहाल हादसे के कारणों और परिस्थितियों की जानकारी सामने नहीं आई है।

जमीन पर रास्ता बनाने के विवाद में फायरिंग, सीने में गोली लगने से 19 वर्षीय युवती घायल

हाजीपुर। हाजीपुर के सदर थाना क्षेत्र के बिशनपुर वाला धारी में रविवार को जमीन पर रास्ता बनाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान फायरिंग में 19 वर्षीय युवती संगम कुमारी घायल हो गई। उसके सीने में गोली लगी है। परिजन उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसका उपचार किया। घायल संगम कुमारी स्थानीय निवासी महेश राय की बेटी है। महेश राय ने बताया कि मंदिर के पास उनकी जमीन है। आरोप है कि कुछ लोग वहां जबरन रास्ता बनाने की कोशिश कर रहे थे। इसका विरोध करने पर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया। महेश राय के अनुसार, विवाद के दौरान 4 से 5 राउंड गोलियां चलीं। इस दौरान उनकी बेटी संगम कुमारी को गोली लग गई। उन्होंने अनुज राय, कुंदन कुमार समेत कई लोगों पर फायरिंग करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए सदर थाने में लिखित शिकायत दी है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जानकारी ली। सदर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने घायल युवती को अस्पताल पहुंचाया है। दोनों पक्षों की शिकायत मिली है। मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गेस्ट हाउस संचालक समेत 2 पर हत्या का आरोप, कमरे में मिली थी जमीन कारोबारी की लाश

पटना। पटना में श्रीराम गेस्ट हाउस में 12 नवंबर को एक युवक की लाश मिली थी। पुलिस मान के चल रही थी कि ये सुसाइड का मामला है, पर 16 नवंबर को मृतक रवि कुमार सिंह की पत्नी डॉली कुमारी ने हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है। पत्नी के अनुसार रवि मध्य प्रदेश में जमीन का कारोबार करते थे। इसी सिलसिले में रवि 15 लाख रुपए लेकर पटना आए थे। डॉली ने आरोप लगाया है कि रवि का परिचित राजा तिवारी और होटल संचालकों ने मिलकर उसके पति की हत्या की है। हालांकि, इन आरोपों की पुलिस जांच कर रही है। घटना जक्कनपुर थाना से महज 300 मीटर दूर की है। होटल कर्मी राजा कुमार के मुताबिक, 10 नवंबर की रात करीब 9:45 बजे 2 लोग कमरा लेने पहुंचे थे। उन्हें 500 रुपए रोज के हिसाब से कमरा दिया गया था। रवि के साथ आए दूसरे व्यक्ति ने अपना नाम सुरेश वर्मा बताया था। उस समय उसका मोबाइल डिस्चार्ज था, इसलिए वह अपनी आईडी नहीं दे पाया था। **फर्श पर पड़ा था रवि का शवः** राजा कुमार ने बताया कि 12 नवंबर की सुबह करीब 7:30 बजे वह कमरे का किराया लेने ऊपर गया। दरवाजा बंद था। दरवाजा खोलकर अंदर गया तो देखा फर्श पर रवि का शव पड़ा था। उसके गले में गमछा था। इसके बाद उसने होटल मालिक को सूचना दी। मालिक के कहने पर पुलिस को जानकारी दी गई। फिलहाल पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है। **होटल में नहीं लगे थे सीसीटीवी कैमरे, संचालक भी फरारः** होटल की व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। श्रीराम गेस्ट हाउस में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे, जबकि पुलिस की ओर से होटल संचालकों को समय-समय पर कैमरे लगाने की हिदायत दी जाती है। घटना के बाद से होटल संचालक भी फरार बताए जा रहे हैं।

छठ पूजा के अवसर पर सामाजिक अंत्येष्टि सेवा समूह ने बुजुर्गों के बीच किया कंबल वितरण

नई सोच एक्सप्रेस



पुनपुन। पुनपुन प्रखंड के डुमरी पंचायत अंतर्गत सब्जी मंडी जट डुमरी में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के शुभ अवसर पर श्री श्री छठ पूजा समिति, सब्जी मंडी जट डुमरी की उपस्थिति में सामाजिक अंत्येष्टि सेवा समूह, जट डुमरी के सौजन्य से बुजुर्गों एवं जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बुजुर्ग एवं जरूरतमंद लोग शामिल हुए। कंबल पाकर बुजुर्गों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। उन्होंने संस्था के सदस्यों को अपना आशीर्वाद देते हुए इस सामाजिक पहल की सराहना की।कार्यक्रम में सामाजिक अंत्येष्टि सेवा समूह के अध्यक्ष रणविजय कुमार, उपाध्यक्ष अशोक पासवान, कोषाध्यक्ष सुखी साव, सचिव जितेंद्र ठाकुर तथा सदस्य आजाद राम, उमेश राम, संजय राम, विगन पासवान एवं रामप्रवेश राम उपस्थित रहे। वहीं श्री श्री छठ पूजा समिति की ओर से नीरज पटेल, कांग्रेस पासवान, राम प्रवेश साहू, राजकुमार ठाकुर, निशांत कुमार, निखिल कुमार एवं राहुल यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर समूह के अध्यक्ष रणविजय कुमार ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, पवित्रता और सेवा का प्रतीक है। इस पावन अवसर पर बुजुर्गों एवं जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। बुजुर्गों का आशीर्वाद ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि सामाजिक अंत्येष्टि सेवा समूह हमेशा बुजुर्गों, गरीबों और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए तत्पर रहेगा।कंबल वितरण के दौरान बुजुर्गों ने खुशी जाहिर करते हुए आयोजकों को धन्यवाद दिया और सभी सदस्यों को सुख-समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में सेवा, सहयोग, मानवता और बुजुर्गों के सम्मान का संदेश दिया गया।

दानापुर में शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में छठ पर्व संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस



दानापुर। लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर दानापुर क्षेत्र के गंगा घाटों के अलावा विभिन्न तालाब व मंदिर परिसर में बने घाट पर चार दिनों तक चलने वाले सूर्योपासना का पर्व छठ उदयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के बाद शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। इस मौके पर नासरीगंज के फक्कर महतो घाट, राजपुताना घाट, नारियल घाट, गुरूद्वारा घाट, ईमलीतल घाट, कचहरी घाट, लखनीबिगहा मठ में लाखों की संख्या में श्रद्धालु और छठव्रती शामिल होकर उदयमान सूर्य को अर्घ अर्पित किया। इस दौरान प्रशासन और स्थानीय पूजा समितियों द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक बंदोबस्त किए गए थे। रौशनी से नहाए गंगा के घाट हो या मंदिर परिसर में बने घाट व तालाब हर जगह व्रतियों ने पूरी श्रद्धाभाव के साथ पानी में खड़े होकर भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया और छठ मैया से अपनी मनोकामना पूर्ण करने की मन्नत भी मांगी। छठ व्रत की महिमा एवं पवित्रता को देखते हुए नगर के अनेक पूजा समिति व स्वंयसेवी संस्थाओं ने अपने अपने क्षेत्र का भार ग्रहण कर सूर्यषष्ठी व्रत के प्रथम अर्घ्य के दिन समपूर्ण नगर को विधुतीय ट्यूबों आकर्षक बल्बों व तोरण द्वार से सजा नगर की शोभा बढ़ा दी। वहीं डॉ. श्रीकृष्ण सिंह फाउंडेशन द्वारा दानापुर के नवनिर्मित बने सूर्य पुत्र कर्ण घाट पर आई.एम. ए. के प्रेसिडेंट डॉ. ललित मोहन सिंह, शिवाजी चौधरी व मगध कैंसर संस्थान के निदेशक रिदु शर्मा ने सहयोग शिविर का उद्घाटन कर ब्रतीयों व श्रद्धालुओं के बीच पूजा सामग्री व चाय -पानी का वितरण किया गया. क्षेत्र के अन्य संगठनों ने घाट से लेकर व्रतियों के मार्ग पर जगह जगह निःशुल्क दूध, निम्बू, चीनी, अगरबती, माचिस व नारियल आदि के साथ चाय व शर्बत वितरण किया।

छठ पूजा के लिए घाट गए शिक्षक के घर चोरी, पटना में घर का दरवाजा-अलमारी तोड़ा

20 लाख के जेवर-नकदी पार, सुबह परिवार लौटा तो उड़े होश

नई सोच एक्सप्रेस



पटना।पटना के फुलवारीशरीफ में छठ पूजा के दौरान घर बंद छोड़कर घाट जाना एक शिक्षक परिवार को महंगा पड़ गया। चोरों ने सोमवार सुबह चक बैरिया स्थित शिक्षक के घर को निशाना बनाकर करीब 20 लाख रुपए के जेवर और नकदी चोरी कर ली। वारदात के समय शिक्षक अपने परिवार के साथ अर्घ्य देने सूरज मंदिर के तालाब गए थे। करीब दो घंटे बाद जब परिवार लौटा तो घर के दरवाजों के ताले टूटे मिले और कमरों का सामान बिखरा पड़ा था। **सुबह 5 बजे घाट गए, 7 बजे लौटे तो टूटे मिले तालेः** सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि वे सोमवार सुबह करीब 5 बजे परिवार के साथ चक बैरिया स्थित सूरज मंदिर के तालाब पर छठ का अर्घ्य देने गए थे। इसी दौरान चोरों ने बंद घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। **सोने की अंगूठियां, चेन और गहने चोरी किएः** चोरों ने घर के दरवाजों के ताले तोड़कर कमरों की तलाशी ली। इसके बाद गोदरेज अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखी सोने की अंगूठियां, चेन और अन्य आभूषण निकाल लिए। ड्रेसिंग में रखे जेवर और नकदी भी चोर अपने साथ ले गए। सुबह करीब 7 बजे पूजा से लौटने पर परिवार ने घर के कई दरवाजों के ताले टूटे देखे। कमरों में सामान बिखरा था और गोदरेज अलमारी खुली हुई थी। जांच करने पर जेवर और नकदी गायब मिले। **सूचना पर पहुंची पुलिस, आसपास के लोगों से पूछताछः** घटना के बाद पीड़ित परिवार ने गोपालपुर थाने को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस चोरों की पहचान और गिरोह का पता लगाने में जुटी है। छठ पूजा के दौरान सुबह-सुबह हुई इस चोरी से इलाके के लोगों में दहशत है।

लोक आस्था के महापर्व पर श्रद्धा एवं भक्ति माहौल में भव्य छठ जागरण का आयोजन



नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर।दानापुर के गाभतल में लोक आस्था के महापर्व पर श्रद्धा एवं भक्ति के माहौल में भव्य छठ जागरण का आयोजन किया गया। इस मौके पर छठी मईया के भक्ति गीतों एवं मधुर भजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों ने पूरी रात गायकों द्वारा प्रस्तुत छठी मईया के पारंपरिक गीतों को सुन भावविभोर हो गए । कलाकार कल्याणी किट्टू, अदिति आर्या, कृष्णा कश्यप, विक्की जोशी, आकाश त्रिलोक के गीत सें पूरा नगर भक्तिमय हो गया । इस बीच कार्यक्रम मे कशिश डांस एकादमी के नन्हे कलाकारों ने छठ पूजा के गीतों पर नृत्य संगीत से सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। वही आयोजक द्वारा सभी कलाकारों को सम्मानित किया । छठ पूजा जागरण को सफल बनाने में कृष्णा कुमार, आलोक कुमार, बिजेन्द्र कुमार शर्मा, रवि कुमार, राकेश कुमार, मातृछाया सवर्णिम फाउंडेशन के स्वार्णिम राज का सराहनीय योगदान रहा ।

भदवर में छठ पूजा सेवा समिति के सदस्यों को अंगवस्त्र देकर किया गया सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। ब्रह्मपुर विधानसभा के बगेन मंडल अंतर्गत भदवर गांव में ब्रह्म बाबा छठ पूजा सेवा समिति के तत्वावधान में छठ महापर्व का सफल एवं भव्य आयोजन किया गया। इस सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले समिति के सदस्यों एवं युवाओं को भदवर भाजपा पंचायत अध्यक्ष सह वरिष्ठ समाजसेवी विनय कुमार राय उर्फ गुड्डू राय के द्वारा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विनय कुमार राय उर्फ गुड्डू राय ने अपने संबोधन में कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था, संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का महापर्व है। भदवर गांव के युवाओं ने जिस उत्साह, समर्पण और आपसी सहयोग के साथ इस वर्ष छठ पूजा का आयोजन किया है, वह अत्यंत सराहनीय है। समिति के सभी सदस्यों ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए आयोजन को सफल बनाया है। उन्होंने आगे कहा कि इस वर्ष के सफल आयोजन से हम सभी को नई ऊर्जा और प्रेरणा मिली है। हमारा प्रयास रहेगा कि अगले वर्ष छठ महापर्व का आयोजन इससे भी अधिक भव्य, आकर्षक और व्यवस्थित तरीके से किया जाए। इसके लिए गांव के सभी युवाओं, बुजुर्गों और समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग लिया जाएगा। छठी मइया के आशीर्वाद से अगले वर्ष और भी बड़े स्तर पर आयोजन किया जाएगा। सम्मानित होने वालों में सोनू राय, बी वन सिंह, रोशन सिंह, सचिन सिंह, अनिल महतो, बबलू गुप्ता, छोटक ठाकुर, पिंटू मिश्रा, कल्लू मिश्रा, अजीत महतो, रीसू राय, रीसू सिंह, संतोष सिंह, टिंकू साह, गोलू मिश्रा, निकु कुमार सहित दर्जनों युवा शामिल थे।

सिविल डिफेंस के वार्डेन ने गंभीर रूप से बीमार महिला की बचाई जान, समय पर पहुंचाया अस्पताल

नई सोच एक्सप्रेस



पटना सिटी। गायघाट पर छठ के संध्याकालीन अर्घ्य के दौरान बेहोश होकर गिरी एक महिला की सिविल डिफेंस के वार्डेन ने तत्परता दिखाते हुए जान बचाई। वार्डेन ने महिला को प्राथमिक उपचार देने के बाद जिला प्रशासन की एंबुलेंस से नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) पहुंचाया, जहां उसका इलाज शुरू किया गया। सिविल डिफेंस के ऑफिसर कमांडिंग सह चीफ वार्डेन डॉ. विजय कुमार सिंह एलिस श्यामनाथ सिंह ने बताया कि चिकित्सक डॉ. विनायक रंजन के अनुसार महिला ने करीब 48 घंटे से कुछ खाया-पीया नहीं था, जिससे उसके शरीर में शुगर का स्तर काफी कम हो गया था। समय पर इलाज नहीं मिलने पर वह हाइपोग्लाइसीमिया की गंभीर स्थिति में पहुंच सकती थी और कोमा में भी जा सकती थी। बीमार महिला की पहचान धनरुआ के पभेड़ी मोड़ निवासी नागेंद्र कुमार की पत्नी रिंकी देवी के रूप में हुई है। वह छठ पूजा करने गायघाट पहुंची थी, जहां अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी। सिविल डिफेंस के वार्डेन को इसकी सूचना मिलते ही उसे मेडिकल कैंप ले जाकर प्राथमिक उपचार दिया गया और फिर अस्पताल पहुंचाया गया। इस कार्य में श्यामनाथ सिंह के नेतृत्व में वार्डेन अरुण कुमार, हरेंद्र नाथ, रंजन कुमार, प्रवीण प्रीतम, अजितेश कुमार और राज कुमार ने सक्रिय सहयोग किया।

बिहार में बढ़ने लगी ठंड, सुबह-शाम गिरेगा तापमान



नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार में नवंबर के दूसरे हफ्ते की शुरुआत के साथ ही मौसम का मिजाज बदलने लगा है। सुबह और शाम के समय तापमान में गिरावट से हल्की ठंड महसूस होने लगी है। हालांकि, दिन में धूप निकलने से मौसम सामान्य बना हुआ है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, सोमवार को प्रदेश के जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। किसी भी जिले के लिए बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। **सुबह हल्का कोहरा छाए रहने की संभावनाः** राज्य के ज्यादातर हिस्सों में सुबह हल्का से मध्यम कोहरा या धुंध छाई रह सकती है। दिन चढ़ने के साथ आसमान साफ होगा और धूप निकलने से तापमान में बढ़ोतरी होगी। आज प्रदेश में अधिकतम तापमान करीब 30 से 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16 से 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। हालांकि, अलग-अलग जिलों में तापमान का अंतर बना रहेगा। राजधानी पटना में सुबह हल्का कोहरा और धुंध रहने के बाद आसमान साफ रहने का अनुमान है।

राष्ट्रीय प्रेस दिवसः अभिषेक भारती पर कार्रवाई उचित नहीं, सामूहिक सहमति से लड़ाई लड़ने की अपील



नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर झारखंड की राजधानी रांची में पत्रकार अभिषेक भारती प्रकरण को लेकर पत्रकारों के बीच चिंता का माहौल है। इस मामले पर IFWJ झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष भारत भूषण प्रसाद ने कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस तरह से अभिषेक भारती के मामले में कार्रवाई की जा रही है, वह उचित नहीं है। भारत भूषण प्रसाद ने सभी पत्रकारों से अपील किया है कि वे एक बार प्रेस क्लब में एकजुट होकर बैठें और इस मामले में आगे की रणनीति तय करें। उन्होंने कहा कि सभी पत्रकारों की मौजूदगी और सामूहिक सहमति से जो रास्ता निकलेगा, उसी के आधार पर इस लड़ाई को आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि यदि आज अभिषेक भारती के मामले में पत्रकार एकजुट होकर अपनी आवाज नहीं उठाते हैं, तो कल ऐसी घटना किसी दूसरे पत्रकार के साथ भी हो सकती है। इसलिए यह केवल एक पत्रकार का मामला नहीं, बल्कि पत्रकारों की एकजुटता और सुरक्षा से जुड़ा विषय है। उन्होंने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर पत्रकारों से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होने और सामूहिक रूप से आगे की राह तय करने का आह्वान किया।

साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने भगवान भास्कर को अर्पित किया अर्घ्य



नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने, सूर्योपासना के महापर्व छठ पर अस्ताचलगामी और उद्यमान भास्कर को अपने परिवार के साथ अर्घ्य अर्पित किया। अपने कंकड़बाग स्थित आवास महालक्ष्मी भवन में सूर्यदेव को अर्घ्य-अर्पण करते हुए उन्होंने बिहार समेत संपूर्ण भारतवर्ष और विश्व की मानव-जाति के आरोग्य , एकत्व और सुख-समृद्धि की कामना की । समस्त छठ-व्रतियों को प्रणति निवेदित करते हुए उन्होंने सभी नागरिकों को शुभकामनाएँ भी दी और कहा कि बिहार के मानस-गर्भ से जन्मा यह साधुभाव और संकल्प संसार को यह शिक्षा देता है कि जो समाज के लिए अवदान देने वाले वरेण्य हैं, वे सदा पूज्य होते हैं।अपने अवसान के समय में भी। यह महापर्व स्वच्छता, शुद्धता, पवित्रता और प्रकृति से जुड़ाव के साथ अपने कर्मों के प्रति श्रद्धा और आस्था रखने की भी शिक्षा देता है । यह सम्पूर्ण मानव जाति की ओर से प्रत्यक्ष देव भगवान भास्कर के प्रति कृतज्ञता-ज्ञापन भी है, जिनके बिना पृथ्वी पर मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती ।उन्होंने आदित्य देव से यह भी प्रार्थना की कवियों की लेखनी को वे ऐसा सामर्थ्य दें कि जिससे विश्व को सुंदर बनाने वाले काव्य का सृजन हो ! डा सुलभ की पत्नी किरण झा विगत २५ वर्षों से अधिक समय से यह छठ व्रत करती आ रही हैं।

नई सोच एक्सप्रेस
हर खबर पर पैनी नजर
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

किसानों को दो लाख रुपये मासिक आर्थिक सहायता दे सरकार : ममता पटेल

फतुहा। भाजपा नेत्री ममता पटेल ने किसानों की बदहाल आर्थिक स्थिति पर चिंता जताते हुए राज्य सरकार से प्रत्येक किसान को दो लाख रुपये मासिक आर्थिक सहायता देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि किसान कर्ज में जन्म लेता है और कर्ज के बोझ तले ही दम तोड़ देता है। देश का पेट भरने वाले अन्नदाता का अपना परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। ममता पटेल ने कहा कि खाद, बीज, डीजल, सिंचाई और मजदूरी की लागत लगातार बढ़ रही है, जबकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाता। कभी बाढ़, सूखा और मौसम की मार तो कभी बाजार की अनिश्चितता किसानों को कर्ज के जाल में धकेल देती है। चुनाव के दौरान किसानों के हित में अनेक वादे किए जाते हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो पाता। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने 'जय जवान, जय किसान' का नारा दिया था, लेकिन आज अन्नदाता आर्थिक संकट से जूझ रहा है। किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें सम्मानजनक जीवन देने के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से किसानों को दो लाख रुपये मासिक सहायता देने की मांग की।

समाजसेवी पल्लवी रंजन ने घर पर की छठ पूजा, अस्ताचलगामी सूर्य को अर्पित किया अर्घ्य



पटना। लोक आस्था, श्रद्धा और भक्ति के महापर्व छठ के अवसर पर समाजसेवी श्रीमती पल्लवी रंजन ने अपने आवास पर विधि-विधान से छठ पूजा की। इस दौरान उन्होंने अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को संध्या अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छठ महापर्व पवित्रता, त्याग, तपस्या और समर्पण का प्रतीक है। यह पर्व समाज में आस्था, एकता और सकारात्मकता का संदेश देता है। उन्होंने कामना की कि छठी मईया और भगवान सूर्य की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आए। मौके पर पटना उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता उपेंद्र प्रसाद, वीणा कुमारी जायसवाल, निशांत कुमार, पूर्णिमा, प्रतीक रंजन, प्रियंका, प्रिया, टुनमुन्न, गुनगुन, रजनीश रंजन, प्रकाश चौधरी, कल्याणी, दीपशिखा सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवक रहे छठ घाटों पर तैनात



पटना। प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवक छठ घाटों पर तैनात रहे । मुख्य स्वयंसेवक दिलीप कुमार ने बताया कि छठ महापर्व लोक आस्था का सबसे बड़ा प्रतीक है । हमारे सैंकड़ो स्वयंसेवक एवं आपदा मित्र बैकठपुर , हरदासबीघा, गोविंदपुर, आदिलपुर, कुर्था, खिरोधरपुर, नया टोला, मोसिमपुर,खुसरूपुर , फतुहा के घाटों तैनात रहे । एसडीपीओ संजीव कुमार , एसडीपीओ अवधेश कुमार, पुलिस इंस्पेक्टर माया यादव, थानाध्यक्ष रौशन कुमार, बैकुंठधाम ओपी प्रभारी संतोष कुमार , आपदा मित्र अविनाश पांडेय,गोपी कुमार, स्नेहा कुमारी, काजल कुमारी, नितिन कुमार, मनी कुमार, राजू कुमार,समेत सैंकड़ो स्वयंसेवक गंगा घाटों पर डटे रहे ।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ चार दिवसीय छठ महापर्व

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। लोक आस्था, पवित्रता और अटूट श्रद्धा का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ संपन्न हो गया। सुबह की पहली किरण के साथ ही पटना के गंगा घाटों, तालाबों और घरों की छतों पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी। व्रतियों ने भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और सुखमय जीवन की कामना की। इसके साथ ही 36 घंटे के निर्जला उपवास सहित चार दिनों तक चलने वाली कठिन साधना का समापन हुआ। पटना में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा घाटों और सार्वजनिक तालाबों के अलावा अपने घरों की छतों पर भी भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। बदलती जीवनशैली और सुविधाओं के कारण घरों की छतों पर छठ पूजा करने का चलन भी बढ़ रहा है। आशियाना-दीघा रोड स्थित विशाल आदित्य अपार्टमेंट के निवासी नवलेश शर्मा ने बताया कि वे सुविधा को ध्यान में रखते हुए अपने घर की छत पर ही अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इससे परिवार के सभी सदस्य आसानी से पूजा में शामिल हो पाते हैं। वहीं, गोला रोड स्थित सर्वोदय नगर के अनिल कुमार और सुनील कुमार ने बताया कि उनके परिवार में लंबे समय से छत पर अर्घ्य देने की परंपरा चली आ रही है। कंकड़बाग निवासी ह्यूमन राइट्स डिफेंडर की संस्थापक पूजा सिन्हा ने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से छठ व्रत कर रही हैं। उनके अनुसार छठ पूजा घर की छत पर हो, तालाब के किनारे या गंगा तट पर, इससे श्रद्धा और पवित्रता में कोई अंतर नहीं पड़ता। महत्वपूर्ण यह है कि व्रत पूरी निष्ठा, पवित्रता और समर्पण के साथ किया जाए। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व की शुरुआत नहाय-खाय से होती है। दूसरे दिन खरना के बाद व्रती निर्जला उपवास शुरू करते हैं। तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, जबकि चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रत का पारण किया जाता है। इस दौरान ठेकुआ, फल और घर में तैयार पारंपरिक प्रसाद का विशेष महत्व रहता है। छठ के लोकगीत पूरे वातावरण को भक्तिमय बना देते हैं। छठ पर्व का आध्यात्मिक संदेश भी जीवन को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखने की प्रेरणा देता है। इस पर्व में डूबते और उगते, दोनों सूर्य को समान श्रद्धा से अर्घ्य दिया जाता है। यह परंपरा सिखाती है कि जीवन में अस्त होना अंत नहीं है। अंधकार के बाद प्रकाश और निराशा के बाद आशा का उदय होता है। इसलिए सफलता में अहंकार और विपरीत परिस्थितियों में निराशा से बचना चाहिए। छठ पूजा धार्मिक अनुष्ठान के साथ सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव और सामूहिक सहभागिता का भी प्रतीक है। पूजा की तैयारियों, प्रसाद निर्माण और घाटों की सफाई में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी देखने को मिलती है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में विशेष रूप से मनाया जाने वाला यह पर्व अब देश-विदेश में भी अपनी पहचान बना चुका है। उगते सूर्य को अंतिम अर्घ्य के साथ छठ महापर्व संपन्न हो गया, लेकिन इसका संदेश श्रद्धा, अनुशासन, पारिवारिक एकजुटता और सामाजिक समरसता के रूप में लोगों के मन में लंबे समय तक बना रहेगा।

छठ पर बिहटा सूर्य मंदिर परिसर में लगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर



नई सोच एक्सप्रेस

बिहटा। छठ महापर्व के अवसर पर बिहटा वायु सेना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध सूर्य मंदिर परिसर में स्वयंसेवी संस्था महिला बाल युवा केंद्र, कोरहर की ओर से विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं, महिलाओं, बच्चों और ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाया। शिविर का उद्घाटन पूर्व सिविल सर्जन डॉ. ललित मोहन शर्मा, रेफरल अस्पताल बिहटा की चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अनुपमा, नगर परिषद उपाध्यक्ष दीपिका सिंह के प्रतिनिधि रिंकू सिंह एवं वार्ड पार्षद सुमन चौहान ने संयुक्त रूप से किया। शिविर में चिकित्सकों ने लोगों का ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांच की। जरूरतमंदों को निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श और दवाइयां भी दी गईं। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बिहटा की मेडिकल टीम ने एंबुलेंस के साथ सहयोग किया। संस्था के सचिव वीरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने शिविर की सफलता में सहयोग देने वाले चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों, दवा दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर डॉ. प्रियंका सिंह सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रो. रणबीर नंदन ने आवास पर भक्ति-भाव से दिया उदीयमान सूर्य को अर्घ्य, संपन्न हुआ छठ महापर्व

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। लोकआस्था और सूर्योपासना के चार दिवसीय महापर्व छठ का समापन सोमवार सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही श्रद्धापूर्वक हो गया। इस पावन अवसर पर बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो. रणबीर नंदन ने भी पूरे भक्ति-भाव, नेम-निष्ठा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ अपने आवास पर ही भगवान भास्कर की आराधना की और सोमवार की अहले सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। प्रो. नंदन के आवास पर छठ पूजा को लेकर विशेष और पवित्र व्यवस्था की गई थी। पारिवारिक सदस्यों और करीबियों की मौजूदगी में उन्होंने पूरी सादगी के साथ यह महाअनुष्ठान पूरा किया। 36 घंटे के कठोर निर्जला उपवास के बाद सोमवार की अहले सुबह उन्होंने जल में खड़े होकर भगवान भास्कर और छठी मइया की विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान सूप और दउरा में सजे ठेकुआ, फल और अन्य पूजन सामग्रियों के साथ सूर्य देव को अर्घ्य दिया गया। उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने और व्रत के पारण के पश्चात् प्रो. रणबीर नंदन ने समस्त राज्यवासियों को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छठ केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है, बल्कि यह प्रकृति प्रेम, स्वच्छता, आत्म-अनुशासन और लोकआस्था का सबसे बड़ा प्रतीक है। उन्होंने भगवान सूर्य और छठी मइया से प्रार्थना करते हुए बिहार और देशवासियों की सुख, शांति, निरोगी जीवन, समृद्धि और राज्य के निरंतर विकास की मंगलकामना की।

सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व का हुआ समापन, घाटों पर उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब,प्रशासनिक व्यवस्था की श्रद्धालुओं ने की सराहना

नई सोच एक्सप्रेस



जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। लोक आस्था और सूर्योपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही श्रद्धा और उल्लासपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। सुबह होते ही जिले के विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। व्रतियों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। पूरे जिले में छठ महापर्व धूमधाम और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। शहर के ठाकुरबाड़ी स्थित संगम घाट पर भी छठ पूजा का विशेष नजारा देखने को मिला। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। घाट पर सुबह से ही भक्तिमय माहौल बना रहा। छठ गीतों और भगवान भास्कर के जयकारों से पूरा वातावरण गूंजता रहा। जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा, साफ-सफाई, रोशनी, बैरिकेडिंग और भीड़ नियंत्रण की समुचित व्यवस्था की गई थी। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक सहित जिले के अन्य वरीय पदाधिकारी विभिन्न घाटों का निरीक्षण करते रहे और शांतिपूर्ण तरीके से पूजा संपन्न कराने को लेकर लगातार निगरानी करते रहे।इस बार संगम घाट की साफ-सफाई और बेहतर व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों एवं छठ व्रतियों ने संतोष जाहिर किया। श्रद्धालुओं का कहना था कि पहले की अपेक्षा इस बार घाट की स्थिति काफी बेहतर रही। घाटों की सफाई के साथ रंग-रोगन और अन्य सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया गया था। इससे व्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा करने में काफी सहूलियत हुई। लोगों ने जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की। वहीं, छठ पूजा के अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों की ओर से सेवा शिविर भी लगाए गए थे। इन शिविरों के माध्यम से श्रद्धालुओं के बीच चाय, दूध, गन्ने का शरबत और प्रसाद का वितरण किया गया। समाजसेवियों ने बताया कि छठ जैसे लोक आस्था के महापर्व में श्रद्धालुओं की सेवा करना उनके लिए सौभाग्य और खुशी की बात है। कुल मिलाकर बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था, सामाजिक सहयोग और श्रद्धालुओं की आस्था के बीच जहानाबाद में छठ महापर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया।

40 करोड़ की लागत से बाजार समिति में बने प्रशासनिक भवन और दुकानों का होगा उद्घाटन

नई सोच एक्सप्रेस



जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। बाजार समिति, जहानाबाद को आधुनिक और व्यवस्थित रूप देने की दिशा में करीब 40 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न भवनों और बाजार क्षेत्रों का निर्माण कराया गया है। इन नवनिर्मित संरचनाओं का उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रस्तावित है। उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी ने बाजार समिति परिसर का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की स्थिति, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं का अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रशासनिक भवन के शेष बचे निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जाये, ताकि उद्घाटन से पहले सभी आवश्यक तैयारियां पूरी हो सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिये। सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर निर्धारित समय के भीतर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।बताया गया कि बाजार समिति परिसर में लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक प्रशासनिक भवन, प्याज एवं आलू बाजार, फल बाजार, खुदरा बाजार तथा पशुधन क्षेत्र समेत कई महत्वपूर्ण संरचनाओं का निर्माण कराया गया है। इन सुविधाओं के शुरू होने से व्यापारियों को व्यवस्थित तरीके से कारोबार करने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही किसानों, व्यवसायियों और आम लोगों को भी बाजार से जुड़ी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई पर विशेष जोर दिया गया। जिला पदाधिकारी ने नगर परिषद को बाजार समिति परिसर, आंतरिक सड़कों और आसपास के क्षेत्रों में नियमित सफाई कराने तथा कचरे का समय पर उठाव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि उद्घाटन से पहले पूरे परिसर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाया जाए, ताकि यहां आने वाले व्यापारियों और आम लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो।वहीं, बाजार समिति परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस अधीक्षक को थाना आउटपोस्ट स्थापित करने का निर्देश दिया गया। इससे बाजार परिसर में सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होने के साथ-साथ व्यापारियों और आम नागरिकों में भी सुरक्षा का भरोसा मजबूत होगा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को नवनिर्मित भवनों के रखरखाव और उनके व्यवस्थित संचालन पर भी ध्यान देने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी की जायें, ताकि उद्घाटन के बाद बाजार समिति का संचालन सुचारू रूप से हो सके। आधुनिक सुविधाओं से लैस बाजार समिति के विकसित होने से जिले में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने और स्थानीय कारोबार को नई गति मिलने की उम्मीद है।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस : जिलाधिकारी ने कहा लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ है मीडिया

नई सोच एक्सप्रेस



जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया की अध्यक्षता में परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष परिचर्चा का विषय पत्रकारिता : लोकप्रियतावादी या जिम्मेदार रखा गया था। कार्यक्रम में जिले के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया से जुड़े पत्रकारों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान वर्तमान दौर में पत्रकारिता की भूमिका, उसकी जिम्मेदारियों और निष्पक्षता को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी सहित उपस्थित अधिकारियों एवं पत्रकारों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद राष्ट्रीय प्रेस दिवस के इतिहास और महत्व पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1966 में भारतीय प्रेस परिषद ने अपना कार्य प्रारंभ किया था। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता, निष्पक्षता और पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों को मजबूत करना है।परिचर्चा के दौरान पत्रकारों ने कहा कि डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण आज खबरों को सबसे पहले प्रसारित करने की होड़ बढ़ी है। ऐसे में पत्रकारिता की असली जिम्मेदारी तथ्यों की पुष्टि कर सही और विश्वसनीय जानकारी जनता तक पहुंचाना है। केवल लोकप्रियता और अधिक दर्शक जुटाने के उद्देश्य से खबरों का प्रसारण करना पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों के अनुकूल नहीं है। समाचारों में जनहित, निष्पक्षता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।चर्चा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते उपयोग, भ्रामक खबरें और गलत सूचनाओं के प्रसार जैसे मुद्दे भी उठाए गये। पत्रकारों ने कहा कि तकनीक ने समाचार संकलन और प्रसारण को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ ही खबरों की विश्वसनीयता बनाए रखने की चुनौती भी बढ़ी है। किसी भी खबर को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले तथ्यों की जांच करना आवश्यक है। इस अवसर पर जिलाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया ने सभी पत्रकारों को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है। मीडिया प्रशासन और आम जनता के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में काम करता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में लोकप्रियता से अधिक सत्य, निष्पक्षता और तथ्यपरकता को महत्व दिया जाना चाहिए। किसी भी समाचार के प्रकाशन से पहले तथ्यों का सत्यापन बेहद जरूरी है। डीएम ने कहा कि प्रेस और प्रशासन के बीच सकारात्मक समन्वय रहने से सुशासन और पारदर्शिता को मजबूती मिलती है। मीडिया जनसमस्याओं और प्रशासनिक कमियों को सामने लाकर उनके समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि जिले में होने वाले अच्छे कार्यों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ कमियों को भी रचनात्मक तरीके से उजागर किया जाना चाहिए ताकि उनमें सुधार हो सके। जिले के विकास में मीडिया की सक्रिय भूमिका महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का संचालन जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी निपुण कुमारी ने किया। इस मौके पर अपर समाहर्ता विभागीय जांच विनय कुमार सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रंजन सिन्हा सहित अन्य पदाधिकारी एवं जिले के विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। अंत में जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

छठ घाटों पर पारा विधिक स्वयंसेवकों ने चलाया जागरूकता अभियान, श्रद्धालुओं को दी नालसा की योजनाओं की जानकारी

नई सोच एक्सप्रेस



जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार के निर्देशानुसार लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर जहानाबाद जिले के विभिन्न छठ घाटों पर विधिक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पारा विधिक स्वयंसेवकों ने छठ घाटों पर पहुंचे श्रद्धालुओं को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना की ओर से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। अभियान के तहत स्वयंसेवकों ने छठ घाटों पर श्रद्धालुओं के बीच पंपलेट वितरित कर नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 एवं नालसा पोर्टल के बारे में विस्तार से बताया। उन्हें यह जानकारी दी गई कि जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति किस प्रकार निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही आम लोगों को उनके कानूनी अधिकारों और न्यायिक सेवाओं के प्रति जागरूक किया गया।इस दौरान आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत एवं मध्यस्थता अभियान के आयोजन, उसके लाभ और आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से मुकदमों के त्वरित निष्पादन की प्रक्रिया के बारे में भी बताया गया। स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं से अपील की कि छोटे-छोटे विवादों और मुकदमों को आपसी सहमति से सुलझाने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठायें। इससे लोगों को लंबे समय तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिल सकती है और समय एवं धन की बचत भी होती है। जिले के विभिन्न घाटों पर अलग अलग पारा विधिक स्वयंसेवकों ने अपनी जिम्मेदारी निभाई। गौरक्षणी छठ घाट पर पूनम कुमारी, मलहचक घाट पर विमल कुमार एवं संजय कुमार, सूर्य मंदिर काको में संतोष कुमार एवं संजय पंडित, दक्षिणी सूर्य मंदिर काको में ब्यूटी देवी एवं कृष्ण वल्लभ सहाय, भेलावर सूर्य मंदिर में इंदु कुमारी एवं अजय कुमार, धाव घाट टेहटा में कौशल किशोर एवं नीलम, दरधा नदी घाट पर दीनानाथ चौधरी एवं नवल किशोर पांडेय, लखावर सूर्य मंदिर घाट पर मनोरंजन कुमार एवं धनेश कुमार तथा सूर्य मंदिर गुलाबगंज घाट पर सुरेंद्र ठाकुर एवं चंदन कुमार ने श्रद्धालुओं को जागरूक किया।इसी प्रकार सूर्य मंदिर मखदुमपुर घाट पर सुभाष कुमार एवं सीता कुमारी, सूर्य मंदिर हुलासगंज में पूजा कुमारी, कनौदी ठाकुरबाड़ी मंदिर घाट पर अशोक कुमार, करौना सूर्य मंदिर घाट पर अरुण कुमार सिंह एवं मुकेश कुमार, मुठेर सूर्य मंदिर घाट पर सुरेश सिंह एवं राकेश कुमार तथा अन्य घाटों पर गुलाम सरवर एवं संजय कुमार सिंह ने जागरूकता अभियान में भाग लिया। अभियान के दौरान श्रद्धालुओं से आगामी 12 नवंबर 2026 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में पहुंचकर छोटे-छोटे मुकदमों का आपसी सुलह समझौते के आधार पर निःशुल्क निष्पादन कराने की अपील की गई। इस पहल का उद्देश्य आम लोगों तक न्यायिक सुविधाओं की पहुंच आसान बनाना और समाज में कानूनी जागरूकता को बढ़ावा देना है।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व संपन्न, डीएम ने भी अर्पित किया अर्घ्य

नई सोच एक्सप्रेस



जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिले में लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय माहौल में संपन्न हो गया। सुबह से ही जिले के विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। छठव्रतियों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस पावन अवसर पर जिलाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया ने भी भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया। उन्होंने जिले के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ सभी जिलावासियों के सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य एवं समृद्धि की कामना की। जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन की ओर से छठ महापर्व को लेकर व्यापक तैयारियां की गई थीं। विभिन्न घाटों पर सुरक्षा, साफ-सफाई, रोशनी, बैरिकेडिंग और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए थे। घाटों पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों ने मुस्तैदी से अपनी जिम्मेदारी निभाई। वहीं, स्वास्थ्यकर्मियों, सफाईकर्मियों, गोताखोरों और स्वयंसेवकों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महापर्व के शांतिपूर्ण एवं सफल आयोजन पर जिला प्रशासन ने सभी छठव्रतियों, श्रद्धालुओं और जिलेवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही पूजा समितियों सहित आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों के योगदान की सराहना की। जिलेवासियों के सहयोग, आपसी सौहार्द और प्रशासनिक व्यवस्था के कारण छठ महापर्व पूरे जिले में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ शांतिपूर्ण संपन्न हुआ।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व संपन्न, देवखाल चौर घाट पर उमड़ा आस्था का सैलाब

नई सोच एक्सप्रेस



समस्तीपुर/उजियारपुर। लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ के चौथे और अंतिम दिन सोमवार सुबह छठव्रतियों ने उदीयमान (उगते) सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इसी के साथ यह पावन अनुष्ठान विधिवत संपन्न हो गया और व्रतियों ने पारण कर अपना 36 घंटे का निर्जला उपवास तोड़ा। इस अवसर पर प्रखंड के कमला भगवानपुर स्थित ऐतिहासिक 'देवखाल चौर' छठ घाट पर अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। पर्व के दौरान छठी मइया से मांगी गई मन्नत पूरी होने पर कई श्रद्धालु अपने घरों से घाट तक 'दंडवत प्रणाम' (कष्टी) करते हुए पहुंचे, जो पूरे आयोजन में आस्था का मुख्य केंद्र रहा। द्रौपदी ने यहीं किया था पहला छठ व्रत देवखाल चौर का यह छठ घाट अपनी ऐतिहासिक और पौराणिक महत्ता के लिए पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, इस स्थान का इतिहास महाभारत काल से जुड़ा हुआ है और इसके साथ कई लोक मान्यताएं प्रचलित हैं। मान्यता के मुताबिक, पांडवों की पत्नी द्रौपदी ने अपना पहला छठ व्रत इसी घाट पर किया था। इसी पौराणिक महत्व और अटूट आस्था के कारण आसपास के दर्जनों गांवों के लोग हर साल यहां अर्घ्य देने जुटते हैं। ग्रामीणों के सहयोग से शांतिपूर्ण रहा आयोजन ऐतिहासिक महत्व वाले इस घाट पर व्रतियों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे।स्थानीय निवासी राजू सहनी हर वर्ष की भांति इस साल भी घाट की संपूर्ण साफ-सफाई, बैरिकेडिंग और विधि-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालने में सक्रिय रहे। राजू सहनी ने बताया कि इस घाट की महिमा दूर-दूर तक फैली है, इसलिए हर साल यहां व्रतियों की संख्या बढ़ रही है। ग्रामीणों के आपसी सहयोग से महापर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

कृत्रिम जलाशयों में भी दिखी आस्था, प्रातःकालीन अर्घ्य के साथ छठ संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस



छपरा।लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को प्रातःकालीन अर्घ्य के साथ संपन्न हो गया। इस अवसर पर छपरा शहर में सुबह से ही श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। छठ व्रतियों ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की खुशहाली, अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला व्रत पूरा कर व्रतियों ने पारण किया। छठ पूजा को लेकर शहर के विभिन्न मोहल्लों में विशेष तैयारियां की गई थीं। नदी और तालाबों के अलावा कई लोगों ने अपने घरों की छतों और खाली प्लॉट में कृत्रिम जलाशय बनाकर पूजा की व्यवस्था की थी। इन जलाशयों में पानी भरकर व्रतियों के लिए सूर्यदेव को अर्घ्य देने की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। सुबह होते ही व्रती पूजन सामग्री से सजे सूप और दउरा लेकर जलाशयों के किनारे पहुंचे और पूरे विधि-विधान से भगवान सूर्य की आराधना की। छठ व्रती गीतांजलि पांडेय ने बताया कि छठ पूजा प्रमुख लोकपर्व है। इसमें भगवान सूर्य और छठी मैया की उपासना की जाती है। यह पर्व संतान की सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली और अच्छे स्वास्थ्य की कामना के लिए मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व शुद्धता, अनुशासन, आस्था और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का संदेश देता है। उन्होंने बताया कि चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व की शुरुआत नहाय-खाय से होती है। दूसरे दिन खरना के बाद व्रती 36 घंटे का निर्जला उपवास रखते हैं। तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को संध्या अर्घ्य दिया जाता है, जबकि चौथे और अंतिम दिन उदीयमान सूर्य को प्रातःकालीन अर्घ्य अर्पित कर व्रत का समापन किया जाता है। छठ पूजा में बांस की टोकरी और सूप में फल, ठेकुआ, नारियल, गन्ना सहित विभिन्न पूजन सामग्री रखकर सूर्यदेव को अर्पित की जाती है। इस पर्व की विशेषता है कि इसमें डूबते और उगते, दोनों सूर्य की उपासना की जाती है। प्रातःकालीन अर्घ्य के साथ ही छपरा शहर में चार दिनों से चल रहे छठ महापर्व का भक्तिमय समापन हो गया।

संक्षिप्त समाचार

छपरा से मुंबई-दिल्ली समेत कई शहरों के लिए स्पेशल ट्रेनें, यात्रियों को मिलेगी राहत

छपरा।लोक आस्था के महापर्व छठ के संपन्न होने के बाद रोजगार और कामकाज के सिलसिले में दूसरे प्रदेशों को लौटने वाले यात्रियों की भीड़ बढ़ने लगी है। इसे देखते हुए रेलवे ने छपरा जंक्शन से विभिन्न महानगरों और प्रमुख शहरों के लिए कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन शुरू किया है। सोमवार, 16 नवंबर से शुरू हुई इन ट्रेनों से मुंबई, दिल्ली और पंजाब समेत अन्य शहरों की यात्रा करने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। रेलवे की ओर से छपरा से लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मुंबई), दिल्ली, नई दिल्ली, पठानकोट, अमृतसर, जालना और लालकुआं के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इनमें ट्रेन संख्या 05083, 05071, 05073, 05193, 04673, 07651 और 05090 शामिल हैं। छपरा जंक्शन के स्टेशन डायरेक्टर राजेश प्रसाद, स्टेशन अधीक्षक राजन कुमार और वरिष्ठ परिचालन प्रबंधक बालेंद्र पाल के निर्देश पर यात्रियों को ट्रेनों की समय-सारणी की जानकारी दी जा रही है। वहीं, कार्तिक पूर्णिमा और सोनपुर मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए 24 और 25 नवंबर को सोनपुर-मुजफ्फरपुर के बीच मेला स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। ट्रेन संख्या 05202/05201 के कुल चार फेरे होंगे। इसमें बरौनी-सोनपुर मेमू पैसेंजर के रैक का इस्तेमाल किया जाएगा।

जमुई के सभी 10 प्रखंडों में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व

जमुई। लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को जमुई जिले के सभी 10 प्रखंडों में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हो गया। अंतिम दिन सोमवार की सुबह व्रतियों ने विभिन्न नदी, तालाबों और छठ घाटों पर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं लोक कल्याण की कामना की। इससे पूर्व रविवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य दिया गया। छठ महापर्व को लेकर जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में उत्सवी माहौल रहा। सुबह से ही छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। छठी मैया के पारंपरिक गीतों और भक्तिमय माहौल के बीच व्रतियों ने पूरे विधि-विधान से सूर्य उपासना की। गिद्धौर प्रखंड के महावीर मंदिर घाट, दुर्गा मंदिर घाट, रानी बगीचा, गुड़ियापर, कलाली घाट, सेवा अहरा, गंगरा नदी, धोबघट, मौरा और बंधौरा सहित विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं ने अर्घ्य अर्पित किया। वहीं बरहट प्रखंड के मलयपुर कदम घाट, पत्नेश्वर धाम, खैरमा, कल्याणपुर और बोधवन तालाब सहित अन्य घाटों पर भी भारी भीड़ रही। इसके अलावा अलीगंज, सिकंदरा, सोनो, चकाई, झाझा, लक्ष्मीपुर और खैरा प्रखंडों में भी पर्व पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास पूरा हुआ और व्रतियों ने पारंपरिक विधि से पारण किया। शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुए इस महापर्व ने सामाजिक एकता, स्वच्छता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश दिया।

छठ पूजा समापन के बाद छठ घाट पर लगा कचरे का अंबार, नगर पंचायत की सफाई व्यवस्था पर उठे सवाल



हरनौत।लोक आस्था का महापर्व छठ के समापन के बाद हरनौत नगर पंचायत क्षेत्र के छठ घाटों पर सफाई व्यवस्था की पोल खुल गई है। पूजा के बाद घाट पर चारों तरफ प्लास्टिक, पॉलीथीन, पूजा सामग्री और गंदगी का अंबार लगा हुआ है। माधोपुर-सबनहुआ छठ घाट सहित अन्य जगहों पर सीढ़ियों के सामने पूरे घाट पर प्लास्टिक के गिलास, प्लेट, पॉलीथीन, केले के पत्ते, फूल-माला, हवन की राख और पूजा का बचा सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा है। तालाब के किनारे तक गंदगी फैली हुई है, जिससे पानी के दूषित होने का भी खतरा बढ़ गया है।छठ पूजा के पहले नगर पंचायत ने घाटों की साफ-सफाई और सजावट पर काफी ध्यान दिया था, लेकिन पूजा खत्म होते ही सफाई कर्मी गायब हो गए। नतीजा यह है कि घाट पर आने-जाने वाले लोगों को गंदगी और दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय लोगों ने कहा कि अगर समय पर कचरा नहीं उठाया गया तो मच्छर और बीमारी फैलने का खतरा बढ़ जाएगा। लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन से मांग की है कि सभी छठ घाटों और बाजार क्षेत्र में तुरंत विशेष सफाई अभियान चलाकर कचरा उठाया जाए।उधर बाजार क्षेत्र के विभिन्न मुहल्लों एवं सड़क के मोड़ पर गन्दगी पसरी है।

छठ महापर्व के पारण पर टेउसा बाजार में भव्य भंडारे का आयोजन



टेउसा (गया)। अतरी प्रखंड के टेउसा बाजार में छठ महापर्व के पारण के अवसर पर सोमवार की सुबह भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। पूरे बाजार में भक्तिमय माहौल बना रहा। आयोजकों ने कहा कि छठ महापर्व आस्था और सूर्य उपासना के साथ सामाजिक एकता, भाईचारे और सेवा भावना का भी प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी सहयोग और सद्भाव मजबूत होता है। कार्यक्रम में छोटू चौधरी, दीपक गुप्ता, कुलदीप कुमार, अनिल चौधरी, रौशन गुप्ता, प्रभात साव, शंकर कुमार, धर्मवीर कुमार, जर्मनी पासवान, चंदन कुमार, डब्लू कुमार, रिशु कुमार, सागर कुमार, बढ़न चौधरी एवं संतोष कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे।

शहर के जामा मस्जिद के परागण में छठ पूजा के मौके पर पैगामी इंसानियत मुस्लिम समुदाय के लोगों ने दिया आपसी भाईचारा का दिया संदेश

नई सोच एक्सप्रेस



औरंगाबाद। जिलेवासियों के बीच सामाजिक समरसता, प्रेम, भाईचारा, शांति और सौहार्द के भाव जागने वाली संस्था पैगाम ए इंसानियत मुस्लिम समुदाय ने इस वर्ष भी कौमी एकता की मिशाल प्रस्तुत की और चार दिवसीय लोक आस्था एवं लोक उपासना के महापर्व में अपनी अहम भागीदारी सुनिश्चित की। समुदाय के जिलाध्यक्ष शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान के नेतृत्व में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नहाय खाय से पहले से ही शहर के विभिन्न छठ घाटों की सफाई की बल्कि रविवार के दिन जामा मस्जिद के परिसर 100 व्रतियों के बीच सुप और नारियल तथा छठ घाट पर भगवान भास्कर को अर्घ्य के दौरान प्रसाद के रूप में चढ़ाए जाने वाले मौसमी फल का वितरण किया। इन फलों में केला अनानास, संतरा, नींबू, पानी फल तथा अगरबत्ती शामिल रहे।सल्लू खान ने बताया कि यह पर्व हर हिंदू के लिए काफी पावन पर्व होता है। इसे बड़े ही निष्ठा और नियम के साथ किया जाता है। इस पर्व के दौरान शहर के मुस्लिम समुदाय ने इंसानियत की मिसाल प्रस्तुत की और छठ पर्व में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।इस मौके पर इंसानियत के अध्यक्ष मो. शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान, मो जुल्फिकार मो गुड्डू खान हाजी छोटे खान, मो अप्पू इम्तियाज, मोहम्मद रुस्तम, मोहम्मद इसरार, जमीरउद्दीन खान, अमन खान, अनवर आलम सहित के नेतृत्व में वितरण किया, इसके माध्यम से ये सभी सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे का संदेश दे रहे हैं। भाईचारे का इससे अच्छा संदेश और क्या हो सकता है, यहां बिना किसी भेद भाव के सभी लोग मिलकर छठ पूजा मनाते हैं और छठ व्रतियों की मदद करते हैं ताकि उन्हें कोई भी परेशानी न हो। मो अब्दुल्ला. सैयद खुर्रम आदिल मो. राजू, मो. अरमान, संतोष कुमार सचिन कुमार वीरेंद्र कुमार अमन सहित उपस्थित रहे।

ग्रामीण की सूचना पर प्रशासन ने रुकवाया बाल विवाह, दोनों परिवारों ने दी लिखित सहमति

नई सोच एक्सप्रेस



अररिया। एक जागरूक ग्रामीण की सूचना और प्रशासन की तत्परता से अररिया जिले के सिकटी प्रखंड में दो नाबालिगों का बाल विवाह रुकवा दिया गया। मामले में लड़की की उम्र 13 वर्ष और लड़के की उम्र 19 वर्ष बताई गई है। जागरण कल्याण भारती, फारबिसगंज की पहल पर जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों परिवारों को बाल विवाह के कानूनी प्रावधानों और दुष्परिणामों की जानकारी दी। जानकारी के अनुसार, 12 नवंबर को एक ग्रामीण ने जागरण कल्याण भारती को फोन पर बाल विवाह की तैयारी की सूचना दी थी। संगठन ने तत्काल जिला प्रशासन को इसकी जानकारी दी। इसके बाद बीडीओ सिकटी ने पंचायत के मुखिया, पंचायत सचिव, सिकटी थानाध्यक्ष और अनुमंडल एवं जिला प्रशासन को मामले से अवगत कराया। संगठन की टीम और बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी ने दोनों परिवारों से संपर्क कर उन्हें बाल विवाह निषेध अधिनियम की जानकारी दी। इसके बाद पंचायत बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की आपात बैठक बुलाई गई। बैठक में दोनों परिवारों ने 500-500 रुपये के स्टांप पेपर पर लिखित सहमति दी कि लड़की के 18 वर्ष और लड़के के 21 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद ही विवाह किया जाएगा। सहमति की शर्तों का उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। जागरण कल्याण भारती के अध्यक्ष संजय कुमार ने कहा कि यह सफलता लगातार चलाए जा रहे जागरूकता अभियान का परिणाम है। उन्होंने बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को रोकने के लिए प्रशासन के साथ आम लोगों की सक्रिय भागीदारी को जरूरी बताया। संगठन, जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) का सहयोगी है।

गादी बुकार में भव्य गंगा आरती एवं नदी उत्सव का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस



जमुई। छठ पूजा के पावन अवसर पर गादी बुकार स्थित उलाई नदी तट पर नदी उत्सव कार्यक्रम के तहत भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी नवीन कुमार ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जल प्रहरी, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार नंदलाल सिंह ने की। कार्यक्रम में जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सहित प्रशासनिक पदाधिकारियों, गणमान्य नागरिकों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर जिलाधिकारी नवीन कुमार ने उलाई नदी के पुनरुद्धार को लेकर महत्वपूर्ण बात कही। उन्होंने कहा कि उलाई नदी के पूर्णोद्धार एवं पुनर्जीवन के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। नदी को उसके पुराने स्वरूप में लाने तथा इसे पुनर्जीवित करने के लिए आवश्यक पहल की जाएगी। जिलाधिकारी के इस आश्वासन से स्थानीय लोगों में काफी उत्साह देखा गया। जिलाधिकारी के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर आयोजन समिति के सभी सदस्यों द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। छठ पूजा के पावन अवसर पर आयोजित गंगा आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूरे धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण में नदी तट पर गंगा आरती की गई तथा नदियों की स्वच्छता, अविरलता और जल संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नदियों का संरक्षण, जल स्रोतों की रक्षा और जल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता पैदा करना था। इस अवसर पर कहा गया कि नदियां केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि हमारी प्राकृतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विरासत हैं। यदि आज हम नदियों और जल स्रोतों का संरक्षण करेंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ जल और स्वस्थ पर्यावरण उपलब्ध करा पाएंगे। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि नदी संरक्षण केवल सरकार या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। नदियों में कचरा नहीं डालना, जल को प्रदूषित होने से बचाना, वर्षा जल का संरक्षण करना तथा नदी एवं उसके आसपास के प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का दायित्व है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने नदी एवं जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने तथा अपनी प्राकृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। गादी बुकार में आयोजित यह नदी उत्सव एवं गंगा आरती धार्मिक आस्था के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण का महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश देने वाला कार्यक्रम बना। जिलाधिकारी द्वारा उलाई नदी के पुनरुद्धार एवं पुनर्जीवन के लिए दिए गए आश्वासन से इस अभियान को नई उम्मीद और ऊर्जा मिली। कार्यक्रम की सफलता छठ पूजा सेवा समिति पुकार की सभी सदस्य यहां उपस्थित थे उनके गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया

छठ व्रतियों की सेवा में जुटे कांग्रेस कार्यकर्ता, घाट पर लगाया शिविर



नई सोच एक्सप्रेस

सिवान। लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर कांग्रेस की ओर से शहर के पुलवा घाट पर सेवा शिविर लगाया गया। शिविर में व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के बीच पानी, दतवन, अर्घ्य के लिए गाय का दूध और ग्रीन टी का वितरण किया गया। साथ ही प्राथमिक उपचार की व्यवस्था भी की गई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुशील कुमार ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के संदेशों से प्रेरित होकर पार्टी कार्यकर्ता सेवा भाव से छठ व्रतियों की सहायता में जुटे हैं। उन्होंने छठ पर्व के सफल आयोजन के लिए सिवानवासियों, जिला प्रशासन, सफाईकर्मियों और पुलिसकर्मियों के प्रति आभार जताया। अल्पसंख्यक कांग्रेस जिलाध्यक्ष सेराज आलम एवं कुतुबद्दीन खान ने कहा कि कांग्रेस सामाजिक आयोजनों में भागीदारी के साथ आम जनता की समस्याओं को लेकर भी संघर्ष करती रहेगी। मौके पर अमित कुशवाहा, संस्कार यादव, शशि कुमार, ओम आनंद शर्मा सहित कई कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

567 वीं साइकिल यात्रा के माध्यम से छठ के बाद भी नियमित सफाई बनाए रखने की अपील

नई सोच एक्सप्रेस



जमुई।साइकिल यात्रा एक विचार, जमुई के बैनर तले संस्था की 567वीं साप्ताहिक साइकिल यात्रा के अवसर पर नगर परिषद क्षेत्र के सतगामा घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया।इस दौरान संस्था के सदस्यों ने घाट परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की तथा वहां मौजूद लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। मौके पर घाट के समीप निजी जमीन पर पौधारोपण भी किया गया।कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए अजीत कुमार ने कहा कि छठ के अवसर पर नदी एवं घाटों की स्वच्छता केवल पर्व तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। पूरे वर्ष सामूहिक जिम्मेदारी के साथ स्वच्छता अभियान चलाने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि लोक आस्था का यह महापर्व प्रकृति,जल,सूर्य और स्वच्छता के प्रति हमारी श्रद्धा एवं सम्मान का प्रतीक है।ऐसे में घाटों की सफाई केवल छठ पूजा के कुछ दिनों तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए,बल्कि इसे नियमित जनअभियान का रूप देना आवश्यक है।सदस्य गोलू कुमार और रामप्रवेश कुमार ने कहा कि छठ महापर्व हमें प्रकृति और जल स्रोतों के प्रति सम्मान का संदेश देता है। जिस नदी और जल में हम आस्था के साथ अर्घ्य अर्पित करते हैं, उसकी स्वच्छता बनाए रखना भी हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। पर्व समाप्त होने के बाद घाटों पर प्लास्टिक,पूजन सामग्री, कपड़े एवं अन्य कचरा छोड़ देना हमारी आस्था की भावना के विपरीत है।इसलिए नगर परिषद, स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संगठनों एवं युवाओं को मिलकर सतगामा घाट पर नियमित स्वच्छता अभियान चलाने की पहल करनी चाहिए।इस अवसर पर अजीत कुमार,अभिमन्यु कुमार,प्रिंस कुमार,गौतम कुमार,वीर कुमार,रामप्रवेश कुमार एवं गोलू कुमार सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

जिलाधिकारी ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किए जाने के अवसर पर समस्तीपुर सदर के प्रमुख छठ घाटों का किया भ्रमण, छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं को दी शुभकामनाएं

नई सोच एक्सप्रेस



समस्तीपुर। छठ महापर्व के अवसर पर आज दिनांक 15 नवंबर 2026 को अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किए जाने के दौरान जिलाधिकारी समस्तीपुर श्री रोशन कुशवाहा द्वारा समस्तीपुर सदर अनुमंडल अंतर्गत विभिन्न प्रमुख छठ घाटों का भ्रमण किया गया। इस दौरान उन्होंने छठ घाटों पर पहुंचकर पर्व के आयोजन, श्रद्धालुओं की उपस्थिति तथा उपलब्ध कराई गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। भ्रमण के क्रम में जिलाधिकारी ने छठ घाटों पर उपस्थित छठव्रतियों, श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों से संवाद किया तथा उन्हें लोक आस्था के महापर्व छठ की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भगवान सूर्य एवं छठी मैया से समस्त जिलेवासियों के सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। जिलाधिकारी ने कहा कि छठ महापर्व बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, लोक आस्था, सामाजिक समरसता एवं प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अद्भुत प्रतीक है। यह पर्व हमें स्वच्छता, अनुशासन, पवित्रता, संयम एवं सामूहिक सहभागिता का संदेश देता है। उन्होंने सभी छठव्रतियों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनके व्रत एवं अनुष्ठान के सफलतापूर्वक संपन्न होने की मंगलकामना की। इस अवसर पर घाटों पर श्रद्धालुओं की काफी चहल-पहल एवं उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार एवं समाज के कल्याण की कामना की। उक्त अवसर पर माननीय विधान परिषद सदस्य श्री तरुण कुमार, माननीय मेयर नगर निगम समस्तीपुर श्रीमती अनीता राम सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण एवं जिला प्रशासन के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। जिला प्रशासन, समस्तीपुर की ओर से समस्त जिलेवासियों को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई।

संक्षिप्त समाचार

छठ महापर्व की खुशियां मातम में बदलीं, जमीनी विवाद में चाकूबाजी से एक की मौत



मोतिहारी।सुगौली थाना क्षेत्र में महापर्व छठ पूजा की समाप्ति के साथ थानाक्षेत्र के करमवां-रघुनाथपुर पंचायत में चर्चा के अनुसार जमीनी विवाद को लेकर हुई चाकूबाजी की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि चाकू लगने से चंद किशोर यादव की मौत हो गई। वहीं, घटना के बाद प्रतिशोध में मृतक पक्ष के लोगों ने कथित तौर पर चाकू मारने के आरोपी ज्वाला प्रसाद के घर पर हमला बोल दिया। इस दौरान ज्वाला प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि घर में जमकर तोड़फोड़ की गई और कई बाइक भी क्षतिग्रस्त कर दी गईं।घटना की सूचना मिलते ही सुगौली थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह और पुलिस निरीक्षक मुन्ना कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।साथ ही मोतिहारी सदर 01 डीएसपी दिलीप कुमार घटना स्थल पहुँच घटना में घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा, जबकि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। सूचना पर एसडीपीओ-1 दिलीप कुमार समेत अन्य थानों की पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है। फिलहाल पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में बताया है और मामले की जांच जारी है।

चार दिवसीय छठ महापर्व का हुआ समापन, उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतियों ने तोड़ा 36 घंटे का निर्जला व्रत



हरनौत।लोक आस्था, सूर्य उपासना और कठिन साधना का प्रतीक चार दिवसीय छठ महापर्व सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया। हरनौत प्रखंड एवं नगर पंचायत क्षेत्र में श्रद्धालुओं ने पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ पर्व मनाया। चेरो सूर्य मंदिर तालाब, बराह, देवा खंदा, दैली, सबनहुआडीह, चैनपुर, कल्याण बिगहा, तेलमर आदि स्थानों पर छठव्रती महिलाओं ने पानी में खड़े होकर उदीयमान सूर्य को दूध और गंगाजल से अर्घ्य अर्पित किया और परिवार की सुख-समृद्धि व संतान की दीर्घायु की कामना की। इसके साथ ही 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत संपन्न हुआ। सुबह से ही घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। छठी मैया के गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। अर्घ्य के बाद व्रतियों ने प्रसाद वितरण किया और एक-दूसरे को छठ की बधाई दी।पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। शांतिपूर्ण तरीके से महापर्व का समापन हो गया।

हीरो राजन कुमार ने दी छठ महापर्व की शुभकामनाएं, छठी मैया की कृपा से कलाली बना कलाग्राम



मुंगेर। प्रसिद्ध सांस्कृतिक केंद्र कलाग्राम, टेटिया-बंबर के संस्थापक एवं अभिनेता हीरो राजन कुमार (चार्ली चैपलिन-2) ने जिलेवासियों सहित पूरे बिहार के लोगों को छठ महापर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छठ बिहार की आत्मा और लोक संस्कृति का प्रतीक है। यह पर्व हमें स्वच्छता, अनुशासन, प्रकृति प्रेम और पारिवारिक समर्पण का संदेश देता है। राजन कुमार ने कहा कि सात वर्ष पहले टेटिया-बंबर का कलाली गांव आज ग्रामीणों के सहयोग और छठी मैया की कृपा से कलाग्राम के रूप में पहचान बना चुका है। यहां बच्चे पेंटिंग सीखते हैं और कलाकार छऊ नृत्य एवं मूर्तिकला से जुड़ रहे हैं। छठ महापर्व पर अभिनेत्री कल्पश्वनी के साथ बनाया गया उनका सोशल मीडिया रील भी वायरल हो रहा है, जिसे एक लाख से अधिक लोगों ने देखा है। इस पर उन्होंने दर्शकों के प्यार के प्रति आभार जताया। उन्होंने बताया कि कलाग्राम में छठ के अवसर पर सफाई अभियान, घाटों की सजावट और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही श्रद्धालुओं से घाटों पर स्वच्छता बनाए रखने और प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की अपील की।

जमुई के सभी 10 प्रखंडों में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व



जमुई। लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को जमुई जिले के सभी 10 प्रखंडों में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हो गया। अंतिम दिन सोमवार की सुबह व्रतियों ने विभिन्न नदी, तालाबों और छठ घाटों पर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं लोक कल्याण की कामना की। इससे पूर्व रविवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य दिया गया। छठ महापर्व को लेकर जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में उत्सवी माहौल रहा। सुबह से ही छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। छठी मैया के पारंपरिक गीतों और भक्तिमय माहौल के बीच व्रतियों ने पूरे विधि-विधान से सूर्य उपासना की। गिद्धौर प्रखंड के महावीर मंदिर घाट, दुर्गा मंदिर घाट, रानी बगीचा, गुड़ियापर, कलाली घाट, सेवा अहरा, गंगरा नदी, धोबघट, मौरा और बंधौरा सहित विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं ने अर्घ्य अर्पित किया। वहीं बरहट प्रखंड के मलयपुर कदम घाट, पत्नेश्वर धाम, खैरमा, कल्याणपुर और बोधवन तालाब सहित अन्य घाटों पर भी भारी भीड़ रही। इसके अलावा अलीगंज, सिकंदरा, सोनो, चकाई, झाझा, लक्ष्मीपुर और खैरा प्रखंडों में भी पर्व पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास पूरा हुआ और व्रतियों ने पारंपरिक विधि से पारण किया। शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुए इस महापर्व ने सामाजिक एकता, स्वच्छता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश दिया।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन

नई सोच एक्सप्रेस



पिपरासी प्रखंड क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों और गांवों में चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ सोमवार को श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हो गया। पर्व के अंतिम दिन अहले सुबह से ही छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। व्रतियों ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। सुबह की पहली किरण के साथ ही छठ घाटों का माहौल भक्तिमय हो उठा। सिर पर पूजन सामग्री से भरी टोकरी और हाथों में फल, ठेकुआ सहित अन्य प्रसाद लेकर व्रती अपने परिजनों के साथ घाटों पर पहुंचे। जैसे ही आसमान में सूर्य की लालिमा दिखाई दी, व्रतियों ने नदी और जलाशयों में खड़े होकर भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। इस दौरान छठी मइया के पारंपरिक गीतों और जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व की शुरुआत नहाय-खाय से हुई थी। दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य और चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ सभी धार्मिक अनुष्ठान पूरे हुए। अर्घ्य देने के बाद व्रतियों ने प्रसाद ग्रहण कर विधि-विधान से पारण किया। **घाटों पर दिखी सामाजिक एकता की झलक:**छठ महापर्व को लेकर प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। पर्व के आयोजन में बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। घाटों पर श्रद्धा, अनुशासन और आपसी सहयोग का माहौल रहा। चार दिनों तक पूरा पिपरासी क्षेत्र छठी मइया की भक्ति में डूबा रहा। पर्व के समापन पर श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे के बीच छठ का प्रसाद बांटकर शुभकामनाएं दीं। छठ महापर्व ने एक बार फिर परिवार और समाज को जोड़ने के साथ स्वच्छता, प्रकृति संरक्षण तथा सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया।

छठ का प्रसाद बनाते समय लगी आग, 8 लोग झुलसे

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पटना में रविवार की रात छठ पूजा का प्रसाद बनाते समय घर में आग लग गई। गैस लीक होने से हादसा हुआ और आग की लपटें घर के दूसरे कमरों तक पहुंच गई। जहां कपड़े जलकर राख हो गए। एक फ्रिज भी जल गया। अगलगी में परिवार के 8 लोग झुलस गए हैं। इनमें 3 बच्चे, 3 महिलाएं और 2 पुरुष हैं। महिलाओं की स्थिति गंभीर है। जिन्हें इलाज के लिए पीएमसीएच ले जाया गया है। परिवार ने सुबह का अर्घ्य भी नहीं दिया। घटना परसा बाजार थाना क्षेत्र के खैराटाली गांव की है। घायलों की पहचान रूबी देवी (43), रेशमी देवी (40), सीमा देवी (35), सूरज कुमार केसरी (38), मनीष केसरी (32), गुड़िया रानी (1), प्रियांशु कुमार (8) और प्रियांशु कुमार (10) के रूप में हुई है। परिवार के विमल कुमार ने बताया कि घर में जहां छठ पूजा की तैयारियां चल रही थीं, वहीं हादसे के बाद चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल हो गया। परिवार की महिलाएं मां रीता देवी और बहन सोनी देवी छठ व्रत कर रही थीं, लेकिन घर के कई सदस्यों के झुलसने और अस्पताल में भर्ती होने के कारण छठ पूजा पूरा नहीं कर पाए। घायल विमल कुमार ने बताया कि आग लगने के बाद परिवार के लोग एक-दूसरे को बचाने की कोशिश कर रहे थे। कमरे में मामी रूबी देवी, भाभी रेशमी देवी और सीमा देवी, भाई सूरज कुमार केसरी और मनीष केसरी, भतीजी गुड़िया रानी और भतीजा प्रियांशु मौजूद थे।

तेलियाहाट बाजार में जाम की समस्या से लोग परेशान, घंटों फंसे रहे राहगीर



नई सोच एक्सप्रेस

बनमा ईटहरी/सहरसा। बनमा ईटहरी थाना क्षेत्र के तेलियाहाट बाजार में सोमवार को घंटों जाम लगे रहने से राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बाजार में जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। स्थानीय लोगों के अनुसार तेलियाहाट बाजार में जाम की समस्या रोजमर्रा की परेशानी बन गई है। बाजार में सड़क किनारे फुटपाथ पर दुकानें लगाने के साथ-साथ स्थायी दुकानदारों द्वारा अपनी दुकानों के आगे सामान रख देने से सड़क संकरी हो जाती है। इसके कारण वाहनों के आवागमन में बाधा उत्पन्न होती है और अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है। सोमवार को भी लोगों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ा। जरूरी काम से बाजार आने-जाने वाले लोगों को होती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने तथा दुकानों के आगे रखे सामान को व्यवस्थित करवाने की मांग की है, ताकि बाजार में यातायात व्यवस्था सुचारु हो सके।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व संपन्न, 35 घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नई सोच एक्सप्रेस



» प्रशासनिक सतर्कता और पुलिस की मुस्तैदी से बगहा में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ चार दिवसीय महापर्व, अधिकारियों ने देर रात तक घाटों का किया निरीक्षण

बगहा । लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। चार दिनों तक चले इस महापर्व के दौरान छठव्रतियों की अटूट आस्था और भक्ति देखने को मिली। सुबह होते ही विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और आरोग्य की कामना की। घाटों पर गूंजते छठी मैया के पारंपरिक गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। बगहा नगर के दीनदयाल नगर घाट, रत्नमाला छठ घाट, गोड़िया पट्टी घाट, रामधाम मंदिर बच्चा बाबू घाट, गोलाघाट सहित करीब 35 छठ घाटों पर छठी मैया की पूजा-अर्चना की गई। पर्व की शुरुआत नहाय-खाय और खरना की परंपरा के साथ हुई। इसके बाद व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को संध्या अर्घ्य अर्पित किया और सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर 36 घंटे के निर्जला व्रत का पारण किया। **35 घाटों पर सुरक्षा और सुविधा के रहे विशेष इंतजाम:**छठ महापर्व को लेकर प्रशासन की ओर से सभी प्रमुख घाटों पर सुरक्षा और व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए थे। व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर लगातार निगरानी रखी गई। घाटों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरती गई। एसपी, एसडीएम और एसडीपीओ ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा छठ महापर्व के दौरान बगहा एसपी राजेश कुमार, एसडीएम चांदनी कुमारी और एसडीपीओ निहार भूषण विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण करते नजर आए। अधिकारियों ने घाटों पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था, विधि-व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। वहीं नगर थानाध्यक्ष शैलेष कुमार भी पुलिस बल के साथ विभिन्न घाटों पर गश्त करते रहे और सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए रखी। प्रशासनिक सतर्कता और पुलिस बल की मुस्तैदी के चलते बगहा में छठ महापर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। पर्व के समापन पर वंदना भारतीय, दिव्या गुप्ता, तारामती देवी, प्रमिला गुप्ता, वाणी, जुली कुमारी, मंदिरा देवी, अर्चना कुमारी समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने छठी मैया की आराधना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

छठ घाट गए परिवार के घर से सात लाख नकद और लाखों के आभूषण चोरी

नई सोच एक्सप्रेस



सुपौल। भपटियाही थाना क्षेत्र के सरायगढ़ पंचायत अंतर्गत चिकनी गांव के वार्ड 9 में छठ महापर्व के दौरान अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर करीब सात लाख रुपये नकद और लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए कोसी नदी किनारे छठ घाट गए हुए थे। घटना के बाद पीड़ित परिवार में कोहराम मचा है। चिकनी गांव वार्ड 9 निवासी राजकुमार साह, पिता रामजी साह के परिवार के सभी सदस्य सोमवार की अहले सुबह छठ घाट पर अर्घ्य देने गए थे। इसी दौरान घर को खाली देखकर अज्ञात चोर अंदर घुस गए। चोरों ने घर के विभिन्न कमरों और अलमारियों को खंगालकर नकदी और कीमती आभूषण चोरी कर लिए। बताया गया कि राजकुमार साह के परिवार ने अपनी बेटी की शादी की तैयारी के लिए लंबे समय से नकदी और सोने-चांदी के आभूषण जुटाकर घर में रखे थे। परिवार के अनुसार, करीब सात लाख रुपये नकद के अलावा लाखों रुपये के आभूषण भी चोरी हुए हैं। छठ घाट से अर्घ्य देकर जब परिवार के सदस्य घर लौटे तो सामान बिखरा देखकर उनके होश उड़ गए। जांच करने पर नकदी और आभूषण गायब मिले। इसके बाद परिवार ने आसपास के ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। देखते ही देखते घर के पास लोगों की भीड़ जुट गई। बेटी की शादी के लिए जुटाई गई जमा पूंजी चोरी होने से राजकुमार साह का परिवार गहरे सदमे में है। छठ महापर्व के दौरान हुई इस घटना से ग्रामीणों में भी आक्रोश और चिंता है। पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन से चोरी की घटना का जल्द खुलासा कर नकदी और आभूषण बरामद करने की मांग की है। भपटियाही थानाध्यक्ष जयप्रकाश चौधरी ने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर छपरा में संगोष्ठी का हुआ आयोजन



नई सोच एक्सप्रेस

सारण। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर आज समाहरणालय सभागार में पत्रकारिता : लोकलुभावन या जिम्मेदार विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सिटी एसपी और जिला जनसंपर्क पदाधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। संगोष्ठी में पत्रकारिता के बदलते स्वरूप पर चर्चा हुई। सिटी एसपी राज किशोर सिंह ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है। सूचना के तीव्र प्रवाह के इस दौर में भ्रामक खबरों से बचना तथा तथ्यों की पुष्टि और निष्पक्षता को सर्वोपरि रखना आवश्यक है। उन्होंने प्रशासन और मीडिया के बीच स्वस्थ संवाद पर बल दिया। जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ने कहा कि पत्रकारिता का दायित्व केवल वह दिखाना नहीं है जो लोग देखना चाहते हैं, बल्कि उन जनसमस्याओं को सामने लाना है जिन्हें जानना समाज के लिए जरूरी है। व्यूज और टीआरपी की दौड़ में विश्वसनीयता से समझौता नहीं होना चाहिए। इस दौरान मीडिया प्रतिनिधियों ने कई समसामयिक विषय उठाए, जिसपर सिटी एसपी ने विस्तार से जवाब दिया। संगोष्ठी का मूल संदेश यही रहा कि लोकलुभावन पत्रकारिता क्षणिक लोकप्रियता दिलाती है, परंतु जिम्मेदार पत्रकारिता ही समाज में स्थायी विश्वास और सकारात्मक बदलाव लाती है।

ई-रिक्शा गड्ढे में पलटा, चालक की मौत बाढ़-शहरी-सरमेरा सड़क पर हादसा

नई सोच एक्सप्रेस



▪ अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में तोड़ा दम, दो लोग घायल

पटना।पटना के बाढ़-शहरी-सरमेरा सड़क पर एक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। हादसे में चालक की मौत हो गई, जबकि ई-रिक्शा में सवार दो अन्य लोग घायल हो गए। घटना पुल के पास हुई। मृतक की पहचान सम्यागढ़ थाना क्षेत्र के शोभाठीका गांव निवासी संदीप चौहान (करीब 30 वर्ष) के रूप में हुई है। हादसे में गंभीर रूप से घायल संदीप को इलाज के लिए बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। **नियंत्रण खोने या दूसरे वाहन की टक्कर की आशंका:** ई-रिक्शा कैसे पलटा, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। आशंका जताई जा रही है कि चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया या किसी दूसरे वाहन ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में घायल दो अन्य सवारों को हल्की चोटें आई हैं। उनका इलाज पास के निजी अस्पताल में कराया जा रहा है। **पुलिस ने ई-रिक्शा जब्त किया, पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव:** घटना की सूचना मिलते ही भदौर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ई-रिक्शा को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

छठ पूजा विवाद, पीके ने राज ठाकरे को बताया 'लंपट'

नई सोच एक्सप्रेस



▪ रोहिणी आचार्य के बयान पर किशोरी बोलीं- 'लालू-भालू की लड़की कुछ भी बात कर रही'

पटना।मुंबई में छठ पूजा को लेकर शुरू हुआ राजनीतिक विवाद अब बिहार और महाराष्ट्र की सियासत तक पहुंच गया है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे की छठ पूजा को लेकर की गई टिप्पणी के बाद राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने उनकी तुलना 'बरसाती मेंढक' से की। वहीं, जन सुराज प्रमुख और बांकीपुर विधायक प्रशांत किशोर (पीके) ने इस मुद्दे को लेकर मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'आप लोगों को ऐसे 'लंपट' लोगों को कोई अहमियत या मंच नहीं देना चाहिए।' अब शिवसेना (UBT) नेता और मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर ने रोहिणी आचार्य के बयान पर पलटवार किया है। किशोरी पेडनेकर ने रोहिणी पर निशाना साधते हुए कहा, "लालू-भालू की लड़की कुछ भी बात कर रही है। आ जाओ मुंबई, दिखा देते हैं।" उन्होंने कहा कि अगर रोहिणी को उद्धव ठाकरे या राज ठाकरे से बात करनी है तो उन्हें मुंबई आकर बात करनी चाहिए। **छठ पूजा का कभी विरोध नहीं किया - किशोरी पेडनेकर:** किशोरी पेडनेकर ने स्पष्ट किया कि शिवसेना (UBT) हिंदू त्योहारों के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने कभी छठ पूजा का विरोध नहीं किया। उनकी आपत्ति केवल छठ पूजा के नाम पर होने वाली राजनीति को लेकर है। उन्होंने कहा, 'मुंबई में उत्तर भारतीय समुदाय लंबे समय से छठ पूजा करता आ रहा है और यह शहर के लिए कोई नई परंपरा नहीं है।' **पुराने वार्ड का उदाहरण दिया:** पेडनेकर ने अपने पुराने चुनावी क्षेत्र वार्ड नंबर 199 का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्ष 2017 में यहां बिहार और उत्तर प्रदेश के 900 से अधिक परिवार रहते थे। उनके मुताबिक, उस समय भी धोबी घाट के पास बने तालाबों में छठ पूजा होती थी। पूजा के दौरान रोशनी, संगीत और अन्य व्यवस्थाएं भी की जाती थीं। श्रद्धालु तालाबों के किनारे दीप जलाकर पूजा-अर्चना करते थे। **रोहिणी ने राज ठाकरे को बताया था 'बरसाती मेंढक':** इस विवाद की शुरुआत राज ठाकरे की छठ पूजा को लेकर टिप्पणी के बाद हुई। रोहिणी आचार्य ने राज ठाकरे की तुलना 'बरसाती मेंढक' से करते हुए कहा था कि जैसे मानसून आते ही मेंढक बाहर निकलते हैं, उसी तरह छठ पर्व नजदीक आते ही राज ठाकरे बयानबाजी शुरू कर देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज ठाकरे मीडिया की सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह के बयान देते हैं। रोहिणी ने कहा था कि महाराष्ट्र भी भारत का हिस्सा है और देश के किसी भी नागरिक को अपनी आस्था के अनुसार किसी भी राज्य में पर्व मनाने, रहने और चुनाव लड़ने का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने छठ को लेकर की गई टिप्पणी को बिहारवासियों की धार्मिक भावनाओं से जोड़ते हुए राज ठाकरे पर निशाना साधा था। **प्रशांत किशोर ने राज ठाकरे को बताया 'लंपट':** MNS प्रमुख राज ठाकरे के X पोस्ट कर मुंबई के रेलवे स्टेशनों में बजाए जा रहे छठ और भोजपुरी गानों को 'महाराष्ट्र की संस्कृति पर हमला बताया था। साथ ही रेलवे स्टेशनों पर बज रहे भोजपुरी गाने बंद करवा दिया था। इस पर जन सुराज चीफ और बांकीपुर विधायक प्रशांत किशोर ने राज ठाकरे को खूब खरी-खरी सुनाई। प्रशांत किशोर ने मीडिया से कहा, "जब कोई उन पर ध्यान नहीं देता, तो वे UP और बिहार के लोगों के बारे में कुछ टिप्पणी करके मीडिया में जगह बना लेते हैं। आप लोगों को ऐसे 'लंपट' लोगों को कोई अहमियत या मंच नहीं देना चाहिए।

2027 की जंग से पहले विपक्ष में सीटों का संग्राम

कांग्रेस की 181 सीटों की मांग और सपा की जीत की शर्त के बीच भरोसे की परीक्षा, गठबंधन की एकजुटता पर टिकी भाजपा को चुनौती



आरती कुमारी

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की राजनीतिक बिसात अभी पूरी तरह बिछी भी नहीं है, लेकिन विपक्षी गठबंधन के भीतर सीटों को लेकर सियासी खींचतान शुरू हो गई है। भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से बेदखल करने की रणनीति बनाने के बजाय विपक्षी दलों के बीच इस बात पर बहस तेज हो गई है कि गठबंधन में किसकी राजनीतिक हैसियत कितनी है और किसे कितनी सीटें मिलनी चाहिए। कांग्रेस ने प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से 181 सीटों पर अपना दावा ठोककर समाजवादी पार्टी के सामने बड़ी चुनौती पेश कर दी है। वहीं, सपा सांसद राजीव राय ने कांग्रेस की इस मांग को अव्यावहारिक बताते हुए साफ कहा है कि चुनाव में सीटों की संख्या नहीं, बल्कि जीतने की क्षमता महत्वपूर्ण होती है। दूसरी ओर, कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने सभी 403 सीटों पर तैयारी करने की बात कहकर गठबंधन की राजनीति में अपनी पार्टी की महत्वाकांक्षा का संकेत दिया है। ऐसे में सवाल उठता है कि भाजपा जैसी मजबूत राजनीतिक ताकत का मुकाबला करने से पहले विपक्षी दल आपसी भरोसे और सीटों के बंटवारे पर सहमति क्यों नहीं बना पा रहे हैं?

दरअसल, कांग्रेस की 181 सीटों की मांग केवल चुनावी हिस्सेदारी का मामला नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने की उसकी महत्वाकांक्षा को भी दर्शाती है। कभी प्रदेश की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाने वाली कांग्रेस पिछले कई चुनावों से लगातार कमजोर होती गई है। रायबरेली और अमेठी जैसे पारंपरिक गढ़ों के अलावा लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, मेरठ और सहारनपुर जैसे शहरों में अपनी राजनीतिक उपस्थिति मजबूत करने की उसकी कोशिश इसी रणनीति का हिस्सा है। पार्टी अब केवल कुछ पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि प्रदेशव्यापी राजनीतिक विस्तार की तैयारी में है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कांग्रेस के पास 181 सीटों पर प्रभावी चुनाव लड़ने के लिए पर्याप्त संगठन, सक्रिय कार्यकर्ता और जीतने योग्य उम्मीदवार मौजूद हैं?

राजनीति में महत्वाकांक्षा जरूरी है, लेकिन महत्वाकांक्षा का आधार भी मजबूत होना चाहिए। केवल सीटों की सूची तैयार कर लेने से चुनावी जमीन तैयार नहीं होती। कांग्रेस को यह स्पष्ट करना होगा कि प्रदेश के कितने जिलों में उसका संगठन सक्रिय है, कितने विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तर तक कार्यकर्ता मौजूद हैं और कितनी सीटों पर उसके पास ऐसे उम्मीदवार हैं, जो मुकाबले को त्रिकोणीय या निर्णायक बना सकते हैं। गांधी परिवार की राजनीतिक पहचान और राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की मौजूदगी अपनी जगह महत्वपूर्ण है, लेकिन विधानसभा चुनाव स्थानीय समीकरणों, उम्मीदवारों की स्वीकार्यता और संगठनात्मक मजबूती के आधार पर लड़े जाते हैं। 181 सीटों का आंकड़ा कांग्रेस की अंतिम मांग है या गठबंधन वार्ता की शुरुआत, यह भी अभी स्पष्ट नहीं है। संभव है कि कांग्रेस अधिक सीटों का दावा कर बातचीत में सम्मानजनक हिस्सेदारी हासिल करना चाहती हो। यह भी संभव है कि वह 2027 के चुनाव को संगठन के पुनर्निर्माण और राजनीतिक विस्तार के अवसर के रूप में देख रही हो। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, आराधना मिश्रा और इमरान मसूद की बैठक इस बात का संकेत है कि पार्टी उत्तर प्रदेश में अपनी रणनीति को लेकर गंभीर है। खरगे ने सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के अधिकारों को प्रमुख मुद्दा बनाने की बात कही है। निश्चित रूप से कांग्रेस इन मुद्दों के सहारे प्रदेश में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करना चाहती है। लेकिन किसी भी राजनीतिक रणनीति की असली परीक्षा उसके परिणामों से होती है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी चुनावी माहौल बनाने में सक्षम हैं, लेकिन चुनाव केवल बड़े नेताओं की सभाओं और नारों से नहीं जीते जाते। इसके लिए बूथ स्तर पर मजबूत संगठन, जनता के बीच निरंतर संवाद और स्वीकार्य उम्मीदवारों की आवश्यकता होती है। दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी का कांग्रेस की मांग पर सवाल उठाना भी पूरी तरह अप्रत्याशित नहीं है। सपा सांसद राजीव राय का तर्क है कि गठबंधन में सीटों का बंटवारा जीतने की संभावना के आधार पर होना चाहिए। यह बात व्यावहारिक नजर आती है, क्योंकि किसी भी गठबंधन का उद्देश्य अधिकतम सीटें जीतकर सत्ता तक पहुंचना होता है। लेकिन सपा को भी यह समझना होगा कि गठबंधन केवल सीटों के गणित से नहीं, बल्कि सहयोगियों के सम्मान और आपसी विश्वास से मजबूत होता है। अखिलेश यादव 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश में विपक्ष के प्रमुख क्षेत्रीय चेहरे के रूप में उभरे हैं। ऐसे में उनकी जिम्मेदारी केवल अपनी पार्टी की सीटें बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने की भी है। नेतृत्व का अर्थ सहयोगियों की राजनीतिक हैसियत को कमतर आंकना नहीं, बल्कि सबकी ताकत को एक साझा लक्ष्य के लिए इस्तेमाल करना है। इमरान मसूद का यह कहना कि कांग्रेस सभी 403 सीटों पर तैयारी कर रही है, राजनीतिक दबाव बनाने की रणनीति भी हो सकती है और संगठन को सक्रिय करने का संदेश भी। उनका यह कहना कि अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री बनने पर कांग्रेस को कोई आपत्ति नहीं है, गठबंधन के लिए दरवाजा खुला रखने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है। हालांकि, यदि कांग्रेस का लक्ष्य साझा रूप से भाजपा को हराना है, तो सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी और 181 सीटों की मांग के बीच संतुलन बनाना होगा। चुनाव लड़ने की तैयारी करना हर राजनीतिक दल का अधिकार है, लेकिन तैयारी को गठबंधन में अधिक हिस्सेदारी का एकमात्र आधार नहीं बनाया जा सकता। पिछले विधानसभा चुनावों के आंकड़े इस बहस को और महत्वपूर्ण बनाते हैं। वर्ष 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 399 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन उसे केवल दो सीटों पर जीत मिली। पार्टी का मत प्रतिशत महज 2.33 रहा। इसके विपरीत समाजवादी पार्टी ने 347 सीटों पर चुनाव लड़कर 111 सीटें हासिल की थीं और उसे 32.06 प्रतिशत वोट मिले थे। इन आंकड़ों के आधार पर सपा का यह तर्क मजबूत दिखाई देता है कि सीटों का बंटवारा राजनीतिक प्रदर्शन और जीत की संभावना के आधार पर होना चाहिए। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने 114 सीटों पर चुनाव लड़कर केवल सात सीटें जीती थीं, जबकि समाजवादी पार्टी ने 311 सीटों पर चुनाव लड़कर 47 सीटें हासिल की थीं। उस चुनाव में भाजपा ने 39.67 प्रतिशत वोट हासिल कर 312 सीटों पर जीत दर्ज की थी। ये आंकड़े बताते हैं कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की संगठनात्मक और चुनावी चुनौतियां कितनी गंभीर रही हैं। हालांकि, पुराने चुनावी परिणामों को भविष्य की राजनीति का अंतिम आधार नहीं माना जा सकता। राजनीतिक परिस्थितियां बदलती हैं और मतदाताओं का रुझान भी समय के साथ बदलता है। कांग्रेस के पक्ष में वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के परिणाम जरूर एक नई उम्मीद लेकर आए हैं। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में समाजवादी पार्टी ने 37 और कांग्रेस ने छह सीटों पर जीत हासिल की थी। सपा को 33.60 प्रतिशत और कांग्रेस को 9.46 प्रतिशत वोट मिले थे। दोनों दलों ने मिलकर भाजपा को 33 सीटों पर रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस परिणाम ने साबित किया कि यदि विपक्षी दल रणनीतिक एकजुटता के साथ चुनाव लड़ें तो भाजपा को चुनौती दी जा सकती है। कांग्रेस इसी प्रदर्शन को अपनी बढ़ती राजनीतिक ताकत के प्रमाण के रूप में पेश कर सकती है। लेकिन लोकसभा चुनाव का मत प्रतिशत विधानसभा चुनाव में उसी अनुपात में सीटों में तब्दील हो जाए, यह जरूरी नहीं है। विधानसभा चुनाव में स्थानीय उम्मीदवार, जातीय समीकरण, क्षेत्रीय मुद्दे और बूथ प्रबंधन निर्णायक भूमिका निभाते हैं। छह लोकसभा सीटों पर जीत को 181 विधानसभा सीटों पर दावे का अधिकारपत्र नहीं माना जा सकता। अखिलेश यादव के सामने भी कम चुनौतियां नहीं हैं। समाजवादी पार्टी की पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक राजनीति उसकी चुनावी रणनीति का महत्वपूर्ण आधार है। कांग्रेस भी सामाजिक न्याय, संविधान और वंचित वर्गों के अधिकारों को अपने राजनीतिक एजेंडे में प्रमुखता दे रही है। ऐसे में दोनों दलों के बीच कई विधानसभा क्षेत्रों में एक ही सामाजिक आधार के मतदाताओं को आकर्षित करने की प्रतिस्पर्धा हो सकती है। यदि टिकट वितरण जातीय समीकरणों, नेताओं की व्यक्तिगत पसंद या राजनीतिक दबाव के आधार पर हुआ, तो गठबंधन के भीतर असंतोष पैदा होना स्वाभाविक है। किसी सीट पर सपा का कार्यकर्ता कांग्रेस उम्मीदवार के लिए और कांग्रेस का कार्यकर्ता सपा उम्मीदवार के लिए कितनी ईमानदारी से काम करेगा, यह भी महत्वपूर्ण सवाल है। गठबंधन की सफलता केवल कागज पर समझौता करने से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की एकजुटता से तय होगी। इस पूरी राजनीतिक कवायद में छोटे सहयोगी दलों की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि सपा और कांग्रेस के बीच 181 सीटों के दावे को लेकर ही लंबी खींचतान चलती रही, तो अन्य सहयोगियों के लिए राजनीतिक जगह सीमित हो जाएगी। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े और विविधतापूर्ण राज्य में क्षेत्रीय तथा सामाजिक प्रभाव रखने वाले छोटे दल भी चुनावी नतीजों को प्रभावित कर सकते हैं। उन्हें सम्मानजनक भागीदारी नहीं मिली तो गठबंधन के भीतर नाराजगी, बगावत और कई सीटों पर दोस्ताना मुकाबले की स्थिति बन सकती है। इसका सीधा लाभ भाजपा को मिलेगा। इसलिए सीटों के बंटवारे के साथ चुनाव प्रचार, संसाधनों और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय की भी स्पष्ट योजना तैयार करनी होगी। विपक्ष की इस खींचतान से भाजपा को स्वाभाविक रूप से राजनीतिक लाभ मिल सकता है। भाजपा के पास सत्ता का लाभ, मजबूत संगठन, व्यापक संसाधन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रूप में स्थापित नेतृत्व का चेहरा है। पार्टी विपक्षी दलों के बीच चल रही खींचतान को इस रूप में पेश कर सकती है कि जो दल आपस में सीटों का बंटवारा नहीं कर पा रहे, वे प्रदेश की सरकार कैसे चलाएंगे? विपक्ष यदि बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की समस्याओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेपर लीक और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने के बजाय अपनी हिस्सेदारी तय करने में उलझा रहेगा, तो जनता के बीच उसका संदेश कमजोर होगा। उत्तर प्रदेश का मतदाता केवल भाजपा विरोध के आधार पर अपना फैसला नहीं करेगा। उसे यह भी देखना होगा कि विपक्ष के पास प्रदेश के विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और कानून-व्यवस्था को लेकर क्या ठोस विकल्प है। सत्ता विरोधी नाराजगी अपने आप जनादेश में नहीं बदलती। इसके लिए जनता के सामने विश्वसनीय नेतृत्व, स्पष्ट नीति और प्रभावी विकल्प प्रस्तुत करना जरूरी है। विपक्ष को यह भी समझना होगा कि चुनावी मुकाबला केवल बड़े नेताओं के भाषणों से नहीं, बल्कि गांवों, कस्बों और शहरों में जनता के बीच मौजूदगी से तय होता है। सीटों के बंटवारे का आधार भी राजनीतिक प्रतिष्ठा के बजाय निष्पक्ष चुनावी आकलन होना चाहिए। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में पिछले चुनावों के परिणाम, 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान मिले मत, उम्मीदवार की स्वीकार्यता, संगठन की सक्रियता, जातीय समीकरण और जीत-हार के अंतर का विश्लेषण किया जाना चाहिए। जहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत है, वहां उसे अवसर मिलना चाहिए और जहां समाजवादी पार्टी की पकड़ मजबूत है, वहां उसका दावा स्वाभाविक है। कमजोर सीटों पर केवल राजनीतिक प्रतिष्ठा बचाने के लिए उम्मीदवार उतारना गठबंधन के हित में नहीं होगा। कांग्रेस को भी यह साबित करना होगा कि उसकी 181 सीटों की मांग केवल राजनीतिक दबाव बनाने का तरीका नहीं, बल्कि संगठन और उम्मीदवारों की वास्तविक तैयारी पर आधारित है। वहीं, समाजवादी पार्टी को भी अपनी बड़ी राजनीतिक स्थिति का इस्तेमाल सहयोगियों पर दबाव बनाने के बजाय गठबंधन को मजबूत करने में करना चाहिए। सम्मान का अर्थ यह नहीं कि हर मांग स्वीकार कर ली जाए, लेकिन बड़ी पार्टी होने का मतलब यह भी नहीं कि सहयोगियों पर अपनी शर्तें थोप दी जाएं।

रिश्तों की मर्यादा भूला इंसान तो मानवता भी हुई शर्मसार

"घरेलू कलह ने लिया खूनी रूप सात जिंदगियां उजाड़कर रिश्तों का ही नहीं इंसानियत का भी हुआ कत्ल"

यह घटना सामान्य नही है।क्योंकि इतने लोगो की हत्या करना गलत है।काउंसलिंग से भी बचाव हो सकता है।

कांतिलाल मांडोत

बेंगलूरु में सामने आया एक दिल दहला देने वाला हत्याकांड केवल अपराध की घटना नहीं, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक मूल्यों के पतन का भयावह उदाहरण है। जिस परिवार में कभी हंसी-खुशी, अपनापन और रिश्तों की गर्माहट रही होगी, उसी परिवार के सात लोगों की हत्या कर दी गई। आरोप है कि एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी सहित उसके मायके के छह अन्य सदस्यों को मौत के घाट उतार दिया। इस घटना ने पूरे समाज को सोचने पर विवश कर दिया है कि आखिर इंसान के भीतर संवेदनाएं इतनी कैसे मर सकती हैं कि वह अपने ही परिवार के लोगों की जान लेने पर उतारू हो जाए। जिस घर में रिश्तों का सम्मान होना चाहिए था, वहां नफरत और हिंसा ने ऐसा रूप धारण कर लिया कि सात जिंदगियां हमेशा के लिए समाप्त हो गईं। पुलिस के अनुसार बेंगलूरु के भाष्यम सर्कल के पास रहने वाले कैब चालक इंदुशेखर की शादी करीब बीस वर्ष पहले सुनीता से हुई थी। वैवाहिक जीवन में सुनीता का अपने मायके के लोगों से नजदीकी संबंध था। उसके भाई शिवकुमार और शंकर भी बहन का साथ देते थे। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। सुनीता का बार-बार मायके चले जाना भी दोनों के बीच तनाव का कारण बनता था। समय के साथ यह पारिवारिक विवाद गहराता गया और आरोप है कि इंदुशेखर के मन में पत्नी तथा उसके मायके के लोगों को रास्ते से हटाने जैसी खतरनाक सोच पैदा हो गई। बताया गया है कि इस भयावह घटनाक्रम में सबसे पहले सुनीता की हत्या की गई। इसके बाद उसकी मां रूपावती, दोनों भाइयों शिवकुमार और शंकर, उनकी पत्नियों नलिनी और दिव्या तथा सात वर्षीय मासूम पुनीत को भी मौत के घाट उतार दिया गया। हत्या के लिए सिलबट्टे का इस्तेमाल किए जाने की बात सामने आई है। आरोप है कि हत्यारे ने शवों को अलग-अलग स्थानों पर फेंककर अपराध के सबूत मिटाने का प्रयास किया। एक सिलबट्टा, पंद्रह दिनों का घटनाक्रम और सात हत्याएं इस पूरे मामले को और भी भयावह बना देती हैं। इस घटना का खुलासा तब हुआ जब नलिनी की मां ने श्रीरामपुरा पुलिस थाने में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जांच शुरू की और इंदुशेखर से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान उसके बयानों में बार-बार बदलाव होने से पुलिस का संदेह गहराता गया। इसके बाद पुलिस ने उसके घर की तलाशी ली और महत्वपूर्ण सुराग जुटाए। जांच में हत्या में इस्तेमाल किया गया सिलबट्टा और शवों को ठिकाने लगाने में प्रयुक्त कार भी बरामद की गई। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। हालांकि पूरे घटनाक्रम और प्रत्येक हत्या की परिस्थितियों का निर्धारण जांच तथा न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर ही होगा। इस हत्याकांड का सबसे दुखद पहलू सात वर्ष के मासूम पुनीत की मौत है। उस बच्चे का क्या दोष था, जिसने अभी जीवन को ठीक से समझना भी शुरू नहीं किया था। उसके सामने भविष्य की लंबी राह थी। बचपन में खेलने, पढ़ने और परिवार के स्नेह में बड़ा होने की उम्र में उसे ऐसी हिंसा का शिकार होना पड़ा। जिस घर में बच्चे को सुरक्षा, संस्कार और प्यार मिलना चाहिए, उसी परिवार में उसका जीवन समाप्त हो गया। यह घटना हर संवेदनशील व्यक्ति के मन में पीड़ा और अनेक सवाल पैदा करती है। परिवार में मतभेद होना कोई असामान्य बात नहीं है। पति-पत्नी के बीच विचारों का अंतर, आर्थिक परेशानियां, पारिवारिक हस्तक्षेप और आपसी अपेक्षाएं कभी-कभी विवाद का कारण बन जाती हैं। लेकिन किसी भी विवाद का समाधान हिंसा या प्रतिशोध नहीं हो सकता। रिश्तों में तनाव पैदा होने पर बातचीत, समझदारी और आपसी सम्मान से रास्ता निकालना आवश्यक है। यदि परिस्थितियां नियंत्रण से बाहर होती दिखाई दें तो परिवार के बुजुर्गों, सामाजिक मध्यस्थों अथवा प्रशिक्षित परामर्शदाताओं की सहायता ली जानी चाहिए। किसी भी व्यक्ति को यह अधिकार नहीं है कि वह अपने गुस्से और अहंकार की सजा दूसरे लोगों को दे। आज समाज में पारिवारिक संबंधों के भीतर बढ़ती असहिष्णुता और संवादहीनता पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। छोटी-छोटी बातों पर रिश्ते टूट रहे हैं। आपसी विश्वास की जगह संदेह और समझदारी की जगह अहंकार लेता जा रहा है। कई बार व्यक्ति अपने मन में नाराजगी और कुंठा पालता रहता है, लेकिन समय रहते अपनी परेशानी किसी के सामने व्यक्त नहीं करता। ऐसी परिस्थितियों में मानसिक तनाव बढ़ सकता है और विवाद गंभीर रूप ले सकते हैं। हालांकि किसी भी मानसिक परेशानी को अपराध का बहाना नहीं बनाया जा सकता। हिंसा की जिम्मेदारी हिंसा करने वाले व्यक्ति की ही होती है। समाज में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए परिवार और सामाजिक संस्थाओं को मिलकर सकारात्मक वातावरण तैयार करना होगा। पारिवारिक विवादों के समाधान के लिए परामर्श केंद्रों को अधिक सक्रिय बनाया जाना चाहिए। पुलिस और संबंधित संस्थाओं को घरेलू हिंसा तथा गंभीर धमकियों की शिकायतों को संवेदनशीलता से लेना चाहिए। विशेषज्ञों की सहायता से लोगों में भावनात्मक संतुलन, क्रोध पर नियंत्रण और विवादों का शांतिपूर्ण समाधान करने की समझ विकसित की जानी चाहिए। बच्चों की सुरक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए। भारतीय संस्कृति में परिवार को केवल साथ रहने वाले लोगों का समूह नहीं, बल्कि प्रेम, त्याग, विश्वास और जिम्मेदारी का आधार माना गया है। माता-पिता, भाई-बहन, पति-पत्नी और बच्चों के रिश्ते जीवन को अर्थ देते हैं। लेकिन जब व्यक्ति अपने स्वार्थ, क्रोध और अहंकार को रिश्तों से ऊपर रख देता है, तब परिवार की नींव कमजोर होने लगती है। रिश्तों की गरिमा बनाए रखने के लिए केवल सामाजिक परंपराएं पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं का जीवित रहना भी जरूरी है। बेंगलूरु की यह घटना समाज के सामने एक चेतावनी है। किसी भी पारिवारिक विवाद को इतना न बढ़ने दिया जाए कि वह किसी की जिंदगी के लिए खतरा बन जाए। सात लोगों की मौत ने कई परिवारों की दुनिया उजाड़ दी है। अब कानून अपना काम करेगा और दोषी को न्यायिक प्रक्रिया के अनुसार सजा मिलनी चाहिए। लेकिन समाज के लिए सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि हम ऐसी मानसिकता को पनपने से कैसे रोकें। आखिर रिश्ते जीवन को संवारने के लिए होते हैं, उजाड़ने के लिए नहीं। जिस दिन इंसान रिश्तों का सम्मान करना भूल जाएगा, उस दिन मानवता भी अपनी पहचान खोने लगेगी।

राम मंदिर में फिर लौटेगी अवैतनिक स्वयंसेवकों की टोली



जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर केवल आस्था का केंद्र नहीं है, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं, विश्वास और सनातन संस्कृति की प्रतिष्ठा का प्रतीक है। यहां प्रतिदिन देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर की व्यवस्था, पूजा-पद्धति, सुरक्षा, श्रद्धालुओं की सुविधा और धार्मिक गतिविधियों का संचालन अत्यंत जिम्मेदारी का कार्य है। ऐसे में मंदिर की व्यवस्था से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच के दौरान जिन अवैतनिक स्वयंसेवकों ने अपनी जिम्मेदारियों से दूरी बना ली थी, उनकी अब धीरे-धीरे वापसी शुरू हो गई है। विशेष जांच दल (एसआईटी) की ओर से अदालत में चार्जशीट दाखिल किए जाने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इन स्वयंसेवकों को फिर से जिम्मेदारियां सौंपने की प्रक्रिया तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार, करीब दो से ढाई सौ स्वयंसेवकों की चरणबद्ध तरीके से वापसी हो रही है। इनमें कुछ प्रमुख लोग पहले ही अपनी भूमिका में लौट चुके हैं, जबकि शेष स्वयंसेवकों के दायित्वों और जिम्मेदारियों का निर्धारण किया जा रहा है। हालांकि, इस बार व्यवस्था पहले जैसी स्वच्छंद नहीं होगी। मंदिर परिसर में जिम्मेदारी निभाने वाले प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका, कार्यक्षेत्र और जवाबदेही को अधिक स्पष्ट एवं व्यवस्थित बनाने पर जोर दिया जा रहा है। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद मंदिर की आंतरिक व्यवस्था और उससे जुड़े लोगों की भूमिका पर गंभीर सवाल उठे थे। श्रद्धालुओं की ओर से भगवान रामलला के चरणों में अर्पित की जाने वाली धनराशि और अन्य चढ़ावे का धार्मिक महत्व होने के साथ-साथ भावनात्मक महत्व भी है। भक्त अपनी श्रद्धा, सामर्थ्य और विश्वास के अनुसार मंदिर में दान करते हैं। उनके लिए यह केवल आर्थिक योगदान नहीं, बल्कि प्रभु के प्रति समर्पण का भाव होता है। ऐसे में चढ़ावे से संबंधित किसी भी प्रकार की अनियमितता की आशंका मंदिर प्रशासन के लिए गंभीर विषय बन जाती है। इस प्रकरण की जांच के दौरान मंदिर की व्यवस्था से जुड़े कुछ अवैतनिक स्वयंसेवकों ने अपनी जिम्मेदारियों से किनारा कर लिया था। इससे मंदिर के नियमित कार्यों के संचालन में भी बदलाव की स्थिति पैदा हुई। जांच आगे बढ़ने के साथ ही यह आवश्यकता महसूस की गई कि मंदिर की व्यवस्था को पारदर्शी, अनुशासित और जवाबदेह बनाया जाए। अब एसआईटी की चार्जशीट दाखिल होने के बाद स्वयंसेवकों की वापसी का रास्ता खुला है। ट्रस्ट की ओर से उन्हें फिर से दायित्व सौंपने की प्रक्रिया इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। राम मंदिर की व्यवस्थाओं में अवैतनिक स्वयंसेवकों का योगदान लंबे समय से महत्वपूर्ण रहा है। ये स्वयंसेवक धार्मिक आस्था और सेवा भावना के आधार पर अपनी भूमिका निभाते रहे हैं। मंदिर से जुड़े विभिन्न कार्यों में उनकी सक्रियता रही है। चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच के दौरान इनमें से कई लोगों ने स्वयं को जिम्मेदारियों से अलग कर लिया था। अब करीब 250 स्वयंसेवकों की वापसी की प्रक्रिया शुरू होने से मंदिर की पुरानी व्यवस्था के कुछ महत्वपूर्ण हिस्सों को फिर सक्रिय करने की तैयारी है। हालांकि, सभी स्वयंसेवकों को एक साथ पूर्ववत जिम्मेदारियां नहीं दी जा रही हैं। उनकी वापसी चरणबद्ध तरीके से हो रही है। प्रमुख स्वयंसेवकों में से कुछ पहले ही लौट चुके हैं। अन्य लोगों की भूमिका, अनुभव और कार्यक्षेत्र को ध्यान में रखते हुए उनके दायित्व तय किए जा रहे हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि ट्रस्ट केवल पुराने लोगों को वापस बुलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि मंदिर की व्यवस्थाओं को नए सिरे से संतुलित करने की दिशा में भी काम कर रहा है। भारतीय धार्मिक परंपरा में सेवा को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। मंदिरों में स्वयंसेवा का आधार भी यही भावना रही है कि व्यक्ति बिना किसी व्यक्तिगत लाभ की अपेक्षा के धार्मिक और सामाजिक कार्यों में सहयोग करे। राम मंदिर जैसे विशाल धार्मिक परिसर में स्वयंसेवकों की भूमिका विशेष महत्व रखती है। लेकिन सेवा भावना के साथ अनुशासन और जवाबदेही का होना भी उतना ही आवश्यक है। किसी भी बड़े धार्मिक संस्थान का संचालन केवल व्यक्तिगत निष्ठा या आपसी विश्वास के आधार पर लंबे समय तक नहीं चल सकता। इसके लिए स्पष्ट नियम, निर्धारित जिम्मेदारियां और पारदर्शी कार्यप्रणाली जरूरी होती है। चढ़ावा चोरी प्रकरण ने यह आवश्यकता और अधिक स्पष्ट कर दी है कि मंदिर की व्यवस्था में शामिल प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका निर्धारित होनी चाहिए। किसे कौन-सा कार्य करना है, किसके पास कितना अधिकार है और किसी गड़बड़ी की स्थिति में जवाबदेही किसकी होगी, इन सभी पहलुओं पर स्पष्टता आवश्यक है। इसीलिए स्वयंसेवकों की वापसी के साथ उनकी जिम्मेदारियों का नए सिरे से निर्धारण महत्वपूर्ण माना जा रहा है। स्वयंसेवकों की वापसी के बावजूद मंदिर में पहले जैसी स्वच्छंद व्यवस्था की संभावना नहीं है। यह इस पूरी प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। ट्रस्ट का उद्देश्य पुराने अनुभव और सेवा भावना का लाभ लेते हुए व्यवस्था को अधिक अनुशासित बनाना है। पहले जिन स्वयंसेवकों को कार्य करने की पर्याप्त स्वतंत्रता थी, अब उनके कार्यों का दायरा और जिम्मेदारी अधिक स्पष्ट हो सकती है। मंदिर के संवेदनशील क्षेत्रों, दान और चढ़ावे से संबंधित कार्यों तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं के संचालन में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन आवश्यक होगा। किसी भी व्यक्ति को केवल पुराने संबंध, अनुभव या प्रभाव के आधार पर अतिरिक्त अधिकार मिलना उचित नहीं होगा। मंदिर प्रशासन की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें व्यक्ति से अधिक महत्व नियमों और संस्थागत अनुशासन को मिले। यह बदलाव किसी की सेवा भावना को कमतर आंकने के लिए नहीं, बल्कि उस सेवा को अधिक विश्वसनीय बनाने के लिए जरूरी है। राम मंदिर की प्रतिष्ठा और श्रद्धालुओं के विश्वास की रक्षा के लिए यह संतुलन अनिवार्य है। किसी भी मंदिर की वास्तविक शक्ति उसकी भव्य इमारत, स्थापत्य कला या आर्थिक संसाधन मात्र नहीं होते। उसकी सबसे बड़ी पूंजी श्रद्धालुओं का विश्वास होता है। राम मंदिर के संदर्भ में यह विश्वास और भी व्यापक है, क्योंकि अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर करोड़ों भारतीयों की लंबी प्रतीक्षा, संघर्ष और आस्था का परिणाम है। मंदिर में आने वाला श्रद्धालु यह अपेक्षा करता है कि उसके द्वारा अर्पित किया गया चढ़ावा पूरी पवित्रता और पारदर्शिता के साथ मंदिर की व्यवस्था में उपयोग होगा। वह यह भी चाहता है कि दर्शन से लेकर पूजा-अर्चना तक हर स्तर पर अनुशासन और श्रद्धा का वातावरण बना रहे। इसलिए चढ़ावा चोरी जैसे प्रकरण केवल प्रशासनिक या आर्थिक अनियमितता का विषय नहीं होते, बल्कि श्रद्धालुओं के भावनात्मक विश्वास से भी जुड़े होते हैं। ऐसे मामलों में जांच, जवाबदेही और व्यवस्था में सुधार का महत्व बढ़ जाता है। ट्रस्ट के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह स्वयंसेवकों के अनुभव और सहयोग का उपयोग करते हुए श्रद्धालुओं का विश्वास पूरी मजबूती से बनाए रखे। चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच के दौरान एसआईटी की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। जांच पूरी होने के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल किया जाना इस मामले की कानूनी प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण है। इससे जांच के दौरान सामने आए तथ्यों को न्यायिक प्रक्रिया के समक्ष रखने का रास्ता खुलता है। हालांकि, चार्जशीट दाखिल होने का अर्थ यह नहीं है कि न्यायिक प्रक्रिया पूरी हो गई है या किसी व्यक्ति का दोष अंतिम रूप से सिद्ध हो गया है। अदालत में आगे की सुनवाई और न्यायिक निर्णय के बाद ही कानूनी स्थिति स्पष्ट होगी। इसलिए मंदिर प्रशासन को एक ओर कानूनी प्रक्रिया का सम्मान करना होगा, वहीं दूसरी ओर अपनी आंतरिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने होंगे। स्वयंसेवकों की वापसी इसी प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा है। यह भी जरूरी है कि किसी भी व्यक्ति की भूमिका तय करते समय निष्पक्षता और नियमों का पालन किया जाए। जांच से जुड़े तथ्यों और न्यायालय की प्रक्रिया को प्रभावित किए बिना मंदिर का प्रशासनिक कामकाज सुचारु रूप से चलता रहे। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भारतीय सांस्कृतिक इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना है। मंदिर में रामलला के विराजमान होने के बाद से श्रद्धालुओं की संख्या और मंदिर की व्यवस्थाओं का विस्तार लगातार महत्वपूर्ण विषय बना हुआ है। देश के विभिन्न राज्यों के अलावा विदेशों से भी भक्त अयोध्या पहुंच रहे हैं। इतने बड़े धार्मिक केंद्र का संचालन सामान्य मंदिर व्यवस्था से कहीं अधिक व्यापक और चुनौतीपूर्ण है। यहां श्रद्धालुओं की भीड़ का प्रबंधन, सुरक्षा, दर्शन की व्यवस्था, दान-चढ़ावे का हिसाब, धार्मिक अनुष्ठान, स्वच्छता और प्रशासनिक समन्वय जैसे अनेक कार्य एक साथ संचालित होते हैं।



मेष राशिः आज का दिन कामकाज के लिहाज

सिमडेगा विधायक प्रकरण की निष्पक्ष जांच हो, दोषी कोई भी हो बख्शा नहीं जाएगा : बंधु तिर्की

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने सिमडेगा विधायक से जुड़े प्रकरण को गंभीर बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। सोमवार को कांग्रेस भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि मामले में प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है और जांच की प्रक्रिया जारी है। जांच में किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, चाहे वह विधायक हो, पत्रकार हो या कोई अन्य व्यक्ति। बंधु तिर्की ने भाजपा सांसद दीपक प्रकाश पर निशाना साधते हुए



सवाल किया कि बृजभूषण सिंह प्रकरण के दौरान सांसद रहते हुए उनकी आवाज क्यों नहीं उठी? उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा और न्याय के मुद्दे पर भाजपा नेताओं को राजनीतिक सुविधा के अनुसार अलग-अलग रुख नहीं अपनाना चाहिए। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी से भी सवाल किया कि नाबालिग बच्ची उनसे कैसे मिली और यदि उसने अपनी पीड़ा बताई थी तो वे उसे लेकर सीधे थाने क्यों नहीं गए? पुलिस अधिकारियों को इसकी सूचना क्यों नहीं दी गई? बंधु तिर्की ने कहा कि ऐसे संवेदनशील मामले में बच्ची की सुरक्षा और कानूनी प्रक्रिया को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने भाजपा पर जांच पूरी होने से पहले ही धरना-प्रदर्शन और बयानबाजी कर मामले को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की बेटियों और महिलाओं की सुरक्षा कोई चुनावी मुद्दा या वोट बैंक की राजनीति का माध्यम नहीं है, बल्कि यह न्याय, सम्मान और संवैधानिक अधिकारों का सवाल है। भाजपा को राजनीतिक लाभ लेने के बजाय जांच में सहयोग करना चाहिए। निशा भगत प्रकरण का उल्लेख करते हुए तिर्की ने कहा कि सीबीआई जांच से कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि किसी भी मामले में निष्पक्ष जांच और साक्ष्यों के आधार पर ही कार्रवाई होनी चाहिए। पीड़ित की पहचान और निजता का भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। अंत में बंधु तिर्की ने दोहराया कि कांग्रेस किसी भी दोषी को बचाने के पक्ष में नहीं है। सिमडेगा विधायक प्रकरण की निष्पक्ष जांच हो और दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए।

सोनिया गांधी की पुस्तक 'बिलॉन्गिंग' पर प्रेस क्लब में हुआ विशेष पुस्तक पाठ कार्यक्रम

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस, झारखंड के प्रभारी आदित्य विक्रम जायसवाल के नेतृत्व में रविवार को प्रेस क्लब, रांची में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की पुस्तक 'बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव' पर विशेष पुस्तक पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुस्तक के विभिन्न अंशों का पाठ किया गया और सोनिया गांधी के जीवन, संघर्ष, व्यक्तिगत अनुभवों, विचारों तथा राजनीतिक एवं सामाजिक यात्रा पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश उपस्थित रहे। इनके अलावा प्रदेश मीडिया संयोजक लाल किशोर



नाथ शाहदेव, शशि भूषण राय, सोशल मीडिया चेयरमैन गजेंद्र सिंह, सूर्यकांत शुक्ला और जया जायसवाल सहित अन्य लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर अतिथियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर आदित्य विक्रम जायसवाल ने कहा कि सोनिया गांधी की यह पुस्तक उनके जीवन के अनुभवों, त्याग, संघर्ष और प्रेम की कहानी है। इसमें उनके व्यक्तिगत जीवन के साथ देश की राजनीतिक और सामाजिक यात्रा के कई महत्वपूर्ण पहलुओं को भी प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक के माध्यम से उनके जीवन और विचारों को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिलता है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि सोनिया गांधी का जीवन भारतीय लोकतंत्र, सामाजिक एकता और संविधान के मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पुस्तक में उनके जीवन के कई ऐसे पहलुओं का उल्लेख है, जिनसे आम लोग सामान्यतः परिचित नहीं हैं। उनके अनुभव और विचार समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि पुस्तक पाठ जैसे आयोजन समाज में पढ़ने-लिखने की रुचि को बढ़ावा देते हैं। ऐसे कार्यक्रम लोगों को अपने विचार साझा करने और दूसरों के विचारों को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में डॉ. रीमा खलखो, डॉ. सिद्धार्थ, उत्कर्ष मिश्रा, प्रिया थॉमस और एलेन एंड्रयू सहित अन्य लोगों ने पुस्तक के अंशों का पाठ किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता राजू राम, प्रभात अग्रवाल, सरवर पॉल, अनिल सिंह, गौरव आनंद, राहुल रे, आसिफ जियाउल और समुद्र गुप्त सहित कई लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में एसआईआर के तहत फॉर्म-6 के 9.44 लाख आवेदन डिजिटाइज, फॉर्म-7 से 1.31 लाख आपत्तियां दर्ज

रांची। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत दावा एवं आपत्ति अवधि में प्राप्त आवेदनों के डिजिटाइजेशन का काम जारी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की ओर से जारी 16 नवंबर के बुलेटिन के अनुसार, अब तक फॉर्म-6 के माध्यम से कुल 9,44,178 आवेदन डिजिटाइज किए जा चुके हैं। वहीं, फॉर्म-7 के माध्यम से 1,31,672 आवेदन एवं आपत्तियां दर्ज की गई हैं। बुलेटिन के अनुसार, 15 नवंबर को फॉर्म-6 के 1,304 आवेदन डिजिटाइज किए गए। फॉर्म-6ए के तहत अब तक 128 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि 15 नवंबर को इस श्रेणी में कोई नया आवेदन डिजिटाइज नहीं हुआ। दूसरी ओर, फॉर्म-7 के माध्यम से 15 नवंबर को 6,942 आवेदन एवं आपत्तियां डिजिटाइज की गईं। यह एक दिन में दर्ज आवेदनों में सबसे अधिक है। इसी तरह, फॉर्म-8 के माध्यम से अब तक कुल 5,84,451 आवेदन डिजिटाइज किए गए हैं। इनमें 15 नवंबर को 1,104 आवेदन शामिल हैं। निर्वाचन विभाग के अनुसार, झारखंड में अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 30 नवंबर 2026 को किया जाएगा। इसके मद्देनजर दावा एवं आपत्ति अवधि में प्राप्त आवेदनों और आपत्तियों के डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया जारी है।

नाबालिग बेटी को न्याय मिले, आरोपियों को संरक्षण नहीं : सुदेश महतो

» सिमडेगा मामले में सरकार पर साधा निशाना, आरोपी विधायक सहित दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने सिमडेगा की नाबालिग बच्ची से जुड़े कथित दुष्कर्म मामले को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि झारखंड में बेटियों की सुरक्षा चिंता का विषय बन गई है। पॉक्सो एक्ट के तहत कांग्रेस विधायक पर गंभीर आरोप हैं, लेकिन पीड़िता को न्याय दिलाने के बजाय मामले को उजागर करने वाले पत्रकारों को डराने की कोशिश की जा रही है। सुदेश महतो ने कहा कि भारतमित्र चैनल के कार्यालय में बिना सर्च वारंट पुलिस के प्रवेश और साक्ष्य नष्ट करने के प्रयास के आरोप गंभीर हैं। वहीं, पीड़िता को कथित तौर पर आरोपी विधायक के आवास पर ले जाने और परिजनों के माध्यम से दबाव बनाने की शिकायतों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार पीड़िता को न्याय दिलाना चाहती है या प्रभावशाली लोगों को संरक्षण देना चाहती है? उन्होंने राज्य सरकार से पीड़िता की सुरक्षा सुनिश्चित करने, उसका बयान दबावमुक्त वातावरण में दर्ज कराने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। साथ ही आरोपी विधायक सहित दोषी पाए जाने वाले सभी लोगों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने की बात कही। पत्रकारों को डराने और जांच में बाधा डालने के आरोपों की भी स्वतंत्र जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की। आजसू अध्यक्ष ने कहा कि सत्ता किसी को कानून से ऊपर नहीं बनाती। विधायक का पद कार्रवाई से बचने का आधार नहीं हो सकता और पुलिस की वर्दी भी जवाबदेही से बचने का माध्यम नहीं बन सकती। सरकार को सवाल उठाने वाले पत्रकारों को डराने के बजाय पूरे मामले पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक बेटी का सम्मान और उसे न्याय दिलाना किसी सरकार, विधायक या राजनीतिक दल की प्रतिष्ठा से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। आजसू पार्टी पीड़िता को न्याय और दोषियों को सजा मिलने तक अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी।

भूषण बाड़ा पर लगे आरोपों की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच हो : देवशरण भगत

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने सिमडेगा से कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा पर लगे गंभीर आरोपों की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कराने की मांग राज्य सरकार से की है। उन्होंने कहा कि इस संवेदनशील मामले में सरकार और पुलिस प्रशासन को पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्रवाई करनी चाहिए। डॉ. भगत ने कहा कि राज्य सरकार स्पष्ट करे कि मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए अब तक क्या ठोस कदम उठाए गए हैं। क्या झारखंड में आम नागरिक और सत्ता पक्ष के विधायक के लिए कानून के अलग-अलग मापदंड होंगे? उन्होंने कहा कि यह मामला केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य की कानून-व्यवस्था और न्याय व्यवस्था में जनता के विश्वास से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि पीड़िता के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों की गंभीरता से जांच होनी चाहिए। पीड़िता की सुरक्षा, सम्मान और गोपनीयता सुनिश्चित करते हुए पूरे मामले की जांच किसी भी राजनीतिक दबाव या हस्तक्षेप से मुक्त रखी जाए। डॉ. भगत ने कहा कि आरोपों की सत्यता का निर्धारण जांच और न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से होना चाहिए। सरकार की जिम्मेदारी है कि जांच प्रभावित न हो और सच्चाई सामने लाने में अनावश्यक विलंब नहीं किया जाए। उन्होंने राज्य सरकार से मामले का तत्काल संज्ञान लेकर निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जनता को भरोसा होना चाहिए कि झारखंड में कानून सर्वोपरि है और कानून से ऊपर कोई नहीं है।

जनजातीय गौरव दिवस के नाम पर भाजपा कर रही राजनीतिक पाखंड : विजय शंकर नायक

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने जनजातीय गौरव दिवस के नाम पर भाजपा पर राजनीतिक पाखंड करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि एक ओर भाजपा नेता भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर आदिवासी गौरव की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर जल, जंगल और जमीन पर आदिवासियों के अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। बिना जल, जंगल और जमीन की रक्षा किए जनजातीय गौरव सुरक्षित नहीं रह सकता। नायक ने कहा कि केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2014-15 से 2023-24 के बीच देश में 1.73 लाख हेक्टेयर से अधिक वनभूमि गैर-वन उपयोग के लिए स्वीकृत की गई। इसमें करीब 40 हजार हेक्टेयर जमीन खनन परियोजनाओं के लिए मंजूर हुई। वहीं, वर्ष 2020-21 से 2024-25 के दौरान झारखंड में 4,845 हेक्टेयर से अधिक वनभूमि गैर-वन उपयोग के लिए स्वीकृत की गई। उन्होंने कहा कि कोयला मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 के अनुसार देश की 113 नीलाम कोयला खदानों में 31 झारखंड की



हैं। इनसे राज्य सरकार को सालाना 6,190 करोड़ रुपये से अधिक अनुमानित राजस्व मिलने की संभावना जताई गई है। इन खदानों से करीब 60 हजार प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार की भी संभावना बताई गई है। हालांकि, ये अनुमानित आंकड़े हैं, वास्तविक राजस्व और रोजगार के आंकड़े नहीं। कांग्रेस प्रवक्ता ने सवाल उठाया कि जब झारखंड की धरती से हजारों करोड़ रुपये की खनिज संपदा निकलने की संभावना है, तो खनन प्रभावित आदिवासी गांवों में गरीबी, प्रदूषण, पेयजल और बेरोजगारी की समस्या क्यों बनी हुई है? खनिज कंपनियों और सरकार को लाभ मिल रहा है, लेकिन आदिवासियों को उनके अधिकार और उचित हिस्सेदारी कब मिलेगी? नायक ने कहा कि पर्यावरण मंत्रालय ने दिसंबर 2024 में राज्यसभा में स्वीकार किया था कि खनन के दौरान काटे गए पेड़ों और उनके बदले लगाए गए पौधों की संख्या का केंद्रीय स्तर पर रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। यह स्थिति वन संरक्षण को लेकर सरकार की गंभीरता पर सवाल खड़े करती है। उन्होंने भाजपा से पूछा कि खनन परियोजनाओं के कारण कितने आदिवासी परिवार विस्थापित हुए, कितनी ग्रामसभाओं की सहमति ली गई और कितने प्रभावित परिवारों को जमीन के बदले जमीन तथा रोजगार उपलब्ध कराया गया? कंपनियों से सरकार को वास्तविक रूप से कितना राजस्व और रॉयल्टी प्राप्त हुई, इसका भी जवाब दिया जाना चाहिए। विजय शंकर नायक ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए उलगुलान किया था। उनके संघर्ष को चुनावी पोस्टर और सरकारी समारोह तक सीमित नहीं किया जा सकता। आदिवासी गौरव की वास्तविक रक्षा के लिए जल, जंगल, जमीन, ग्रामसभा के अधिकारों के साथ पेसा और सीएनटी-एसपीटी कानूनों का प्रभावी संरक्षण जरूरी है। भाजपा बताए कि आदिवासियों को वास्तविक गौरव मिला है या उनकी जमीन, जंगल और प्राकृतिक संसाधनों पर संकट और गहरा हुआ है?

भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेने की जरूरत : केशव महतो कमलेश

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड स्थापना दिवस एवं अमर शहीद भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस की ओर से राज्यवासियों को शुभकामनाएं दी गईं। इस मौके पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने रांची स्थित भगवान बिरसा मुंडा के समाधि स्थल पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर केशव महतो कमलेश ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए आजीवन संघर्ष किया। अंग्रेजों के शोषण, अत्याचार और दमन के खिलाफ उन्होंने अदम्य साहस के साथ लड़ाई लड़ी और गुरिल्ला युद्ध के जरिए ब्रिटिश हुकूमत को चुनौती दी। कम उम्र में देश की आजादी और आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए उनका योगदान सदैव प्रेरणादायक रहेगा। उन्होंने कहा कि झारखंड की वन एवं खनिज संपदा पर



यहां के लोगों का अधिकार और उनके लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित होने चाहिए। भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष और विचारों की प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है। उन्होंने सीएनटी-एसपीटी एक्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि आदिवासियों की जमीन और अधिकारों की रक्षा का उनका संघर्ष आज भी मार्गदर्शक है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि समाज और राज्य के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले महापुरुषों की जयंती और पुण्यतिथि मनाना उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देने का माध्यम है। भगवान बिरसा मुंडा को यहां के लोगों ने भगवान की उपाधि दी है। यह गौरव की बात है कि उनकी जयंती के दिन ही अलग झारखंड राज्य का गठन हुआ। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के विचार और उनके संघर्ष आज भी प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस के महासचिव सूर्यकांत शुक्ला, ज्योति सिंह मथारू, आदित्य विक्रम जायसवाल, राजू राम, अनिल, गौरव सहित कई कांग्रेस नेता उपस्थित थे।

भूषण बाड़ा को बचाने में जुटी सरकार, मीडिया की आवाज दबाने के लिए पुलिस का दुरुपयोग : दीपक प्रकाश

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने सिमडेगा के कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा पर नाबालिग के साथ दुष्कर्म एवं यौन शोषण के आरोपों को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आरोपी विधायक को बचाने और मामले को उजागर करने वाले मीडिया संस्थानों की आवाज दबाने के लिए पुलिस प्रशासन का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने हरमू स्थित एक न्यूज चैनल के कार्यालय में पुलिस की कार्रवाई को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में दीपक प्रकाश ने कहा कि 13 नवंबर को सिमडेगा की 14 वर्षीय आदिवासी नाबालिग ने विधायक भूषण बाड़ा के खिलाफ दुष्कर्म एवं यौन शोषण का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि पीड़िता का



न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष बयान दर्ज होने के बाद सरकार और कांग्रेस में बेचैनी है। मामले को मीडिया द्वारा प्रमुखता से उठाए जाने के बाद पुलिस के माध्यम से पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। दीपक प्रकाश ने आरोप लगाया कि रांची और सिमडेगा पुलिस ने रात के समय सादे कपड़ों में बिना सर्च वारंट न्यूज चैनल के कार्यालय में प्रवेश किया और तलाशी के नाम पर भय का माहौल बनाया। उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने वहां से कीमती उपकरण भी जब्त किए, लेकिन उनकी विधिवत सूची नहीं बनाई गई। घटना की जानकारी मिलने पर उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। इसके बाद वह मौके पर पहुंचकर धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। यदि पत्रकार किसी गंभीर मामले को उजागर नहीं करेंगे तो आखिर कौन करेगा? सरकार की ऐसी कार्रवाई अलोकतांत्रिक है और इसकी तुलना 1975 के आपातकाल से की जा सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले से जुड़े साक्ष्यों को मिटाने और मीडिया की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा नेता ने विधायक भूषण बाड़ा के चुनावी हलफनामों का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2019 और 2024 के हलफनामों में उनके खिलाफ यौन शोषण से जुड़े मामलों का उल्लेख है। इसके बावजूद कांग्रेस ने उन्हें दोनों चुनावों में टिकट क्यों दिया? उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस नेतृत्व से सवाल किया कि मौजूदा आरोपों पर पार्टी अब तक कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि क्या राहुल गांधी की 'मोहब्बत की दुकान' में यौन शोषण को भी जगह मिली है? दीपक प्रकाश ने सिमडेगा के पुलिस अधीक्षक और उपायुक्त पर भी विधायक को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक हो गई है और सरकार अपने विधायक को बचाने में जुटी है। उन्होंने पूर्व में पत्रकारों पर कथित हमलों, धमकियों और मुकदमों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार नहीं चाहती कि मीडिया उसके खिलाफ उठने वाली आवाज को बुलंद करे। उन्होंने सरकार से पत्रकारों के खिलाफ कार्रवाई बंद करने और पूरे मामले में निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही आरोपी विधायक की जल्द गिरफ्तारी की मांग करते हुए चेतावनी दी कि ऐसा नहीं होने पर भाजपा सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के हर अलोकतांत्रिक कदम का विरोध करेगी। प्रेसवार्ता में प्रदेश मंत्री अमरदीप यादव एवं मीडिया सह-प्रभारी नीरज सिंह उपस्थित थे।

26 नवंबर को प्रदेश कांग्रेस निकालेगी विशाल संविधान रक्षा मार्च



नई सोच एक्सप्रेस

रांची।संविधान दिवस के अवसर पर आगामी 26 नवंबर को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से राजधानी रांची में विशाल संविधान रक्षा मार्च निकाला जाएगा। इसका निर्णय सोमवार को कांग्रेस भवन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की उपस्थिति में आयोजित 'वोट बचाओ, देश बचाओ' निगरानी समिति की बैठक में लिया गया। बैठक में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने और नए मतदाताओं को सूची में शामिल करने सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि राज्य के सभी जिलों में 18 नवंबर से चौपाल कार्यक्रम को फिर से गति दी जाएगी। चौपाल के माध्यम से ऐसे कम से कम 10 लोगों की पहचान कर उनकी समस्याएं उठाई जाएंगी, जो जीवित हैं और वर्ष 2003 से लगातार मतदान करते आ रहे हैं, लेकिन उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है। इसके अलावा, नए मतदाताओं को सूची में शामिल करने के लिए भी विशेष अभियान चलाया जाएगा। अक्टूबर 2026 में 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं से फॉर्म-6 भरवाकर उन्हें मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। बैठक में निगरानी समिति के संयोजक अनादि ब्रह्म, लाल किशोर नाथ सहदेव, डॉ. एम. तौसीफ, आहार पप्पू एवं जितेंद्र द्विवेदी उपस्थित थे। यह जानकारी डॉ. एम. तौसीफ ने दी।

स्वच्छता की दौड़ से शुरू हुआ झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा, 28 नवंबर को खेलगांव में होगा भव्य समापन

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड स्थापना दिवस और राज्य सरकार की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर राज्यभर में 15 दिवसीय विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसकी शुरुआत 15 नवंबर को सभी जिलों में 'रन फॉर क्लीनलिनेस' (स्वच्छता के लिए दौड़) के साथ हुई। वहीं, 28 नवंबर को रांची के खेलगांव में भव्य समारोह के साथ पखवाड़े का समापन होगा। इस दौरान 28 नवंबर तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में स्वच्छता अभियान, खेलकूद प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, रचनात्मक गतिविधियां और जनभागीदारी से जुड़े आयोजन होंगे। साथ ही विकास योजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण भी किया जाएगा। स्थापना दिवस पखवाड़े के तहत 17 से 25 नवंबर तक पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ नाटक, नृत्य-संगीत और निबंध लेखन जैसी गतिविधियां आयोजित होंगी। जिला स्तर पर चयनित प्रतिभागियों को 26 और 27 नवंबर को रांची के खेलगांव में राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा। विजेताओं को 28 नवंबर को मुख्य समारोह में सम्मानित किया जाएगा। वहीं, 26 से 28 नवंबर तक खेलगांव में मेला-सह-प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसमें विभिन्न विभागों के स्टॉल के माध्यम से सरकारी योजनाओं और जनोपयोगी सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। राज्य के सभी जिलों के एक-एक स्टॉल पर स्थानीय उत्पादों, पर्यटन स्थलों और आर्थिक गतिविधियों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा नवाचार और रचनात्मक पहलों पर आधारित विशेष स्टॉल भी लगाए जाएंगे। राज्य सरकार की दूसरी वर्षगांठ पर 28 नवंबर को आयोजित मुख्य समारोह में विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और शुभारंभ होगा। इस अवसर पर योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया जाएगा। पंचायत से लेकर राज्य स्तर तक उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को भी सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत 26 से 28 नवंबर तक प्रतिदिन सांस्कृतिक संध्या आयोजित होगी। इसमें झारखंड की समृद्ध लोककला, संस्कृति, परंपरा और सांस्कृतिक विविधता की झलक देखने को मिलेगी। सरकार का उद्देश्य इन आयोजनों के माध्यम से जनभागीदारी बढ़ाने, स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और विकास योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने के साथ राज्य की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करना है।

पूर्व विधायक निर्भय शाहाबादी की पत्नी का जन्मदिन को सेवा ओर स्मृति दिवस के रूप में मनाया

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह। रिश्ते जब दिल में बस जाते हैं, तो बिछड़ने के बाद भी उनकी यादें कभी धुंधली नहीं होतीं। कुछ यादें ऐसी होती हैं, जिन्हें शब्दों से नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण व मानवता के कार्यों से जीवंत रखा जाता है। ऐसा ही भावुक व प्रेरणादायक दृश्य सोमवार को गिरिडीह में देखने को मिला। पूर्व विधायक निर्भय कुमार शाहाबादी ने अपनी दिवंगत धर्मपत्नी स्व. प्रभा शाहाबादी के जन्मदिवस के अवसर पर सपरिवार स्नेहदीप वृद्धाश्रम पहुंचकर वहां रह रहे बुजुर्गों के बीच कंबल व मिठाइयों का वितरण किया। उन्होंने अपनी धर्मपत्नी की स्मृतियों को नमन करते हुए इस विशेष दिन को सेवा, परोपकार व मानवीय संवेदना के नाम समर्पित किया। इस दौरान वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों के बीच खुशियां बांटी



गईं। बुजुर्गों का स्नेह व आशीर्वाद प्राप्त कर निर्भय कुमार शाहाबादी व उनका परिवार भावुक नजर आया। इस अवसर पर स्व. प्रभा को याद करते हुए भावनात्मक संदेश दिया कि वे भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी यादें व उनसे जुड़ा प्रेम सदैव हृदय में जीवित रहेगा। उनके जन्मदिवस को जरूरतमंदों की सेवा व बुजुर्गों के चेहरे पर मुस्कान लाकर मनाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। एक ओर अपनों की यादों का भावुक एहसास, तो दूसरी ओर बुजुर्गों के चेहरे पर मुस्कान लाने की पहल। वास्तव में, किसी की स्मृतियों को मानवता की सेवा से जोड़ देना ही प्रेम, संवेदना व संस्कारों की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति है। स्व. प्रभा शाहाबादी की स्मृतियों को शत-शत नमन व विनम्र श्रद्धांजलि।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग से कथित यौन शोषण मामले की निष्पक्ष जांच हो, दोषियों को मिले सख्त सजा : विनोद पांडेय

झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा प्रकरण को लेकर भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नाबालिग बच्ची से जुड़े कथित यौन शोषण का मामला बेहद गंभीर है। सरकार पूरे मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कराए और दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। किसी भी व्यक्ति को पद, राजनीतिक प्रभाव या पार्टी के आधार पर संरक्षण नहीं मिलना चाहिए। पीड़िता को न्याय दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। जांच एजेंसियां तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर मामले की तह तक पहुंचें। पुलिस की ओर से न्यूज चैनल के कार्यालय में की गई कार्रवाई पर उठे सवालों को लेकर उन्होंने कहा कि यदि प्रक्रिया में कोई अनियमितता हुई है तो उसकी भी जांच होनी चाहिए। पुलिस को कानून के दायरे में रहकर काम करना चाहिए और मीडिया की स्वतंत्रता का सम्मान होना चाहिए। पांडेय ने कहा कि यदि इस प्रकरण में कोई साजिश हुई है या राजनीतिक लाभ के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है तो इसके पीछे शामिल लोगों को भी बेनकाब किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मामले को राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित करने के बजाय निष्पक्ष जांच और कानूनसम्मत कार्रवाई होनी चाहिए। दोषी चाहे कोई भी हो, उसे सख्त सजा मिलनी चाहिए।

अवैध संबंध में पत्नी व प्रेमी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

लोहरदगा। लोहरदगा जिला के भंडरा में अवैध संबंध में एक महिला पूजा लहेरी व उसके प्रेमी रोहित कुमार की हत्या का मामला प्रकाश में आया है। स्थानीय लोगों के अनुसार महिला के पति सोनू लहेरी ने टांगी से काट कर घटना को अंजाम दिया। घटना रविवार देर रात की है। महिला के दो बच्चे हैं। हत्यारे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। महिला के पति सोनू के अनुसार उसकी पत्नी का प्रेमी बिहार का बाढ़ जिला का रहने वाला था। उसका नाम रोहित कुमार है। दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देख कर अपने घर में ही टांगी से काट कर हत्या कर दी। सोनू के दो बेटे हैं। घटनास्थल पर पुलिस पहुंच कर फॉरेंसिक टीम को बुलायी। मामले की जांच पड़ताल में पुलिस लगी हुई है। अवैध संबंध में हुई इस घटना की चर्चा क्षेत्र में हो रही है। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

छठ महापर्व शांतिपूर्ण संपन्न होने पर डीसी कंचन सिंह ने जताया

सिमडेगा। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित व सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर डीसी कंचन सिंह ने जिले के सभी पदाधिकारियों, पुलिस प्रशासन, जनप्रतिनिधियों व आम नागरिकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। इस संबंध में जारी संदेश में डीसी ने कहा कि छठ महापर्व के दौरान सभी ने पूरी निष्ठा, समर्पण व जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। उन्होंने कहा कि वरीय पदाधिकारियों, प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों, नगर परिषद कर्मियों, शांति समिति के सदस्यों व जिले के बुद्धिजीवी व जागरूक नागरिकों के आपसी सहयोग, समन्वय व सकारात्मक सहभागिता से पर्व का आयोजन शांतिपूर्ण व सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। डीसी ने विशेष रूप से छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं के प्रति भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं ने प्रशासन का सहयोग करते हुए पर्व की गरिमा, पवित्रता व अनुशासन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ओड़गा से 15 वर्षीय बालक मंगुल महतो लापता, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

» परिजनों ने ओड़गा ओपी में दी लिखित सूचना

जलडेगा। सिमडेगा जिले के जलडेगा थाना क्षेत्र अंतर्गत ओड़गा चीकटोली गांव से 15 वर्षीय बालक मंगुल महतो के लापता होने का मामला सामने आया है। वह वीरबल महतो का पुत्र है। परिजनों के अनुसार, मंगुल महतो शाम करीब 5:30 बजे ओड़गा रेलवे स्टेशन घूमने की बात कहकर घर से निकला था। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटा। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने आसपास के इलाकों व रिश्तेदारों के यहां उसकी खोजबीन की, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। बालक के अचानक लापता होने से माता-पिता सहित परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के लोग किसी अनहोनी की आशंका से चिंतित हैं। घटना की सूचना परिजनों द्वारा ओड़गा ओपी में लिखित रूप से दे दी गई है। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से बालक की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है।

आम लोगों से सहयोग की अपील:परिजनों ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को मंगुल महतो के संबंध में कोई जानकारी मिले या वह कहीं दिखाई दे, तो तत्काल मोबाइल नंबर 8252217451, 6201037860 पर सूचना दें, ताकि बालक को सकुशल घर वापस लाया जा सके।

अंबाझारन ग्राम में आदिवासी जतरा महोत्सव हुई आयोजित



लातेहार। सदर प्रखंड क्षेत्र के अंबाझारण ग्राम में सात पड़हा के तत्वावधान में आदिवासी जतरा मेला महोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप कुमार गुप्ता व आजसू पार्टी के जिलाध्यक्ष अमित कुमार पांडेय मौजूद रहे। आयोजन समिति ने मुख्य अतिथियों को पारंपरिक तरीके से अंगवस्त्र भेंट करते हुये उनका स्वागत किया गया। इस मौके पर एसडीपीओ संदीप कुमार गुप्ता ने कहा कि आदिवासी समाज के संस्कृति, समृद्धी, भाषा, परंपरा व रीति-रिवाज अमूल्य धरोहर हैं। इन्हें संरक्षित रखने व आने वाले पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सबों का जिम्मेदारी है ऐसे आयोजन से ही सामाजिक एकता व सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा मिलता है। सीडीपीओ ने मांदर बजा करके जतरा मेला का शुभारंभ किया आयोजित महोत्सव में पारंपरिक आदिवासी नृत्य, संगीत व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोह लिया। इस दौरान पूरे गांव में उत्सव व उल्लास का माहौल बना हुआ था मेला में विभिन्न सांस्कृतिक टोलियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया बेहतर प्रदर्शन करने वाले टोलियों को सम्मानित भी किया गया।

हजारीबाग प्रेस क्लब में राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर गोष्ठी आयोजित, वरिष्ठ पत्रकारों ने पत्रकारिता की चुनौतियों, जिम्मेदारियों और पत्रकार एकता पर रखे विचार

नई सोच एक्सप्रेस



हजारीबाग। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर हजारीबाग प्रेस क्लब में गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हजारीबाग प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुरारी सिंह ने किया। गोष्ठी में प्रेस क्लब के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे। इस दौरान पत्रकारिता की निष्पक्षता, विश्वसनीयता, तथ्य जांच, पत्रकारों की एकजुटता और वर्तमान समय में मीडिया के सामने आ रही चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रेस क्लब के सचिव दीपक सिंह ने कहा कि पत्रकार का काम हमेशा निष्पक्ष होकर समाज के सामने सच्चाई रखना है। पत्रकारों को आगे भी अपनी इस जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों हजारीबाग में कुछ ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनसे पत्रकारिता की छवि पर सवाल उठ सकते हैं। ऐसे में सभी पत्रकारों को अपनी छवि और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। वहीं, प्रेस क्लब के पूर्व सचिव विस्मय अलंकार ने कहा कि पत्रकारिता समाज के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी है। किसी भी खबर को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले उसके तथ्यों की पूरी तरह जांच करना आवश्यक है। बिना तथ्यों की पुष्टि किए खबर चलाना उचित नहीं है। पत्रकार को अपने काम में पूरी निष्पक्षता और जिम्मेदारी बनाए रखनी चाहिए। वरिष्ठ पत्रकार अभय सिन्हा ने पत्रकारों के साथ हाल के दिनों में हुई कथित दुर्व्यवहार की घटनाओं पर चिंता जताई और इसका विरोध करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की एकता और सामूहिक ताकत धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही है। इसे बनाए रखने की जिम्मेदारी स्वयं पत्रकारों की है। एकजुटता ही पत्रकारों की सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए हजारीबाग प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष सीतेश तिवारी ने भी अपने विचार रखे और पत्रकारिता से जुड़ी जिम्मेदारियों तथा वर्तमान परिस्थितियों पर चर्चा की। कहा कि पत्रकारिता कभी व्यवसाय नहीं बन सकता। वहीं, पत्रकार फैज अनवर ने डिजिटल, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के बीच बढ़ते अंतर तथा खबरों को सबसे पहले प्रसारित करने की होड़ पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कई बार ब्रेकिंग न्यूज देने की जल्दबाजी में तथ्य जांच प्रभावित होती है। पत्रकारों को चाहिए कि खबर थोड़ी देर से ही सही, लेकिन पूरी तरह तथ्यों की पुष्टि करने के बाद ही प्रकाशित या प्रसारित करें। उन्होंने प्रेस क्लब के अध्यक्ष और पदाधिकारियों से समय-समय पर सेमिनार एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया, ताकि वरिष्ठ पत्रकारों के लंबे अनुभव और ज्ञान का लाभ नई पीढ़ी के पत्रकारों को मिल सके। गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुरारी सिंह ने कहा कि पत्रकारिता की एकता और गरिमा को बनाए रखना सभी पत्रकारों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने भविष्य में भी इस तरह के सेमिनार और गोष्ठियों के आयोजन का प्रयास करने की बात कही। उन्होंने प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया का उदाहरण देते हुए बताया कि पत्रकारिता से जुड़े मामलों में संबंधित अधिकारी या अन्य पक्ष अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसी तरह पत्रकारों के साथ अन्याय या दुर्व्यवहार होने पर पत्रकार भी अपनी शिकायत प्रेस काउंसिल में रख सकते हैं। प्रेस काउंसिल दोनों पक्षों से सवाल करने के लिए अधिकृत है। कार्यक्रम के समापन पर अध्यक्ष मुरारी सिंह को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान सचिव दीपक सिंह, अनिल कुमार राम, प्रदीप कुमार सिन्हा एवं विस्मय अलंकार ने भी उन्हें गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। वहीं, सितेश तिवारी की ओर से पौधा और कलम भेंट कर अध्यक्ष का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष सागर कुमार पांडेय, प्रदीप सिन्हा, अनिल कुमार राम, फैज अनवर, अनुज सिन्हा, रवि कुमार सिंह, अनुज सिंहा, शशांक शेखर सिंह, रवि शर्मा, आशीष कुमार यादव, रुपांशु चौधरी, पुरुषोत्तम उपाध्याय, संजय लाल विस्कर्मा, रूपेश कुमार, उमेश कुमार चौबे सहित अन्य पत्रकार उपस्थित रहे।

छठ महापर्व आस्था, तपस्या, पवित्रता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम प्रतीक है : महंत राजू नाथ चंदेल

नई सोच एक्सप्रेस



नई दिल्ली।भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं महंत गुरुजी राजू नाथ चंदेल ने लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर संपूर्ण देशवासियों, विशेषकर छठ व्रत करने वाले सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई एवं मंगलमय शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर महंत राजू नाथ चंदेल ने कहा कि छठ महापर्व भारतीय सनातन संस्कृति की आध्यात्मिक चेतना, अटूट श्रद्धा, कठिन तपस्या, अनुशासन और पवित्रता का अद्भुत संगम है। यह पर्व हमें भगवान सूर्यदेव और छठी मैया के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करने के साथ-साथ प्रकृति, जल और पर्यावरण के संरक्षण का भी संदेश देता है। उन्होंने कहा कि छठ पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास, त्याग और समर्पण का महापर्व है। इस पर्व में व्रती माताओं और बहनों की कठिन तपस्या, उनका संयम तथा परिवार और समाज के कल्याण के प्रति उनकी मंगलभावना भारतीय संस्कृति की महानता को दर्शाती है। महंत राजू नाथ चंदेल ने छठी मैया के श्रीचरणों में प्रार्थना करते हुए कहा कि छठी मैया अपनी असीम कृपा संपूर्ण भारतवर्ष पर सदैव बनाए रखें। देश के प्रत्येक नागरिक के जीवन में सुख, शांति, स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशहाली का संचार हो। हमारे देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव मजबूत हो तथा भारत निरंतर विकास और प्रगति के नए शिखरों को छूता रहे। उन्होंने आगे कहा कि भगवान सूर्यदेव की दिव्य ऊर्जा से प्रत्येक व्यक्ति का जीवन प्रकाशमय हो और देश से गरीबी, निराशा, भेदभाव तथा सामाजिक बुराइयों का अंधकार समाप्त हो। हर परिवार में प्रेम, सद्भाव और समृद्धि का वातावरण बने तथा देश का प्रत्येक नागरिक राष्ट्र निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाए। अंत में महंत गुरुजी राजू नाथ चंदेल ने सभी छठ व्रतियों के निर्जला व्रत, पूजा-अर्चना और कठिन साधना की सफलता की कामना करते हुए कहा कि छठी मैया सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करें और प्रत्येक परिवार को सुख-समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य का आशीर्वाद प्रदान करें।

डीसी व एसपी ने परिवार संग में भगवान भास्कर को दी अर्घ्य

नई सोच एक्सप्रेस



लातेहार। जिला मुख्यालय समेत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही लोक आस्था के महापर्व छठ शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। एसपी कुमार गौरव शहर के मुख्य घाट चाणक्य नगरी स्थित औरंगा नदी घाट में व डीसी संदीप कुमार ने पंपू कल स्थित छठ घाट में परिजनों के साथ में भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया व अपने सुख व शांति के लिये कामना की। इसके अलावा शहरी क्षेत्र में विशुनपुर, कीनामाड़, बाबानगरी, रेलवे स्टेशन, बानपुर व करकट आदि छठ घाटों में भी रविवार को अस्ताचलगामी व सोमवार को उदयीमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया। इस दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हुये सुख-शांति का कामना की। **छठ महापर्व पर गंगा आरती रहा आकर्षकण का केंद्र:**औरंगा नदी स्थित छठ घाट में भगवान सूर्य का प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की गयी। इस मौके पर मुख्य यजमान के रुप में निरंजन सिंह व चंदन गुप्?ता सप्?तनीक मौजूद रहे जबकि वैदिक मंत्रोच्चारण हनुमान मंदिर के पुजारी त्रिभुवन पांडेय ने की। औरंगा नदी तट पर वाराणसी से आये हुये पुरोहित जय प्रकाश पांडेय व उनकी मंडली ने छठ-गंगा आरती की। इस दौरान काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा आरती का लाभ उठाया व अपने सुखमय जीवन का कामना की। उषा अर्घ्य के दौरान श्रीराम टेंट हाउस की ओर से श्रद्धालुगणों के लिये चाय बिस्कुट का व्यवस्था किया गया वहीं निर्मल महलका, अनिल प्रसाद व विनोद प्रसाद बिट्टू अग्रवाल की ओर से ठेकुआ प्रसाद का व्यवस्था किया गया था।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर छठ व्रतियों ने की सुख-समृद्धि व परिवार के आरोग्य की कामना

नई सोच एक्सप्रेस



सिमडेगा/कोलेबिरा। लोक आस्था व सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ मंगलवार को उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा व भक्तिभाव के माहौल में संपन्न हो गया। इस अवसर पर कोलेबिरा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों पर अहले सुबह से ही व्रतियों व श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कोलेबिरा डैम छठ घाट, बूढ़ा महादेव डैम परिसर, बरसलोया व लचरागढ़ सहित विभिन्न तालाबों, पोखरों व नदी घाटों पर व्रतियों ने भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर संतान की सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली व सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। छठ महापर्व के अंतिम दिन व्रती पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ अपने घरों से छठ घाट पहुंचे। कई व्रतियों ने दंडवत प्रणाम करते हुए घाट तक पहुंचकर अपनी श्रद्धा व आस्था प्रकट की। वहीं परिजन सिर पर दउरा व हाथों में सूप में पूजन सामग्री व प्रसाद लेकर घाट पहुंचे। घाटों पर दीप प्रज्वलित कर भगवान सूर्य की आराधना की गई। इसके बाद व्रतियों ने जल में खड़े होकर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान छठी मईया के पारंपरिक गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने संतान की प्राप्ति, बेटियों के लिए सुयोग्य वर, बेटों की नौकरी, परिवार की सुख-समृद्धि व सभी के आरोग्य की कामना की। चार दिनों तक चलने वाले इस कठिन व्रत में छठव्रतियों ने 36 घंटे का निर्जला उपवास रखकर पूरी श्रद्धा व निष्ठा के साथ सूर्य उपासना की। मंगलवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही व्रतियों का निर्जला उपवास समाप्त हुआ व चार दिवसीय छठ महापर्व का विधिवत समापन हो गया। छठ घाटों पर विधि-व्यवस्था व श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर प्रशासन की ओर से भी व्यापक इंतजाम किए गए थे। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी अनूप कच्छप, थाना प्रभारी देवादास मुर्मू, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्यकर्मी, गोताखोर पंकज, पुलिस बल के जवान व कोलेबिरा छठ पूजा समिति के सदस्य व्यवस्था संभालने में जुटे रहे। वहीं छठ पूजा संपन्न कराने व श्रद्धालुओं व व्रतियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने में छठ घाट समिति की भूमिका सराहनीय रही। समिति के अध्यक्ष गोपाल कुमार, सुजल कुमार, हर्ष कुमार, प्रवीण कश्यप सहित अन्य सदस्यों ने बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की। युवाओं की ओर से घाट पर विद्युत व्यवस्था, चेंजिंग रूम सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं का इंतजाम किया गया था। समिति के युवाओं के समर्पण व बेहतर प्रबंधन की कोलेबिरा के ग्रामीणों ने सराहना करते हुए सभी सदस्यों के प्रति आभार जताया।

छठ पूजा में नदी घाट गया परिवार, 15 लाख के गहने व मोबाइल चोरी

नई सोच एक्सप्रेस



जमशेदपुर। साकची थाना क्षेत्र के जेल चौक के पास छठ पूजा के दौरान बंद क्वार्टर को चोरों ने निशाना बनाकर चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। डीसी कार्यालय में क्लर्क के पद पर कार्यरत बबलू कुमार के क्वार्टर से करीब 15 लाख रुपये मूल्य के सोने के गहने व एक मोबाइल फोन चोरी होने की बात सामने आई है। घटना रविवार शाम की बताई जा रही है, जब बबलू कुमार अपने पूरे परिवार के साथ छठ पूजा के लिए नदी घाट गए हुए थे। बताया गया कि सांध्य अर्घ्य देने के लिए परिवार के सभी सदस्य घर से बाहर निकले थे। इसी दौरान चोरों ने बंद क्वार्टर को निशाना बनाया व घर में प्रवेश कर सोने के गहने तथा मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए। पूजा समाप्त होने के बाद जब परिवार के लोग वापस लौटे तो घर का दरवाजा खुला मिला। अंदर प्रवेश करने पर सामान बिखरा पड़ा था। परिवार के सदस्यों ने जब घर में रखे सामान की जांच की तो सोने के गहने व मोबाइल फोन गायब मिले। चोरी की जानकारी मिलते ही परिवार के लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि वारदात में शामिल चोरों की पहचान की जा सके। चोरी गए सामान की वास्तविक कीमत व अन्य सामानों के संबंध में भी पुलिस जानकारी जुटा रही है। छठ जैसे महत्वपूर्ण पर्व के दौरान हुई इस घटना से परिवार के लोग काफी परेशान हैं। एक ओर घाटों पर श्रद्धालु छठ पूजा में जुटे थे, वहीं दूसरी ओर चोरों ने बंद घर का फायदा उठाकर लाखों रुपये के गहने लेकर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दी। घटना के बाद आसपास के लोगों में भी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

डायन होने के आरोप में 59 वर्षीय महिला की हत्या मामले का पुलिस ने त्वरित उद्भेदन करते हुए दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस



गिरिडीह। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बासाबुदा गांव में डायन होने का आरोप लगाकर 59 वर्षीय महिला की हत्या के मामले का पुलिस ने त्वरित उद्भेदन करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शिवलाल मुर्मू (48) व उसकी पत्नी बड़की देवी (43) के रूप में हुई है। वहीं, मृतका के देवर मोतीलाल मुर्मू समेत परिवार के अन्य सदस्यों को भी इस मामले में नामजद अभियुक्त बनाया गया है। पुलिस के अनुसार, घटना 14 नवंबर की सुबह करीब छह से सात बजे के बीच की है। बताया जाता है कि मोतीलाल मुर्मू का बेटा पिछले कई दिनों से बीमार था व रांची स्थित रिम्स में उसका इलाज चल रहा था। 13 नवंबर की रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बेटे की मौत के बाद परिजनों ने अंधविश्वास के चलते मृतका पर डायन होने का आरोप लगा दिया। इसके बाद अगले दिन सुबह लाठी-डंडे व टांगी से हमला कर महिला की हत्या कर दी गई। घटना के बाद मृतका के पति लखीराम मुर्मू के फर्द बयान पर मुफ्फसिल थाना में कांड संख्या 330/2026 दर्ज किया गया। पुलिस ने हत्या व डायन प्रथा प्रतिषेध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर एसडीपीओ जीतवाहन उरांव के नेतृत्व में विशेष जांच टीम गठित की गई। टीम ने मानवीय सूचना व तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर छापेमारी करते हुए दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अन्य नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। इस कार्रवाई में मुफ्फसिल थाना प्रभारी ज्ञान रंजन समेत थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी व सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रतियों ने पूर्ण किया छठ व्रत

नई सोच एक्सप्रेस



रामगढ़। लोक आस्था व सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को रामगढ़ जिले में शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। सोमवार की सुबह जिले के विभिन्न छठ घाटों पर छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। व्रतियों ने पारंपरिक रीति-रिवाज व पूरे भक्तिभाव के साथ उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इसके साथ ही 36 घंटे के निर्जला उपवास सहित चार दिवसीय छठ महापर्व के सभी अनुष्ठानों का समापन हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य व छठी मैया से परिवार की सुख-समृद्धि, शांति व खुशहाली की कामना की। डीसी ऋतुराज ने भी सपरिवार छत्तरमांडू स्थित बड़की नदी छठ घाट पहुंचकर उदीयमान भगवान सूर्य को प्रातःकालीन अर्घ्य अर्पित किया। उन्होंने छठ व्रतियों व जिलेवासियों को महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख, शांति व समृद्धि की कामना की। छठ महापर्व को लेकर जिला प्रशासन की ओर से व्यापक तैयारियां की गई थीं। डीसी के निर्देश पर जिले के सभी प्रमुख छठ घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, चेंजिंग रूम, पेयजल, पार्किंग व श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए थे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क व पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से आवश्यक सूचनाएं भी प्रसारित की जा रही थीं। एसपी मुकेश कुमार लुनायत के निर्देश पर सभी प्रमुख छठ घाटों व आसपास के इलाकों में सुरक्षा व यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती गई। पुलिस पदाधिकारी व जवान लगातार ड्यूटी पर तैनात रहे। भीड़ नियंत्रण, वाहनों के सुचारु परिचालन व निर्धारित पार्किंग स्थलों पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन सक्रिय रहा।

संक्षिप्त समाचार

नवोदय अहमदाबाद में जनजातीय गौरव दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया



अहमदाबाद।अहमदाबाद स्थित नवोदय विद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर श्री मंगल मुखी ने अपने संबोधन में बिरसा मुंडा के संघर्ष, देशभक्ति एवं जनजातीय समाज के उत्थान में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में हार्दिकी तावियाड ने भाषण दिया। विद्यार्थियों ने मणिपुरी लोकनृत्य, नाटक एवं आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय जनजातीय संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित किया। नाटक में वृंदा, आभा, धारा कुमावत एवं ध्रुविता तथा नृत्य में उत्सवी और जया ने शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में श्री मंगल मुखी, श्री डी.वी. मकवाना, श्री प्रकाश मेघवाल, काउंसलर श्री गौरांग पटेलकर, श्रीमती अनीता डबराल, श्रीमती इंदुलेखा एवं श्रीमती निलिक्षा धाबी सहित विद्यालय के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में जनजातीय विरासत, संस्कृति एवं देशभक्ति के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना था।

रेल परिवार के बच्चों के लिए बादशाहनगर मनोरंजन केंद्र में शुरू हुआ आकर्षक 'मल्टीप्ले स्टेशन'



लखनऊ।रेलकर्मियों एवं उनके परिवारों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं इसी क्रम में बादशाहनगर स्थित रेलवे मनोरंजन केंद्र में बच्चों के लिए आकर्षक एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त 'मल्टीप्ले स्टेशन' स्थापित किया गया है | बच्चों की सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस मल्टीप्ले स्टेशन में टनल स्लाइड, स्पाइरल स्लाइड,ब्रिज, क्लाइम्बिंग नेट सहित विभिन्न प्रकार के रंग-बिरंगे एवं आकर्षक खेल उपकरण लगाए गए हैं इस सुविधा का लाभ 3 से 15 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 50 बच्चे एक साथ उठा सकते हैं | मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने कहा कि बच्चों को खेलकूद एवं आउटडोर गतिविधियों से जोड़ना तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना मंडल प्रशासन की प्राथमिकता है यह मल्टीप्ले स्टेशन बच्चों के मनोरंजन के साथ-साथ उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास में भी सहायक सिद्ध होगा | मनोरंजन केंद्र में शुरू की गई इस नई सुविधा को लेकर बच्चों में विशेष उत्साह है वर्तमान में प्रतिदिन सुबह एवं शाम लगभग 100 से 150 बच्चे इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं | अभिभावकों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए मंडल प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है ||

IITF-2026 में झारखंड की माटी कला का जलवा, लाइव डेमो से आकर्षित हो रहे पर्यटक



नई दिल्ली/रांची। नई दिल्ली में आयोजित 45वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (IITF)-2026 में फोकस स्टेट के रूप में शामिल झारखंड का पवेलियन अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक हस्तशिल्प के कारण आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां माटी कला (टेराकोटा) का लाइव प्रदर्शन देशभर से पहुंचे पर्यटकों को खासा लुभा रहा है। झारखंड पवेलियन में कारीगर मिट्टी से ट्रे, सुराही, कप, गिलास, थाली और केतली सहित कई उपयोगी एवं आकर्षक उत्पाद तैयार कर रहे हैं। लाइव डेमो के माध्यम से आगंतुकों को मिट्टी के उत्पाद बनाने की पारंपरिक प्रक्रिया को करीब से देखने का अवसर मिल रहा है। खास बात यह है कि पर्यटक स्वयं भी इस कला का अनुभव लेते हुए अपने हाथों से उत्पाद बना सकते हैं। इसके अलावा तैयार उत्पादों की सीधे कारीगरों से खरीदारी की सुविधा भी उपलब्ध है। झारखंड सरकार राज्य की पारंपरिक कला एवं शिल्प के संरक्षण और स्थानीय कारीगरों के सशक्तीकरण के लिए लगातार प्रयास कर रही है। माटी कला बोर्ड की परिकल्पना के तहत पारंपरिक कुम्हारों और माटी शिल्पकारों को पहचान दिलाने, उनके कौशल विकास, आधुनिक डिजाइन से जोड़ने और आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। IITF-2026 में झारखंड पवेलियन के जरिए माटी कला को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। इससे स्थानीय कारीगरों को सीधे उपभोक्ताओं से जुड़ने, अपने उत्पादों के लिए नए बाजार तलाशने और रोजगार के अवसर बढ़ाने का मंच मिल रहा है।

डॉ. आरती कुमारी को मिला 'डॉ. शांति सुमन सम्मान-2026'



कविता, गीत और ग़ज़ल के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मुजफ्फरपुर की कवयित्री एवं रामदयालु सिंह महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. आरती कुमारी को 'डॉ. शांति सुमन सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया। चित्रगुप्त सामाजिक संस्थान, पटना की ओर से मंगलवार को गिरिराज उत्सव पैलेस में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में नागालैंड के राज्यपाल नन्दकिशोर यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद , पद्मश्री डॉ गोपाल प्रसाद सिंह, पूर्व कुलपति डॉ के सी सिंह, बिहार विधान परिषद के सदस्य डॉ. संजय प्रकाश मयूख तथा बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने संयुक्त रूप से डॉ. आरती कुमारी को शॉल, स्मृति-चिह्न एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया। साहित्य के प्रति अपनी सृजनात्मक प्रतिबद्धता के लिए पहचानी जाने वाली डॉ. आरती कुमारी की अब तक कविता, ग़ज़ल और गीत विधाओं में छह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उनकी साहित्यिक रचनाएँ संवेदना, अभिव्यक्ति और जीवन के विविध पक्षों को स्वर देती हैं। इस अवसर पर डॉ. शांति सुमन की पुत्री चेतना वर्मा, प्रोफेसर डॉ. रमेश ऋतम्भर सहित अनेक साहित्यकारों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने डॉ. आरती को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। संस्था के सचिव कमलनयन श्रीवास्तव ने कहा कि साहित्यकारों के नाम पर दिए जाने वाले ऐसे सम्मान साहित्यिक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इससे नई पीढ़ी को साहित्यकारों के रचनात्मक अवदान से परिचित होने तथा साहित्य-सृजन के लिए प्रेरणा प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

अशोक बुवानीवाला को मिला महाराजा अग्रसेन ग्लोबल अवार्ड, वैश्य समाज में खुशी

नई सोच एक्सप्रेस



कुरुक्षेत्र।अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष अशोक बुवानीवाला को नई दिल्ली में आयोजित अग्र अलंकरण समारोह-2026 में प्रतिष्ठित महाराजा अग्रसेन ग्लोबल अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर पूरे हरियाणा में वैश्य समाज के लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश महासचिव राजेश सिंगला ने कहा कि हरियाणा की राजनीति में वैश्य समाज की भागीदारी मजबूत करने और समाज को संगठित एवं राजनीतिक रूप से जागरूक बनाने में अशोक बुवानीवाला का योगदान सराहनीय है। उन्होंने वर्ष 2009 में अग्रवाल वैश्य समाज संगठन की स्थापना कर इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल की थी। आज संगठन प्रदेश के हजारों सदस्यों के साथ वैश्य परिवारों तक अपनी पहुंच बना चुका है। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन की ओर से नई दिल्ली के अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलभूषण मित्तल ने की। इस अवसर पर गीता मनीषी महामंडलेश्वर ज्ञानानंद जी महाराज का सानिध्य भी प्राप्त हुआ। सम्मान प्राप्त करने के बाद अशोक बुवानीवाला ने कहा कि यह पुरस्कार व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी और संकल्प को मजबूत करने वाला सम्मान है। उन्होंने इसे समाज की एकता और प्रगति के लिए कार्य करने वाले सभी लोगों को समर्पित किया। इस अवसर पर मुनीष मित्तल, श्रीकांत बंसल, अशोक गर्ग, विजय गर्ग, बीबी जिन्दल, शिवांग गर्ग और आकाश गर्ग सहित समाज के कई पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी।

डॉ. नीरजा अस्थाना बनीं कायस्थ सेना कल्याण परिवार की महिला जिलाध्यक्ष



नई सोच एक्सप्रेस

बरेली।कायस्थ सेना कल्याण परिवार ने डॉ. नीरजा अस्थाना को बरेली का महिला जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। वह बरेली कॉलेज में सैन्य अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष रह चुकी हैं। उनकी नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष आलोक प्रधान एवं प्रदेश संरक्षक संजीव कुमार सक्सेना की संस्तुति पर की गई है। संगठन ने उन्हें जल्द ही जिला कमेटी गठित करने का निर्देश दिया है। डॉ. नीरजा अस्थाना की नियुक्ति पर प्रदेश के वन राज्य मंत्री डॉ. अरुण कुमार सहित संजीव कुमार सक्सेना, आलोक सक्सेना, आलोक कुमार, श्यामदीप सक्सेना, मनोज सक्सेना, गोपाल धूप वाले, डॉ. सुबोध अस्थाना, रवि सक्सेना, अमित सक्सेना, आशीष सक्सेना एवं श्वेतांक अस्थाना ने बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

तुलिप येलो सोसाइटी में पहली बार धूमधाम से मना छठ महापर्व

नई सोच एक्सप्रेस



गुरुग्राम।सेक्टर-69 स्थित तुलिप येलो सोसाइटी में पहली बार छठ महापर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सोसाइटी के स्विमिंग पूल में अस्ताचलगामी एवं उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। चार दिवसीय आयोजन में भक्ति और सामाजिक सौहार्द का माहौल रहा। कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा के जिला प्रभारी मुकेश जैलदार सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। मुकेश जैलदार ने विवेकानंद स्कूल से सटे सेक्टर रोड से सेक्टर-69 होते हुए पलड़ा ढाणी तक सड़क के नवनिर्माण की घोषणा की। इस दौरान बच्चों एवं महिलाओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों की मधुबनी पेंटिंग विशेष आकर्षण का केंद्र रही। स्थानीय कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से लोगों का मन मोह लिया। आयोजन की सफलता में इंजीनियर आरके जायसवाल, चंद्रशेखर, उत्पल कांत, सुजीत शर्मा, संतोष तिवारी, श्वेता, संजय कुमार, अभिषेक, रवि सिन्हा, विजय ठाकुर, प्रियंका, विष्णुदेव चौधरी, आकांक्षा जायसवाल, मनीष एवं तरुण कुमार सहित पूजा कमेटी के सदस्यों और सोसाइटीवासियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पूजा कमेटी ने सभी सहयोगकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं के प्रति आभार जताया।

मंत्री रविंद्र इंद्रराज का जोरदार अभिनंदन, 15 गांवों के प्रधान हुए शामिल

नई सोच एक्सप्रेस



नई दिल्ली।कटवारिया सराय स्थित श्री गुरु रविदास चौपाल में जाटव सुधार समिति की ओर से दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्रराज का भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महरौली विधायक गजेंद्र सिंह यादव, दिल्ली नगर निगम दक्षिणी क्षेत्र के चेयरमैन धर्मवीर सिंह, संत शिरोमणि गुरु रविदास विश्व महापीठ की दिल्ली प्रदेश मंत्री एवं कार्यक्रम संयोजिका सुमन चौधरी तथा समिति के प्रधान कर्मवीर सिंह सहित आसपास के 15 गांवों के प्रधान और गणमान्य लोग शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री रविंद्र इंद्रराज ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर और संत गुरु रविदास की शिक्षाओं को अपनाने तथा समाज में समानता, समरसता और भाईचारा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि है और वंचित समाज के उत्थान के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने एससी-एसटी फंड में बढ़ोतरी का उल्लेख करते हुए गांव की समस्याओं के शीघ्र समाधान का भरोसा दिया। विधायक गजेंद्र सिंह यादव ने मंत्री के सामाजिक कार्यों की सराहना की। वहीं, सुमन चौधरी ने सामाजिक समरसता के साथ दलित समाज के विकास और हितों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. मनोज कुमार कैन ने किया। इस अवसर पर शाहपुर जट, मदनगीर, बसंत, मुनिरका, चिराग दिल्ली और सावित्री नगर सहित 15 गांवों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। समारोह में अतिथियों एवं उपस्थित लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई थी।

महाप्रबंधक/पूर्वोत्तर रेलवे ने 25 रेलकर्मियों के आश्रित बच्चों को छात्रवृत्ति एवं 57 महिला रेलकर्मियों को प्रदान की थर्मल बोतल

नई सोच एक्सप्रेस



लखनऊ।पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक उदय बोरवणकर ने अपने एक दिवसीय दौरे में 14 नवम्बर 2026 को मनोरंजन संस्थान,पूर्वोत्तर रेलवे,ऐशबाग,लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में रेलकर्मियों एवं उनके परिवारों के कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए लखनऊ मंडल के ग्रुप 'सी' एवं ग्रुप 'डी' कर्मचारियों के उच्च तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रहे 25 आश्रित बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान की | इसके साथ ही लखनऊ परिक्षेत्र के विभिन्न विभागों में कार्यरत 57 ग्रुप 'डी' महिला रेलकर्मियों को उपहार स्वरूप थर्मल बोतल प्रदान की | इस अवसर पर प्रत्येक विद्यार्थी को 18,000 रूपये की दर से कुल 4,50,000 रूपये की छात्रवृत्ति वितरित की गई | महाप्रबंधक ने विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने तथा अपने ज्ञान एवं कौशल के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने के लिए प्रेरित किया उन्होंने कहा कि रेलकर्मियों के परिवारों का कल्याण एवं उनके बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहित करना रेलवे की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल है | महिला रेलकर्मियों को थर्मल बोतल प्रदान करते हुए महाप्रबंधक ने रेलवे के संचालन एवं विभिन्न कार्यक्षेत्रों में उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की | उन्होंने कहा कि महिला कर्मचारियों की सुविधा, कल्याण एवं प्रोत्साहन के लिए इस प्रकार की पहल सराहनीय है | इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक, लखनऊ गौरव अग्रवाल एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता सहित मंडल के अन्य शाखा अधिकारी तथा मान्यता प्राप्त कर्मचारी यूनियनों एवं एसोसिएशनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे | रेल प्रशासन की इन कल्याणकारी पहलों का उद्देश्य रेलकर्मियों के परिवारों को शैक्षिक प्रोत्साहन प्रदान करने के साथ- साथ महिला रेलकर्मियों के प्रति सम्मान एवं उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त करना है ||

धीरज उज्जवल ने ग्राम प्रधानों को किया सम्मानित



नई सोच एक्सप्रेस

बागपत।छपरौली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम प्रधानों के सम्मान में बड़ौत-बागपत नेशनल हाईवे-709बी स्थित उज्ज्वला मैरिज होम में जिला पंचायत सदस्य एवं राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश उपाध्यक्ष धीरज उज्जवल ने सम्मान समारोह आयोजित किया। इस दौरान ग्राम प्रधानों को प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिह्न एवं चादर भेंटकर सम्मानित किया गया। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले गणमान्य लोगों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धीरज उज्जवल ने कहा कि ग्राम प्रधान ग्रामीण विकास की मजबूत कड़ी हैं। गांवों में मूलभूत सुविधाओं, शिक्षा, स्वच्छता और जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उनकी मेहनत और समर्पण से ही गांवों की तस्वीर बदलती है। समाज के विकास में योगदान देने वाले जनप्रतिनिधियों का सम्मान करना हम सभी का दायित्व है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कैलाशो देवी ने की तथा संचालन वीरेंद्र राणा ने किया। इस अवसर पर समाजसेवी रविन्द्र हटटी रंछाड़, वरिष्ठ पत्रकार विपुल जैन, राजू तोमर, विनोद तोमर, मदन उज्जवल, लेखराज प्रधान, आशीष छपरौली सहित बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कानपुर में सम्राट पृथ्वीराज चौहान चौराहा तोड़े जाने पर क्षत्रिय समाज में आक्रोश

नई सोच एक्सप्रेस



कानपुर।कल्याणपुर क्षेत्र में स्थित सम्राट पृथ्वीराज चौहान स्मारक चौराहा को अराजक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किये जाने के विरोध में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने विशाल धरना प्रदर्शन किया। धरने की अगुवाई अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कुं मनोज सिंह भदौरिया ने की। बड़ी संख्या में क्षत्रिय समाज के लोग हाथों में तख्तियां लेकर धरने पर बैठे। तख्तियों पर सम्राट पृथ्वीराज चौहान जी का सम्मान ही राष्ट्र का सम्मान जैसे नारे लिखे थे। प्रदेश अध्यक्ष कुंवर मनोज सिंह भदौरिया ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह चौराहा पिछले पाँच वर्षों से लगातार हमारे महापुरुष पृथ्वीराज चौहान जी के नाम पर स्थापित है, जो क्षत्रियों की आन बान शान हैं। इस चौराहे को किसी न किसी अराजक तत्व ने जातिवादी हिंसा फैलाने के लिए एक सुव्यवस्थित और सोची समझी साजिश के तहत क्षतिग्रस्त किया है, जिससे कि सामाजिक व्यवस्था और समाज को तोड़ने वाले असामाजिक तत्वों को बल मिले। मैं प्रशासन से मांग करता हूँ कि इसकी तुरंत जाँच कराई जाए, उन व्यक्तियों को दंडित किया जाए और पृथ्वीराज चौहान जी के स्मारक के रूप में इस चौराहे को पुनर्स्थापित किया जाए। यह हम सभी क्षत्रियों की मांग है। समय-समय पर सरकारें और विभिन्न राजनीतिक दल मिलकर क्षत्रियों को षड्यंत्र के तहत नीचा दिखाने का काम कर रहे हैं, जो असहनीय है। हमारे समाज के सभी व्यक्तियों में आक्रोश व्याप्त है। अभी तक किसी भी सक्षम अधिकारी ने हमसे संपर्क नहीं किया है। मैं प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ से आपके माध्यम से मांग करना चाहता हूँ कि वे इस बात का संज्ञान लें और चौराहे को उसके नाम के साथ पुनर्स्थापित कराएं और जिसने इस कुकृत्य को किया है, उस पर कड़ी से कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाए। श्री भदौरिया ने चेतावनी देते हुए कहा कि यह अनिश्चितकालीन धरना है। यदि प्रशासन ने हमारी बात नहीं सुनी तो आंदोलन पूरे शहर, नगर में ही नहीं किया जाएगा और जरूरत पड़ी तो अन्य जिलों में भी इसका असर जाएगा। यदि ऐसा नहीं किया गया तो आने वाले 2027 के चुनाव में हम सामूहिक रूप से चुनाव का बहिष्कार करेंगे जिसके परिणाम बहुत गंभीर होंगे।

यूपी की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी हिंदू महासभा : स्वामी चक्रपाणि

नई सोच एक्सप्रेस



नई दिल्ली।अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज ने घोषणा की है कि पार्टी 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सभी 403 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। उन्होंने कहा कि महासभा हिंदुत्व की विचारधारा के साथ प्रदेश में मजबूत राजनीतिक विकल्प के रूप में चुनाव मैदान में उतरेगी। स्वामी चक्रपाणि महाराज ने कहा कि ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद की राजनीति का लोकतांत्रिक जवाब देने के लिए हिंदुत्ववादी दलों को एक मंच पर लाकर राष्ट्रीय गठबंधन (RAAG) बनाया जाएगा। इसके लिए शिवसेना सहित कई राजनीतिक दलों से बातचीत चल रही है। छठ पूजा के बाद इस संबंध में महत्वपूर्ण बैठकें होंगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान की रक्षा, युवाओं को रोजगार तथा हिंदू समाज के हितों को प्राथमिकता देना महासभा का प्रमुख एजेंडा होगा। उन्होंने भाजपा पर भी ओवैसी के विवादित बयानों के खिलाफ प्रभावी राजनीतिक और कानूनी कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। प्रदेश अध्यक्ष अनुपम मिश्रा ने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा। सभी विधानसभा क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाकर योग्य और स्वच्छ छवि वाले प्रत्याशियों का चयन किया जाएगा। इसके लिए जल्द ही विशेष चुनाव समिति गठित की जाएगी। महासभा सभी वर्गों के योग्य लोगों को चुनाव लड़ने का अवसर देगी।



कहीं घूमने का है प्लान, पर करनी है घर की सफाई? जानें फास्ट होम क्लीनिंग आइडिया

संडे को सफाई और घूमने के बीच बैलेंस बनाना काफी मुश्किल होता है, क्योंकि गंदगी और अव्यवस्था से मन अशांत रहता है। ऐसे में कहीं घर को बुरी हालत में छोड़कर बाहर घूमने जाने का मन नहीं करता है। अगर आपके साथ भी हर वीकेंड पर कुछ ऐसी ही स्थिति बनी रहती है, तो यहां से फास्ट होम क्लीनिंग का आइडिया ले सकते हैं।

संडे को सफाई और घूमने के बीच बैलेंस बनाना काफी मुश्किल होता है, लेकिन जल्दी-जल्दी क्लीनिंग करके आप समय से काम निपटा सकती हैं। साथ ही, अपने घूमने की प्लानिंग को भी सफल बना सकती हैं।, क्योंकि गंदगी और अव्यवस्था से मन अशांत रहता है। पूरे सप्ताह के बिजी शेड्युल में घर की साफ-सफाई कई दफा नजरंदाज हो जाती है और वीकेंड्स पर ही अच्छी तरह सफाई करने का मौका मिलता है। ऐसे में, घर को बिखरा हुआ छोड़कर कहीं बाहर घूमने जाने का मन नहीं करता है। अगर इस संडे आपका भी कहीं घूमने का प्लान है, लेकिन घर की सफाई बाकी है तो आप इन टिप्स को फॉलो करके आप घर की सफाई को जल्दी से निपटाकर अपने घूमने के प्लान को आराम से एंजॉय कर सकती हैं।

डेली डिक्लटरिंग से शुरुआत करें

सबसे पहले घर के उन हिस्सों को साफ करें, जो सबसे ज्यादा बिखरे हुए हैं।बेडरूम, लिविंग रूम और किचन से फालतू सामान हटाएं। डस्टबिन और वेस्ट बास्केट में गैरजरूरी चीजें डाल दें।

10 मिनट रूल अपनाएं

हर कमरे की सफाई के लिए सिर्फ 10 मिनट दें।वाइप करें, झाड़ू लगाएं और चीजों को सही जगह रखें। सफाई का सामान तैयार रखें। किचन क्लीनर, डस्टिंग क्लॉथ, वाइपर, ग्लास क्लीनर जैसी चीजें पहले ही निकालकर रखें। इससे बार-बार चीजें ढूंढने में समय नहीं लगेगा।

स्पॉट क्लीनिंग परदें ध्यान

पूरे घर की सफाई करने की बजाय, सिर्फ गंदे हिस्सों पर फोकस करें।फर्श, टेबल, डोर हैंडल और मिरर जैसी चीजें जल्दी साफ करें। सफाई करते समय वॉशिंग मशीन में कपड़े डाल दें और बर्तन धोने का काम भी साथ में करें। इससे समय की बचत होगी।

फर्श की सफाई स्मार्ट तरीके से करें

वैक्यूम क्लीनर का इस्तेमाल करें या झाड़ू और पोछा एक साथ लगाएं।फर्श को एक बार वाइप कर दें ताकि धूल और गंदगी हट जाए।सफाई के बाद घर में फ्रेशनर का इस्तेमाल करें। इससे सफाई का असर और बेहतर लगेगा।

परिवार की मदद लें

सभी को एक-एक काम सौंपें, जैसे कोई झाड़ू लगाए, तो कोई धूल साफ करे।टीमवर्क से काम जल्दी और आसानी से हो जाएगा।गहराई से सफाई करने के बजाय सिर्फ बेसिक क्लीनिंग पर फोकस करें। डीप क्लीनिंग के लिए किसी और दिन का चयन करें।



बच्चों के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट करने के लिए अपनाएं ये तरीके

यह बात तो हम सभी जानते हैं कि बच्चों को खेलना कितना पसंद आता है। अमूमन हम सभी बच्चों के खिलौनों और प्ले एरिया को क्लीन जरूर करते हैं, लेकिन इसके साथ-साथ उसे डिसइंफेक्ट करना बेहद जरूरी है। दरअसल, इन सभी खिलौनों व प्ले एरिया पर बच्चे की चिपचिपी उंगलियों से लेकर फूड पार्टिकल्स तक रह जाते हैं, जिससे वहां पर बैक्टीरिया भी पनपने लगते हैं। ऐसे में बच्चे के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट करना आपको एक टफ टास्क लग सकता होगा। हालांकि, अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो बेहद ही आसान तरीके से बच्चे के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट कर सकती हैं। फिर चाहे वह बच्चे के खिलौने हों या फिर उनकी खेलने की छोटी सी मेज, इन सबको डिसइंफेक्ट करने का बेहद ही आसान तरीका है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि बच्चे के प्ले एरिया को किस तरह डिसइंफेक्ट किया जाए-

पहले करें डिक्लटर

जब बात बच्चों के प्ले एरिया को डिइंफेक्ट करने की होती है तो इसकी शुरुआत हमेशा डिक्लटर करने से करें। आप बच्चे के सभी खिलौनों, किताबों और इधर-उधर पड़ी चीज़ों को हटाना शुरू करें। इससे प्ले एरिया को क्लीन करना अधिक आसान हो जाता है और यह सुनिश्चित होता है कि कोई छिपा हुआ कोना सफाई से छूट नहीं गया है।

बच्चों के लिए सुरक्षित डिसइंफेक्टेंट का करें इस्तेमाल

जब बात बच्चों के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट करने की हो तो आपको प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल थोड़ा समझदारी से करना चाहिए। ध्यान दें कि डिसइंफेक्टेंट किड्स सेफ हो। अगर आप चाहें तो एक भाग सफेद सिरका और 1 भाग पानी से घोल भी बनाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। अब आप डिसइंफेक्टेंट की मदद से बच्चे के खेलने की टेबल, कुर्सियां आदि को साफ करें। उन एरिया पर खासतौर से ध्यान दें जिन्हें अक्सर छुआ जाता है - जैसे कि खेलने की मेज या हैंडल के किनारे आदि।

खिलौनों को इस तरह करें साफ

बच्चे के खिलौनों को साफ करने के अलग-अलग तरीके अपनाएं। मसलन, प्लास्टिक और गैर-इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों को आप गर्म साबुन के पानी की बाल्टी में डालकर धोएं और हवा में सुखाएं। वहीं, सॉफ्ट टॉयज को ज्यादातर को वॉशिंग मशीन में डालकर क्लीन करें। अगर खिलौने इलेक्ट्रॉनिक हैं तो उसे नम कपड़े और डिसइंफेक्टेंट की मदद से पोंछें। ध्यान रहे कि आप उन्हें गीला न करें।

मैट और दीवारों की भी करें सफाई

यदि आपके बच्चे फोम या रबर प्ले मैट पर खेलते हैं, तो उन्हें भी डिसइंफेक्टेंट की मदद से क्लीन करें। खासतौर से, उन जगहों पर ज्यादा ध्यान दें, जहां पर गंदगी छिपी रहती है। इसी तरह, दीवारों, लाइट स्विच और आस-पास की खिड़कियों को डिसइंफेक्टेंट वाइप्स या माइक्रोफाइबर कपड़े से पोंछें।

वेंटिलेशन का भी रखें ध्यान

बच्चे के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट करने के लिए उसे सिर्फ साफ करना ही काफी नहीं है, बल्कि आपको वेंटिलेशन का भी उतना ही ख्याल रखना चाहिए। एक बार जब आप प्ले एरिया को क्लीन व डिसइंफेक्ट कर लेते हैं तो उसे थोड़ी देर के लिए हवादार होने दें। इससे क्लीनिंग सॉल्यूशन जल्दी सूख जाते हैं और यह सुनिश्चित होता है कि कोई गंध नहीं रह जाती है।



बच्चों को बाहर घूमने या खेलने के लिए भेजने से पहले सिखाएं ये जरूरी सेफ्टी टिप्स

इस बात में कोई संदेह नहीं कि बच्चों को बाहर खेलने के लिए भेजना उनके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, लेकिन अगर आप भी अपने बच्चों को खेलने के लिए बाहर भेज रही हैं, तो कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इन बातों की अनदेखी करना बच्चे के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। इसके अतिरिक्त भी सुरक्षा की दृष्टि से कुछ बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

बहुत दूर न हो खेलने की जगह

एक महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चों के खेलने की जगह घर से बहुत दूर नहीं होनी चाहिए। कोशिश करें कि बच्चे ऐसी जगह खेलें, जहां से आप उन पर नजर रख सकें। बच्चे किन अन्य बच्चों के साथ खेलने जा रहे हैं, इसका भी पता रखें। बेहतर होगा कि बारी-बारी से किसी एक बच्चे के घर से कोई बड़ा भी उनके आसपास रहे।

मौसम का रखें ध्यान

सुरक्षा की बात करें, तो सबसे पहले आता है मौसम का ध्यान रखना। बच्चों को यह समझाकर रखें कि किस तरह के मौसम में बाहर नहीं जाना है और अगर पहले से बाहर खेलने के लिए निकले हैं, तो उन्हें तुरंत घर लौट आना है। जैसे, उन्हें बताकर रखें कि अगर घटाएं घिरने लगें और बारिश के आसार हों, तो तुरंत घर आ जाएं। बारिश में भीगना नुकसान कर सकता है। साथ ही बारिश में फिसलन के कारण खेलने पर चोट भी लग सकती है।

कीट-पतंगों का ध्यान रखें

बच्चे अगर पार्क में खेलते हैं तो वहां घास और पेड़-पौधों के कारण कीट-पतंगों का खतरा रहता है। इसलिए बच्चों को बग स्प्रे लगाकर भेजें। शाम के समय मच्छरों का प्रकोप बहुत होता है। इसलिए उनसे बचाव बहुत ज्यादा जरूरी है। साथ ही बच्चों को समझा दें कि ऐसी जगह नहीं जाना है, जहां घास बड़ी हो। वहां खतरनाक कीटों का खतरा ज्यादा रहता है।

आसपास रखें नजर

बच्चों को समझाएं कि उन्हें अपने आसपास की गतिविधियों को लेकर सतर्क रहना चाहिए। अगर कुछ अप्रत्याशित या अजीब लगे, तो तुरंत घर लौट आएं और बड़ों को बताएं। इसके अलावा उन्हें हमेशा ध्यान दिलाएं कि किसी भी अजनबी से बात नहीं करनी है। अजनबी के हाथ से कुछ खाना नहीं है। अजनबी से घुलना-मिलना घातक हो सकता है। अक्सर आपराधिक मानसिकता के लोग इसका लाभ उठाते हैं।

बाहर कुछ न खाएं

बच्चों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि उन्हें यह समझाकर भेजें कि बाहर की चीजें नहीं खानी हैं। और सबसे खास बात, किसी भी पार्क आदि जैसी जगहों पर पेड़ों पर लगे अनजान किस्म के फलों को कतई न खाएं। साथ ही उन्हें इस बात की सख्त हिदायत दें कि उन्हें अपने साथ के बच्चों के संग ही रहना है। अकेले इधर-उधर न जाएं।



इंस्टाग्राम पर कहीं आपका बच्चा भी तो नहीं देख रहा उल्टे-सीधे कंटेंट? ऐसे छुड़ाएं आदत

सोशल मीडिया वैसे तो दुनिया में चल रही चीजों से अप टू डेटेड रहने के लिए बड़ा काम का प्लेटफॉर्म है, लेकिन इसका मतलब ये बिल्कुल नहीं है कि आप इंस्टाग्राम पर घंटों रील्स देख कर अपना समय बर्बाद करें। अक्सर ऐसा बच्चे और टीनएजर्स कर रहे हैं, जिस पर ध्यान देना बेहद जरूरी है।

कई बार ऐसा होता है कि रील्स स्क्रॉल करते हुए सामने कोई ऐसा कंटेंट आ जाते हैं, जो कि उन्हें नहीं देखना चाहिए। आज के समय में, टीनेज बच्चों को हैंडल करना माता-पिता के लिए काफी चैलेंजिंग हो गया है। खास कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के मामले में बच्चे को बच्चे को समझाना और उन्हें इससे दूर रखना किसी चुनौती से कम नहीं होता है। क्योंकि इस उम्र में उनकी फीडम और प्राइवेसी दोनों ही अहम हो जाती हैं। ऐसी स्थिति में उनकी आदतों में सुधार कैसे लाया जाए, आइए इस बारे में हम आपको बताते हैं।

बच्चों को ब्रेक लेने के लिए समझाएं

इंस्टाग्राम पर स्क्रॉल करते समय, बच्चे अक्सर अपना बहुत सारा समय बर्बाद कर देते हैं। इससे उन्हें दूर रखने के लिए आप बच्चे को ब्रेक लेने के लिए कह सकते हैं। समय के महत्व को बताएं और उन्हें मोबाइल से ब्रेक लेकर खेल-कूद पर थोड़ा ध्यान देने पर फोकस करवाएं। अगर आपका टीनएजर इंस्टाग्राम पर घंटों समय बर्बाद कर रहा है, तो यह फीचर उन्हें एक टाइम बाद ब्रेक लेने की याद दिलाएगा। अक्सर बच्चे पढ़ते-पढ़ते भी बीच में मोबाइल उठा लेते हैं, तो यह फीचर बच्चों को रीसेट और रीफोकस करने में मदद कर सकता है। इसमें यूजर को यह मैसेज मिलता है कि उन्होंने अपनी डेली लिमिट का स्क्रीन टाइम इस्तेमाल कर लिया है।

क्वाइट मोड

इंस्टाग्राम का क्वाइट मोड सीमाएं तय करने के मामले में एक बेहतरीन फीचर है। इससे आपके बच्चे की लगातार स्क्रीन देखने की आदत में सुधार आ सकती है। यह फीचर 12 घंटे तक के लिए नोटिफिकेशन म्यूट करने में मदद करता है, जिससे बच्चे इंस्टाग्राम स्क्रॉल करने की जगह पढ़ाई में अपना समय बिता सकते हैं। इसका ऑटो-रिप्लाई फीचर डीएम करने की कोशिश कर रहे लोगों को संदेश भेजता है कि पर्सन अभी क्वाइट मोड में है और उपलब्ध नहीं है।

नाइट नज

मोबाइल देखने की लत से रात की नींद की क्वालिटी को बहुत ज्यादा प्रभावित होती है। ऐसे में बच्चों को इंस्टाग्राम से दूर रखने के लिए इसका नाइट नज टूल भी है, जो आपकी इस परेशानी का हल आसानी से कर सकता है। इस फीचर के तहत यूजर को याद दिलाते हुए एक रिमाइंडर मैसेज भेजा जाता है कि रात हो रही है और सोने की तैयारी कर लेनी चाहिए। अगर आपका बच्चा रात 10.00 बजे से सुबह 7.00 बजे के बीच 10 मिनट से अधिक समय तक इंस्टाग्राम का उपयोग करता है, तो यह फीचर हर 10 मिनट में एक फ्रेंडली रिमाइंडर भेजता है।

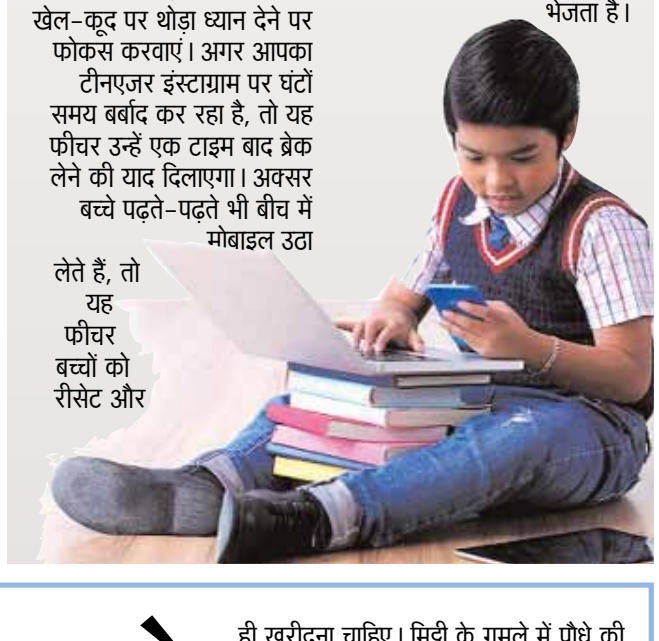



होम गार्डनिंग शुरू करने के 5 आसान टिप्स

अपने घर के अगल बगल हरियाली किसको पसंद नहीं होती है। हालांकि शहरों में हरियाली न होने के कारण ज्यादातर लोग खुद का गार्डन बनाना पसंद करते हैं। कई लोग अपने गार्डन में केवल फूल रखते हैं तो कई लोग अपने गार्डन में सब्जियों की खेती भी करते हैं। गार्डन छोटा हो या बड़ा आप चाहें तो आसानी से उसमें अपनी पसंदीदा चीज़ों को उगा सकती हैं।

उचित स्थान चुने

गार्डनिंग करने के लिए जरूरी है आपको सही जगह का चयन करना। अगर आपके पास गार्डन नहीं है तो आप अपनी बालकनी में भी गार्डनिंग कर सकते हैं। इसके लिए आपको मिट्टी के गमले ख़रीदने होंगे।

अच्छे बीज चुनें

गार्डनिंग आप कहीं भी क्यों न कर रहे हो आप को सही तरीके का बीज चाहिए होगा। बीज जितना अच्छा होगा उतनी जल्दी आपके पौधे में सब्जी और फूल प्राप्त होंगे। बीज खरीदते समय आपको खास ध्यान देना होगा।

कौन सा गमला होगा बेस्ट

अगर आप पौधों में सब्जियां फल उगाने की कोशिश कर रहे हैं तो आपको मिट्टी का गमला ही खरीदना चाहिए। मिट्टी के गमले में पौधे की ग्रोथ काफी ज्यादा अच्छी होती है। नहीं ऐसे में इन्हें एक जगह से दूसरी जगह ले जाना भी आसान होता है।

सही मिट्टी का चयन करें

पौधों की ग्रोथ के लिए मिट्टी का चयन करना काफी ज्यादा ज़रूरी है। मिट्टी लेते समय ध्यान रखें कि मिट्टी ना तो ज्यादा हार्ड हो और ना ही ज्यादा चिपचिपा। पौधे लगाने के लिए मिट्टी निम्न प्रकार की होनी चाहिए। इससे पौधे अच्छे उठते हैं।

पौधे को समय पर पानी दें

पौधों की सही तरीके से ग्रोथ चाहते हैं तो आपको होम गार्डनिंग के दौरान भी पौधों को समय समय पर पानी देते रहना चाहिए। इससे आपके पौधे की ग्रोथ काफी ज्यादा अच्छी होती है। अगर आप इन बातों को फ़ॉलो करते हैं तो आपका हूँ गार्डनिंग करने का सपना पूरा हो सकता है।



दिलजीत दोसांझ के अहमदाबाद कॉन्सर्ट पर नई पाबंदियों की मांग

पटियाला पेग समेत 4 गाने नहीं गाने को कहा

पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। गुजरात के अहमदाबाद में 21 नवंबर को होने वाले उनके लाइव कॉन्सर्ट से पहले जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर कई पाबंदियां लगाने की मांग की है। अधिकारी ने दिलजीत से शराब, नशे और हिंसा को बढ़ावा देने वाले चार गाने नहीं गाने को कहा है।

इसके अलावा कॉन्सर्ट में तेज आवाज, चमकती लाइटों और बच्चों को स्टेज पर बुलाने को लेकर भी चिंता जताई गई है। पुलिस कमिश्नर को लिखे पत्र में चार गानों का खास तौर पर जिक्र किया गया है। इनमें पटियाला पेग, 5 तारा ठेके, जेब विचो फीम और जट्ट फायर करदा शामिल हैं। बाल संरक्षण अधिकारी का कहना है कि इन गानों के बोल में शराब, अफीम, नशे और हथियारों का जिक्र है, जिसका बच्चों और युवाओं पर गलत असर पड़ सकता है।

इन गानों को बदले हुए बोल के साथ भी नहीं गाया जाना चाहिए। वहीं, दिलजीत 15 नवंबर को इंदौर में भी परफॉर्म करने वाले हैं। उनके इस कॉन्सर्ट से पहले शहर में तीन बैंकों और मेयर सेक्रेटेरिएट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई है। ईमेल पंजाबी और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में लिखे गए हैं। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। जिन जगहों को निशाना बनाने की बात कही गई है, वहां सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मेयर सेक्रेटेरिएट की बम डिस्पोजल स्क्वॉड ने पूरी तलाशी ली। टीम ने सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की। जानकारी के मुताबिक, धमकी भरे ईमेल में बंधन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक और इंदौर के मेयर सचिवालय को निशाना बनाने की बात कही गई है। ईमेल मिलने के बाद बम डिस्पोजल स्क्वॉड की टीम मेयर सेक्रेटेरिएट पहुंची और परिसर की बारीकी से जांच की। इस मामले पर इंदौर के मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि कुछ लोग अच्छे कामों में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ऐसी धमकियों से कुछ हासिल नहीं होगा। इस तरह की धमकियों से शहर में होने वाले कार्यक्रमों और विकास से जुड़े कामों पर असर नहीं पड़ेगा। वहीं, पुलिस अधिकारी राजेश दंडोतिया ने बताया कि चार अलग-अलग जगहों को निशाना बनाकर ईमेल के जरिए धमकियां दी गई हैं। पुलिस इन ईमेल की जांच कर रही है और उन्हें भेजने के लिए इस्तेमाल की गई ईमेल आईडी का पता लगाया जा रहा है। साथ ही यह भी जानने की कोशिश की जा रही है कि ये धमकी भरे संदेश कहां से भेजे गए और इनके पीछे कौन लोग हैं।

'महारानी' नए सीजन के साथ दर्शकों का मनोरंजन के लिए तैयार

चर्चित पॉलिटिकल ड्रामा सीरीज 'महारानी' के नए सीजन के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री हुमा कुरैशी की इस सीरीज के पांचवें सीजन का इंतजार कर रहे प्रशंसकों के लिए मेकर्स ने इसका पहला प्रोमो जारी कर दिया। इस बार रानी भारती की कहानी में राजनीति के साथ उनकी निजी जिंदगी से जुड़े कई नए मोड़ देखने को मिलेंगे। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर प्रोमो साझा करते हुए लिखा, 'कुछ कर्ज वक्त के साथ नहीं, बल्कि हिसाब के साथ उतरते हैं। रानी भारती वापस आ गई है और इस बार यह पर्सनल है।'

इस संदेश से साफ संकेत मिलता है कि नए सीजन में रानी की लड़ाई पहले से ज्यादा व्यक्तिगत और चुनौतीपूर्ण होने वाली है। 'महारानी' के पिछले चार सीजन में दर्शकों ने रानी भारती का सफर एक साधारण महिला से बिहार की प्रभावशाली राजनीतिक शख्सियत बनने तक देखा है। सत्ता की लड़ाई, राजनीतिक साजिशों और निजी महत्वाकांक्षाओं के बीच रानी ने अपनी अलग पहचान बनाई। अब पांचवें सीजन में उनकी जिंदगी एक नए मोड़ पर पहुंचने वाली है। प्रोमो में कहानी के भीतर आने वाले बदलावों और अप्रत्याशित घटनाओं की झलक दिखाई गई है। सीरीज में रानी भारती का किरदार निभाने वाली हुमा कुरैशी भी नए सीजन को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि पांचवां सीजन दर्शकों को कई तरह से चौंकाएगा। अभिनेत्री के मुताबिक, 'महारानी' के हर सीजन ने एक कलाकार के रूप में उन्हें कुछ नया करने का मौका दिया है, लेकिन यह सीजन उनके लिए खास है। हुमा ने यह भी संकेत दिया कि इस बार कहानी में कई दमदार मोड़ और बदलाव देखने को मिलेंगे।

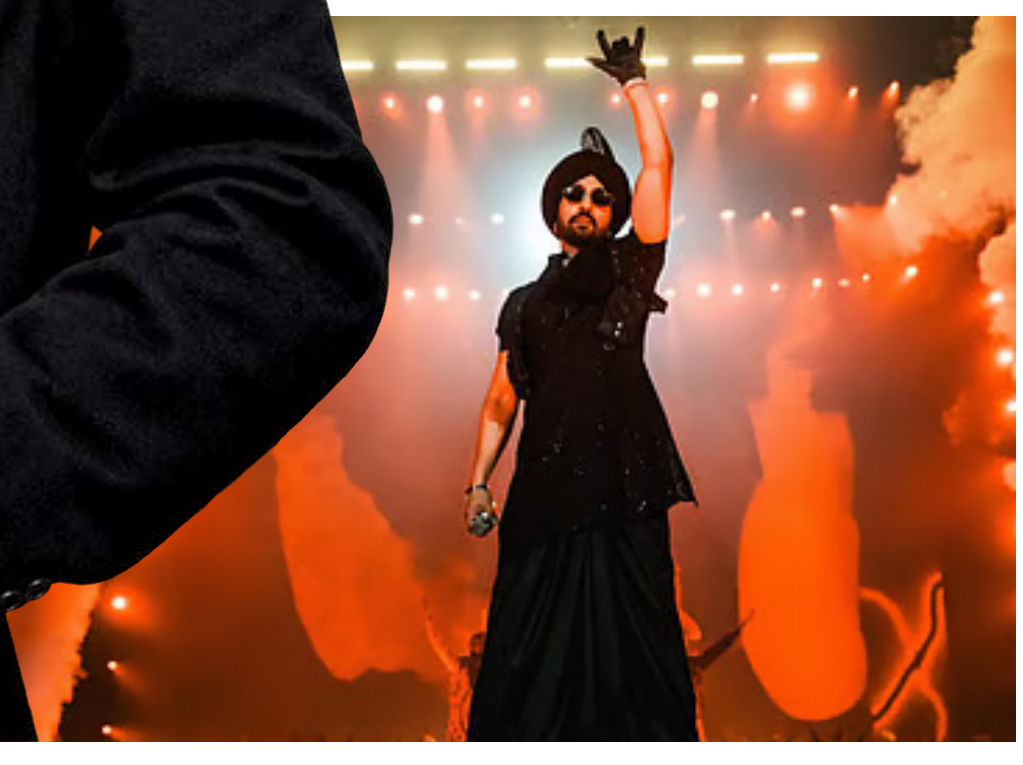

फिल्म 'प्रताप' का नया गाना मिलके रहेंगे रिलीज़

बॉलीवुड फिल्म 'प्रताप' के निर्माताओं ने गायक विशाल ददलानी की दमदार आवाज में 'मिलके रहेंगे' शीर्षक से यह गीत जारी किया है। इस गाने में प्यार, इंतजार, अपनों से बिछड़ने के दर्द और फिर से मिलने की उम्मीद को बेहद खूबसूरती से सुरों में पिरोता है। इस फिल्म का यह गाना रिलीज होते ही इसकी भावनात्मक कहानी की पहली झलक भी दर्शकों के सामने आ गई है। 'मिलके रहेंगे' गाने को रोहन-रोहन ने संगीतबद्ध किया है, जबकि इसके बोल रोहन गोखले ने लिखे हैं।



इस गाने की सबसे बड़ी खासियत इसका भावुक अंदाज है, जो उन रिश्तों की कहानी कहता है, जहां परिस्थितियां और दूरियां भले ही लोगों को अलग कर दें, लेकिन उनके बीच का प्यार और मजबूत होता जाता है। रिदम शॉ ने इस गाने को अरेंज और प्रोड्यूस किया है, वहीं रयान डायस ने इसमें बैकिंग वोकल्स और कोरस अरेंजमेंट्स दिए हैं। गाने की मिक्सिंग और मास्टरिंग शादाब रयीन ने की है। फिल्म के मुख्य अभिनेता ने इस गाने पर बात करते हुए बताया कि 'मिलके रहेंगे' प्यार, प्रतिबद्धता और अपनों से किए गए वादों की भावना को दर्शाता है। उनके अनुसार, दो दिलों के बीच का जुड़ाव इतना गहरा होता है जिसे दूरियां भी खत्म नहीं कर सकतीं। अभिनेता ने उम्मीद जताई कि दर्शक भी इस गीत से गहरा भावनात्मक जुड़ाव महसूस करेंगे।सचिन सराफ के लेखन और निर्देशन में बनी 'प्रताप' एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की कहानी है। फिल्म में अमित साध, प्रताप रानाडे के किरदार में नजर आएंगे, जिसकी जिंदगी उस वक्त एक बड़ा मोड़ लेती है, जब उसे खुद सलाखों के पीछे जाना पड़ता है। फिल्म में ईशा धर्मेंद्र देओल, सीमा बिस्वास, तिग्मांशु धूलिया और मिलिंद गुणाजी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। प्रदीप रंगवानी और यूवी फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म कर्तव्य, वफादारी और जवाबदेही जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को दर्शाएगी।

ओ एम के ट्रेलर में धनुष का फुल ऑन मास अवतार

ममूटी का दमदार दबदबा और साई पल्लवी का खूंखार अंदाज़!

राजकुमार पेरियासामी के निर्देशन में बनी फिल्म ओ एम : चैप्टर 1 – उधिरम : द ब्लड वुड में श्रीलीला भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर ने दिया है। यह फिल्म 20 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ओ एम : चैप्टर 1 – उधिरम : द ब्लड वुड का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जो दर्शकों को राजकुमार पेरियासामी की इस एक्शन ड्रामा की दुनिया की पहली झलक दिखाता है। शानदार दृश्य, बड़े पैमाने पर फिल्माए गए एक्शन दृश्य और जबरदस्त टकराव की झलकियां इस बात का इशारा कर रही हैं कि फिल्म बड़े पर्दे पर एक शानदार सिनेमाई अनुभव देने वाली है। ट्रेलर में धनुष अपने चिर-परिचित अंदाज़ में फुल ऑन मास अवतार में नजर आ रहे हैं, तो वहीं ममूटी अपनी खामोश लेकिन दमदार मौजूदगी से पर्दे पर पूरा दबदबा कायम करते हैं। साई पल्लवी आईपीएस अधिकारी नित्या रेड्डी के किरदार में अपने तीखे और बेखौफ अंदाज़ की झलक दिखाती हैं, जबकि श्रीलीला ट्रेलर में थोड़ी हल्की-फुल्की ऊर्जा और ताजगी लेकर आती हैं। साई अभ्यंकर का दमदार संगीत ट्रेलर की जान बना हुआ है, जो एक तरफ रोमांच और तनाव को बढ़ाता है, तो दूसरी तरफ जबरदस्त एक्शन दृश्यों को और भी



प्रभावशाली बनाता है। ट्रेलर से पहले फिल्म के संगीत संग्रह के तीन गाने 'अलाका लूवा, 'वीझा वीरा और 'सेन्जुदारे रिलीज किए जा चुके हैं, जिन्हें दर्शकों का अच्छा प्रतिसाद मिला है। ट्रेलर को लेकर आरटेक स्टूडियोज की निर्माता श्रद्धा अग्रवाल कहती हैं, ट्रेलर के जरिए अब दर्शकों को आखिरकार उस दुनिया की झलक मिलेगी, जिसे राजकुमार सर ने रचा है और यह भी समझ आएगा कि बड़े पर्दे पर ओ एम का अनुभव कैसा होने वाला है। यह देखना बेहद शानदार रहा है कि फिल्म के संगीत को दुनियाभर के श्रोताओं का इतना प्यार मिल रहा है। हमें उम्मीद है कि ट्रेलर इस उत्साह को और बढ़ाएगा और ज्यादा से ज्यादा दर्शकों को ओ एम की इस दुनिया से जोड़ेगा। राजकुमार पेरियासामी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में धनुष, ममूटी, साई पल्लवी, श्रीलीला, नसीरुद्दीन शाह और इंद्रांस अहम भूमिकाओं में हैं। श्रद्धा अग्रवाल, धनुष और अजमत जगमग द्वारा आरटेक स्टूडियोज और वंडरबार फिल्म्स के बैनर तले निर्मित ओ एम : चैप्टर 1 – उधिरम : द ब्लड वुड 20 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

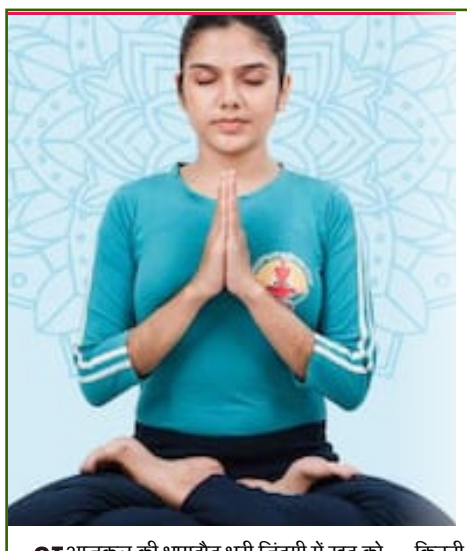

रोजाना कितनी देर करना चाहिए योग, जानिए आयुष मंत्रालय से



आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद को स्वस्थ और फिट रखना किसी चुनौती से कम नहीं है। ऑफिस का काम, घर की जिम्मेदारियां और दिनभर की व्यस्तता के बीच लोग अपनी सेहत के लिए समय नहीं निकाल पाते। ऐसे में योग एक ऐसा तरीका है, जिसकी मदद से न सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है, बल्कि मानसिक शांति भी मिलती है। यही वजह है कि आज बड़ी संख्या में लोग अपनी दिनचर्या में योग को शामिल कर रहे हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि रोजाना कितनी देर योग करना चाहिए? इस सवाल का जवाब देते हुए आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा की है। इसमें बताया गया है कि योग करने की अवधि हर व्यक्ति के लिए एक जैसी नहीं हो सकती। यह व्यक्ति की शारीरिक क्षमता, स्वास्थ्य स्थिति और जरूरतों पर निर्भर करती है। आयुष मंत्रालय के मुताबिक, जो लोग योग की शुरुआत कर रहे हैं, उनके लिए सामान्य तौर पर दिन में करीब 45 मिनट तक अभ्यास करने की सलाह दी जाती है। हालांकि, इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि हर व्यक्ति को रोजाना इतने ही समय तक योग करना चाहिए।

दरअसल, हर इंसान का शरीर अलग होता है। किसी व्यक्ति की शारीरिक क्षमता अच्छी हो सकती है, जबकि कोई किसी बीमारी या शारीरिक परेशानी से जूझ रहा हो सकता है। ऐसे में दोनों के लिए योग का समय और अभ्यास एक जैसा नहीं हो सकता। इसलिए अपनी क्षमता को समझते हुए ही योग करना चाहिए। कई बार लोग दूसरों को देखकर योग करने लगते हैं। अगर कोई व्यक्ति एक घंटे तक योग कर रहा है, तो दूसरा भी उतनी ही देर अभ्यास करने की कोशिश करता है। लेकिन ऐसा करना सही नहीं है। योग का फायदा तभी मिलता है, जब इसे अपनी जरूरत और शरीर की क्षमता के अनुसार किया जाए। अगर आप पहली बार योग शुरू कर रहे हैं, तो शुरुआत में कठिन आसन करने या लंबे समय तक अभ्यास करने से बचें। धीरे-धीरे अपनी क्षमता के अनुसार अभ्यास का समय और स्तर बढ़ाएं। इस दौरान शरीर के संकेतों को समझना भी जरूरी है। किसी तरह का दर्द, चक्कर या असहजता महसूस होने पर अभ्यास रोक दें। आयुष मंत्रालय ने यह भी सलाह दी है कि योग का सही समय और अभ्यास तय करने के लिए योग शिक्षक या विशेषज्ञ की मदद ली जा सकती है। खासकर अगर आप किसी बीमारी से पीड़ित हैं या पहले से कोई शारीरिक परेशानी है, तो बिना सलाह के कठिन योगासन न करें। विशेषज्ञ आपकी सेहत, उम्र और शारीरिक क्षमता को ध्यान में रखते हुए सही अभ्यास और उसकी अवधि बता सकते हैं। इससे योग का अभ्यास सुरक्षित और फायदेमंद बना रहता है।

एकता कपूर ने बताई गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या के साथ 'दिल की बेवफाइयाँ' बनाने की वजह

उठाया सवालः एक ही शादी में एक के लिए सब 'काफी', तो दूसरे के दिल में 'काश' क्यों?



मुंबईः गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या स्टार प्लस के नए शो 'दिल की बेवफाइयाँ' में पहली बार साथ नजर आएँगे। इस जोड़ी को लेकर दर्शकों के बीच पहले से चर्चा है। अब निर्माता एकता कपूर ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में बताया कि शो की कहानी किस सवाल से शुरू हुई। क्या दो लोग अपनी शादी में खुश रहते हुए भी ज़िंदगी से अलग-अलग चीजें चाह सकते हैं? बालाजी टेलीफिल्म्स का यह रोमांटिक फैमिली ड्रामा 24 नवंबर से रात 9 बजे स्टार प्लस और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होगा।

एकता कपूर का वीडियोः https://www.instagram.com/reel/Dft5BxequvG/?obrf=cnJ3N3Q4aHU0cXR0: शो में श्रद्धा आर्या जानकी और गौरव खन्ना मानव की भूमिका में हैं। जानकी को मानव के साथ बिताए रोज़मर्रा के छोटे-छोटे पलों में खुशी मिलती है। उसके लिए दोनों ने मिलकर जो ज़िंदगी बनाई है, वही 'काफी' है। वहीं, उम्र के इस पड़ाव पर मानव के मन में कुछ 'काश' बाकी हैं। वह सोचता है कि अब वह अपने लिए क्या करना चाहता है। जानी-पहचानी परिस्थितियों और सहज बातचीत के माध्यम से शो दर्शाता है कि बरसों साथ रहने के बाद भी दो लोग अपने आने वाले कल को कितने अलग ढंग से देख सकते हैं। शो की सोच के बारे में एकता कपूर कहती हैं, "हर इंसान की ज़िंदगी में नए अनुभवों का रोमांच और ठहराव का सुकून, दोनों की चाह होती है। हम उड़ने और जुड़ने के बीच उलझे रहते हैं। जब हम जुड़ते हैं, तो ज़िंदगी में स्थिरता आती है, लेकिन कभी-कभी वही ज़िंदगी थोड़ी उबाऊ भी लगने लगती है। जब हम उड़ते हैं, तो कुछ नया करने का रोमांच मिलता है। हमें दोनों चाहिए, कुछ नया करने का उत्साह भी और अपनेपन का एहसास भी।" वे आगे कहती हैं, "मैं मानव के माध्यम से इसी उलझन को दिखाना चाहती थी। वह ज़िंदगी के ऐसे मोड़ पर है, जहाँ वह ठहरकर खुद से पूछता है, 'अब मैं अपने लिए क्या करना चाहता हूँ?' वहीं, जानकी उस ज़िंदगी में खुश है, जो दोनों ने मिलकर बनाई है। मैं दोनों का नज़रिया पर्दे पर लाना चाहती थी और दिखाना चाहती थी कि जब एक ही सवाल पर पति-पत्नी के जवाब अलग हों, तो उनके बीच कैसी बातचीत होती है।"

नई सोच एक्सप्रेस
हर खबर पर पैनी नजर
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

आईसीसी का दूसरी बार अध्यक्ष नियुक्त होने पर जय शाह को भारतीय क्रिकेट जगत ने दी बधाई

एजेंसी, नई दिल्ली



अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष के रूप में जय शाह की लगातार दूसरी बार निर्विरोध नियुक्ति पर भारतीय क्रिकेट जगत से उन्हें बधाइयां मिल रही हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई),बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास, भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर, दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली, केएल राहुल, मिताली राज, हरभजन सिंह और शिखर धवन सहित कई खिलाड़ियों ने शाह को नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी हैं। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर शाह को बधाई दी। बोर्ड ने लिखा, "बाली में वैश्विक क्रिकेट संस्था की बोर्ड बैठकों के दौरान आईसीसी अध्यक्ष के रूप में लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध पुनर्नियुक्त होने पर जय शाह को बधाई। हम कामना करते हैं कि आप अपने प्रयासों में लगातार सफलता हासिल करें और क्रिकेट को हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।" बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने शाह के नेतृत्व, दूरदृष्टि और क्रिकेट के विकास तथा वैश्विक पहचान बढ़ाने में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने लिखा, "अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष के रूप में आपके योग्य पुनर्निर्वाचन पर हार्दिक बधाई, जय शाह भाई। आपका नेतृत्व, स्पष्ट दृष्टिकोण और क्रिकेट के प्रति अटूट प्रतिबद्धता प्रेरणादायक रही है। खेल के विकास और वैश्विक पहचान बढ़ाने में आपका योगदान वास्तव में प्रेरित करने वाला है।" मन्हास ने आगे लिखा, "व्यक्तिगत रूप से और बीसीसीआई की ओर से मुझे आपको हार्दिक बधाई, सम्मान और भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए बेहद खुशी हो रही है। उम्मीद है कि आपका यह कार्यकाल और बड़ी उपलब्धियां लेकर आएगा और आप विश्व क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के नए अवसर तैयार करेंगे।" भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी शाह को बधाई देते हुए उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया। उन्होंने लिखा, "जय शाह भाई, आईसीसी अध्यक्ष के रूप में एक और योग्य कार्यकाल के लिए बधाई। आपके नेतृत्व पर जताया गया भरोसा अपने आप में सब कुछ बयां करता है। उम्मीद है कि आप क्रिकेट को और भी ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।" डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा, "आईसीसी अध्यक्ष के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए पुनर्नियुक्त होने पर जय शाह को बधाई। यह क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण समय है, क्योंकि खेल नए अवसरों को अपनाने की तैयारी कर रहा है। इनमें लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028 में क्रिकेट की वापसी भी शामिल है।" उन्होंने आगे कहा, "खेल के वैश्विक विकास को गति देने, इसके तंत्र को मजबूत करने और नए दर्शकों तक पहुंचाने में उनका नेतृत्व महत्वपूर्ण होगा। इस अहम जिम्मेदारी के लिए उन्हें लगातार सफलता की शुभकामनाएं।" भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने भी शाह को बधाई देते हुए लिखा, "बधाई हो, जय भाई। आपको क्रिकेट को और भी ऊंचाइयों तक ले जाते हुए देखने के लिए उत्साहित हूं।" भारत की पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज मिताली राज ने शाह की दूरदृष्टि और महिला क्रिकेट के विकास के लिए अवसर तैयार करने की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने लिखा, "आईसीसी अध्यक्ष के रूप में दोबारा नियुक्त होने पर बधाई, जय शाह सर। क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के आपके दृष्टिकोण और प्रतिबद्धता के साथ-साथ महिला क्रिकेट के विकास के लिए सार्थक अवसर तैयार करने के आपके प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं। क्रिकेट को उसके अगले अध्याय में ले जाने के लिए आपके नेतृत्व को शुभकामनाएं।" पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने लिखा, "आईसीसी अध्यक्ष के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए हार्दिक बधाई, जय शाह भाई। क्रिकेट को नए दर्शकों तक पहुंचाने और नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आपको लगातार सफलता की शुभकामनाएं।

दोहा विश्व चैंपियनशिप में भारत ने रचा इतिहास, 2028 ओलंपिक के लिए पहले ही मुकाबले में मिले तीन कोटा

एजेंसी, नई दिल्ली



भारतीय निशानेबाजों ने दोहा में आयोजित अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028 के लिए तीन कोटा स्थान हासिल किए हैं। इसके साथ ही भारत ने कम से कम पिछले पांच ओलंपिक चक्रों में अपनी सबसे शानदार शुरुआती ओलंपिक क्वालीफिकेशन उपलब्धि दर्ज की है। लंदन ओलंपिक-2012 से लेकर लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028 तक के पांच लगातार ओलंपिक चक्रों में यह पहला अवसर है, जब भारतीय निशानेबाजों ने पहले ही क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में तीन कोटा हासिल किए हैं। खास बात यह है कि तीनों कोटा राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पर्धाओं में विश्व चैंपियनशिप के पदक जीतकर मिले हैं। जयपाल मालवीय ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत का खाता खोला। इसके बाद नीरज कुमार ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में कांस्य पदक हासिल किया, जबकि विवान कपूर ने पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत को तीसरा ओलंपिक कोटा दिलाया। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कालिकेश नारायण सिंह देव ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा, "ओलंपिक चक्र की शुरुआत में ही पहली विश्व चैंपियनशिप में तीन कोटा हासिल करना इससे जुड़े सभी लोगों के लिए बहुत बड़ा प्रोत्साहन है। मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि राइफल, पिस्टल और शॉटगन तीनों स्पर्धाओं में पदक मिले हैं। आमतौर पर इस तरह की लय बनने में कुछ विश्व कप लग जाते हैं। ऐसे में इतनी जल्दी तीन कोटा हासिल होने से टीम पर दबाव काफी कम होगा और हमारे कोचिंग स्टाफ को लॉस एंजिलिस की तैयारी की योजना बनाने के लिए स्पष्ट दिशा मिलेगी।" दोहा में भारत का प्रदर्शन पिछले चार ओलंपिक चक्रों की शुरुआती क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं से बेहतर रहा। लंदन ओलंपिक-2012 से पहले 2010 में म्यूनिख विश्व चैंपियनशिप में भारत ने दो कोटा हासिल किए थे। रियो ओलंपिक-2016 से पहले 2014 की ग्रेनाडा विश्व चैंपियनशिप में एक कोटा मिला था। टोक्यो ओलंपिक-2020 से पहले 2018 की चांगवोन विश्व चैंपियनशिप में भारत को दो कोटा मिले थे। वहीं, पेरिस ओलंपिक-2024 से पहले 2022 में ओसिजेक शॉटगन विश्व चैंपियनशिप और काहिरा राइफल-पिस्टल विश्व चैंपियनशिप में भारत ने कुल दो कोटा हासिल किए थे। एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार सिंह ने दोहा में निशानेबाजों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, "विश्व चैंपियनशिप में ओलंपिक कोटा हासिल करना कभी आसान नहीं होता, क्योंकि दुनिया के सभी शीर्ष निशानेबाज एक ही प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हैं। जयपाल, नीरज और विवान ने बेहद कड़े फाइनल मुकाबलों में अपना संयम बनाए रखा और शानदार प्रदर्शन से ये कोटा हासिल किए।

गंभीर बोले, गेंदबाज जिताते हैं सीरीज

एजेंसी, हैमिल्टन



भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने न्यूजीलैंड में एकदिवसीय सीरीज जीतने केा बाद गेंदबाजों की जमकर प्रशंसा की है। गंभीर ने कहा कि जिस प्रकार से गेंदबाजों ने कम स्कोर का भी बचाव करते हुए पांचवें एकदिवसीय में टीम को जीत दिलायी है उससे उनके महत्व का अंदाजा होता है। भारतीय गेंदबाजों ने पांचवें और अंतिम एकदिवसी में 210 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए मेजबान टीम को 187 रनों पर ही आउट कर भारतीय टीम को 22 रनों से जीत दिला दी थी। इससे टीम ने 3-1 से सीरीज जीती। इस जीत के बाद गंभीर ने सोशल मीडिया पर गेंदबाजों की अहमियत को रेखांकित करते हुए लिखा, गेंदबाज आपको सीरीज जिताते हैं। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी इस जीत को बड़ी उपलब्धि बताया, खासकर न्यूजीलैंड के लगातार बदलते मौसम और चुनौतीपूर्ण खेल हालातों को देखते हुए। उन्होंने कहा कि टीम ने टी-20 और एकदिवसीय दोनों सीरीज जीतकर अपनी क्षमता दिखायी है। अय्यर ने माना है कि अंतिम मैच में बल्लेबाजों का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा, फिर भी टीम को अपने पर विश्वास था कि वह किसी भी समय मैच का रुख पलट सकती है। उन्होंने पूरी सीरीज के दौरान गेंदबाजों की भूमिका की सराहना की। श्रेयस ने कहा, पूरी सीरीज देखें तो यह बल्लेबाजों की सीरीज नहीं थी। गेंदबाजों ने हर अवसर मौके पर जिम्मेदारी संभाली और अलग-अलग हालातों में टीम को जीत दिलाने का भरोसा दिखाया। उन्होंने टीम के खिलाड़ियों के रवैये और उनके चरित्र को टीम की सफलता के लिए आवश्यक बताया। वहीं दूसरी ओर, न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि पिच दो गति वाली थी, कुछ गेंदें तेजी से आ रही थीं जबकि कुछ धीमी थीं। सैंटनर ने माना कि भारतीय गेंदबाजों ने सही क्षेत्ररक्षण लगाकर बल्लेबाजों पर दबाव बनाया और पिच के उछाल का भी लाभ उठाया। मैच के हीरो रहे अर्शदीप सिंह ने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से टीम की जीत में अहम योगदान दिया। उन्होंने चार गेंदों में 14 रन बनाने के बाद गेंदबाजी के दौरान 3 विकेट लिए।

सैफ चैंपियनशिप : पाकिस्तान के खिलाफ खिताबी मुकाबले में भारत की नजरें ऐतिहासिक हैट्रिक पर

एजेंसी, ढाका



गत चैंपियन भारतीय फुटबॉल टीम मंगलवार को यहां राष्ट्रीय स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में उतरेगी। भारतीय टीम की नजरें लगातार तीसरी बार खिताब जीतकर इतिहास रचने और अपना 10वां खिताब हासिल करने पर होंगी। भारत ने अब तक रिकॉर्ड नौ बार सैफ चैंपियनशिप का खिताब जीता है। टीम ने 1993, 1997, 1999, 2005, 2009, 2011, 2015, 2021 और 2023 में यह उपलब्धि हासिल की है। हालांकि, भारतीय टीम अब तक लगातार तीन संस्करणों में खिताब नहीं जीत सकी है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की वेबसाइट के अनुसार, भारत ने 15 संस्करणों में से 14 में शीर्ष दो में जगह बनाई है। केवल 2003 में टीम फाइनल तक नहीं पहुंच सकी थी। दूसरी ओर, पाकिस्तान पहली बार सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है। टीम इससे पहले चार बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी, जिसमें पिछला मौका 2018 में आया था। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने मेजबान बांग्लादेश को 1-0 से हराकर पहली बार खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। अब्दुल समद ने 86वें मिनट में निर्णायक गोल किया। भारतीय टीम के मुख्य कोच नौशाद मूसा ने फाइनल में पहुंचने पर खुशी जताते हुए खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सामूहिक प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा, "अब तक टीम का सफर देखकर मैं बहुत खुश हूं। एक और फाइनल में पहुंचना खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की कड़ी मेहनत, प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयास का नतीजा है। इस दौरान हमें कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन खिलाड़ियों ने अपने चरित्र, जुझारूपन और प्रतिस्पर्धा करने की मजबूत इच्छाशक्ति का परिचय दिया। हर मुकाबला सीखने और सुधार करने का अवसर रहा है और अब हमें एक और महत्वपूर्ण कदम उठाना है।"

बिजनेस

19 नवंबर को लॉन्च होगा महानदी कोलफील्ड्स का आईपीओ, 27 नवंबर को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली



कोल माइनिंग सेक्टर की दिग्गज सरकारी कंपनी और कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक इकाई महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड का करीब 9,500 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च किया जाएगा। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक 23 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 25 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 26 नवंबर को सफल निवेशकों के डीमैट अकाउंट में शेयर क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन जिन निवेशकों को शेयर का अलॉटमेंट नहीं हुआ होगा, उनके लिए रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। कंपनी के शेयर 27 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के मेनबोर्ड प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए प्राइस बैंड और लॉट साइज की घोषणा अभी नहीं की गई है। इस आईपीओ के तहत दो रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 66,18,36,300 शेयर जारी किए जा रहे हैं। यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) पर आधारित है, जिसमें प्रमोटर कोल इंडिया लिमिटेड अपनी 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच रही है। इसमें कोई नए शेयर जारी नहीं किए जा रहे हैं, इसलिए इस इश्यू से मिलने वाली पूरी रकम प्रमोटर कोल इंडिया के पास जाएगी और कंपनी को कोई धनराशि प्राप्त नहीं होगी। इस आईपीओ के कुल साइज में से कोल इंडिया के कर्मचारियों के लिए 3.3 करोड़ शेयर यानी 5 प्रतिशत हिस्सा और कोल इंडिया के शेयरधारकों के लिए 6.61 करोड़ शेयर यानी 10 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रखा गया है। शेष नेट ऑफर में से क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा सुरक्षित रखा गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए कम से कम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस पूरे इश्यू के लिए एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड, एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, बीओबी कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड, आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स एंड सिक्योरिटीज लिमिटेड और आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कंपनी द्वारा सेबी के पास जमा किए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में दी गई जानकारी के अनुसार कंपनी की वित्तीय स्थिति काफी मजबूत बनी हुई है। हालांकि इसके शुद्ध लाभ में लगातार गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 11,841.55 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ (प्रॉफिट आफ्टर टैक्स) हुआ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 10,825.12 करोड़ रुपये रहा। इसके अगले वित्त वर्ष 2025-26 में शुद्ध लाभ और गिरावट के साथ 10,698.12 करोड़ रुपये के स्तर पर दर्ज किया गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही यानी 30 सितंबर 2026 तक कंपनी को 4,880.66 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में कमोबेश स्थिरता बनी रही। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 33,590.34 करोड़ रुपये का कुल राजस्व (टोटल इनकम) प्राप्त हुआ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 33,028.65 करोड़ रुपये रहा और अगले वित्त वर्ष 2025-26 में 3 प्रतिशत की बढ़त के साथ 33,899.28 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

महानदी कोलफील्ड्स का आईपीओ 19 नवंबर को खुलेगा, मूल्य दायरा 129-136 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी, नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की अनुषंगी कंपनी ओडिशा स्थित महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 19 नवंबर को निवेश के लिए खुलेगा। इसमें निवेश के लिए निवेशक 23 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 129-136 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में बताया कि एमसीएल का आईपीओ 19 नवंबर को निवेशक के लिए खुलेगा और 23 नवंबर को बंद होगा। इसके लिए मूल्य दायरा 129-136 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी अपने आईपीओ के जरिए 8,981 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। एमसीएल के मुताबिक ये आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। इसके तहत प्रवर्तक कोल इंडिया लिमिटेड 66.18 करोड़ शेयर बेचकर अपनी 10 फीसदी हिस्सेदारी कम करेगी। कंपनी के सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के अनुसार इस आईपीओ में कोल इंडिया अपनी हिस्सेदारी का एक हिस्सा बेचेगी। कंपनी का शेयर 27 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध हो सकता है।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 673 अंक उछला

एजेंसी, नई दिल्ली



हफ्ते के पहले कारोबारी एवं छठ पूजा के समापन पर आज शेयर बाजार के दोनों प्रमख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 673 अंक उछलकर 82,153 पर और निफ्टी 165 में स्तर पर कारोबार कर रहा है। फिलहाल बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 673.34 अंक यानी 0.83फीसदी की तेजी के साथ 82,265.80 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एकसचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 182.15 अंक यानी 0.72 फीसदी की उछाल के साथ 25,326.45 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। शेयर बाजार में इस बढ़त में इंफोसिस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा जैसी बड़ी आईटी कंपनियों ने अहम भूमिका निभाई है। इनके साथ ही स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस जैसे बड़े बैंकों के शेयरों में भी तेजी देखने को मिल रही है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि विदेशी निवेशकों का जोरदार निवेश और उम्मीद से बेहतर कंपनियों के नतीजे इस उछाल को ऊर्जा दे रहे हैं। हालांकि, सभी सेक्टर्स में ऐसा नहीं रहा। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन और टाटा स्टील जैसी कंपनियों के शेयर गिरे भी, लेकिन भविष्य में अच्छी ग्रोथ की उम्मीद के चलते दलाल स्ट्रीट पर निवेशकों का भरोसा बना हुआ है। इसके अलावा रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.24 पर कारोबार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि 13 नवंबर (शुक्रवार) को शेयर बाजार लगातार तीन दिन की तेजी के बाद गिरावट बंद हुआ था। सेंसेक्स 318.56 अंक यानी 0.39 फीसदी की गिरावट के साथ 81,592.45 के स्तर पर और निफ्टी 155.05 अंक यानी 0.61 फीसदी की गिरावट के साथ 25,144.30 के स्तर पर बंद हुआ था।

विदेशी निवेशकों ने नवंबर में झोंके 76,188 करोड़ रुपये, तीन साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

एजेंसी, नई दिल्ली



लगातार दो महीनों की भारी बिकवाली के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर में भारतीय शेयर बाजार में ऐतिहासिक वापसी की है। सिर्फ दो सप्ताह के भीतर ही विदेशी निवेशकों ने घरेलू बाजार में इतना पैसा लगा दिया है कि तीन साल पुराना मंथली रिकॉर्ड भी टूट गया है। विदेशी निवेशकों के इस जबरदस्त उत्साह से दलाल स्ट्रीट की रौनक फिर से लौट आई है और घरेलू निवेशकों का मनोबल भी काफी मजबूत हुआ है। स्टॉक मार्केट के आंकड़ों के मुताबिक इस महीने 13 नवंबर 2026 के बीच विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी मार्केट में 76,188.75 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की है। इससे पहले किसी एक महीने में सर्वाधिक विदेशी निवेश का रिकॉर्ड दिसंबर 2023 के नाम दर्ज था, जब एफपीआई ने एक महीने में 66,135 करोड़ रुपये का निवेश किया था। इस बार नवंबर मे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने ताबड़तोड़ खरीदारी करते हुए नया कीर्तिमान बना डाला। महीने के शुरुआती नौ कारोबारी सत्रों में ही एफपीआई द्वारा दिसंबर 2023 बनाया 66,135 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड पीछे छूट गया और अब एक नया रिकॉर्ड स्थापित हो गया है। नवंबर की यह ताबड़तोड़ खरीदारी इसलिए भी बेहद खास है, क्योंकि इससे ठीक पहले के दो महीनों में विदेशी निवेशकों ने बाजार से जम कर पूंजी निकाली थी।

टेक्नोलॉजी का जादूः एआई के दम पर दौड़ेगी दुनिया की अर्थव्यवस्थाः रिपोर्ट

एजेंसी, काहिरा । भारत और मिस्र ने द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 6.5 अरब डॉलर से बढ़ाकर 12 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। इसके लिए दोनों देशों ने गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सुगम बनाने और बाजार तक पहुंच बेहतर करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। यह विचार-विमर्श रविवार को हुई भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) की बैठक में हुआ, जिसकी सह-अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और मिस्र के निवेश एवं विदेश व्यापार मंत्री मोहम्मद फरीद सालेह ने की। द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों ने एक तरजीही व्यापार समझौते या मुक्त व्यापार समझौते की संभावनाओं पर विचार करने हेतु एक संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, उत्पादों के पंजीकरण और व्यापार संबंधी नियामकीय प्रक्रियाओं सहित कारोबारी गतिविधियों को प्रभावित करने वाले मुद्दों के समाधान पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ।

कोचीन शिपयार्ड, पीएफसी और ऑयल इंडिया समेत 4 सरकारी कंपनियां इस सप्ताह बांटेंगी अंतरिम लाभांश

एजेंसी, नई दिल्ली



सोमवार यानी 16 नवंबर से शुरू हो रहे नए कारोबारी सप्ताह के दौरान चार प्रमुख सरकारी कंपनियों के शेयर निवेशकों के रडार पर रहेंगे। इन कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने शेयरधारकों को अंतरिम लाभांश यानी इंटरिम डिविडेंड देने का ऐलान किया है। डिविडेंड के लिए इन चारों सरकारी कंपनियों की रिकॉर्ड डेट इसी सप्ताह 16 से 20 नवंबर के बीच पड़ रही है। डिविडेंड देने वाली कंपनियों की इस लिस्ट में सबसे पहला नाम रक्षा और जहाज निर्माण क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड का है। कंपनी के निदेशक मंडल ने अपने निवेशकों को प्रति शेयर 3 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देने की घोषणा की है। इसके लिए 16 नवंबर को रिकॉर्ड डेट तय की गई है। पिछले कारोबारी दिन शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर कोचीन शिपयार्ड का शेयर 1.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,178.50 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था। पिछले एक महीने के दौरान इस स्टॉक में करीब 6.87 प्रतिशत और छह महीने में 28.69 प्रतिशत की कमजोरी देखने को मिली है। समुद्री परिवहन क्षेत्र की प्रमुख सरकारी कंपनी शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया भी इस सप्ताह डिविडेंड को लेकर चर्चा में रहने वाली है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।